अधिकतम तापमान 31.00* » न्यूनतम तापमान 21.00* » सूर्योदय 5:31 » सूर्यास्त 18:58 » डॉलर 73.82 » यूरो 88.66 »

छोटीबड़ीबात

आज ही के दिन 1984 में फू दोरजी आक्सीजन के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले पहले भारतीय बने थे।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

देहरादून | वर्ष-4, अंक-257 | बुधवार 05 मई 2021 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 रुपये

dainikbhaskaruk.com

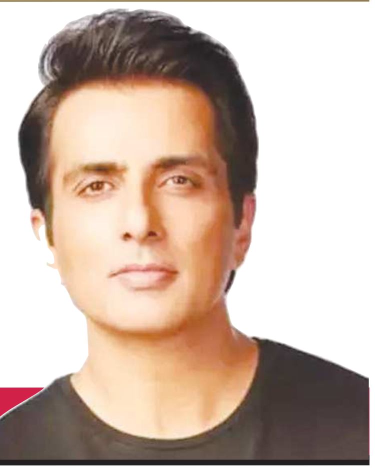

वनडे रैंकिंग में नंबर एक बना न्यूजीलैंड पेज 11›

अभिनेता सोनू सूद को मिला प्रियंका चोपड़ा का साथ पेज 12›

सारसुर्खियां

कोविड-19 के चलते आईपीएल स्थगित

नई दिल्ली। बायो बबल में कोविड 19 के बढ़ते मामलों के बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। हैदराबाद के रिद्धिमान साहा और दिल्ली के अमित मिश्रा के कोविड पॉजिटिव आने के बाद यह निर्णय लिया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को इसकी घोषणा के साथ ही सितंबर में आईपीएल के शेष मुकाबले कराए जाने पर विचार शुरू कर दिया है।

इजरायल भारत को देगा चिकित्सा मदद

तेल अवीव। इजरायल कोरोना वायरस के प्रसार से गंभीर संकट का सामना कर रहे भारत को चिकित्सा सहायता मुहैया कराएगा। इजरायल के विदेश मंत्री गैबी अशकेनाज़ी ने मंगलवार को कहा कि भारत के लिए आपातकालीन सहायता का प्रावधान मुश्किल समय में दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती की अभिव्यक्ति है। इजरायल से ऑक्सीजन जेनरेटर, रेस्पिरेटर, दवाओं और अन्य चिकित्सा उपकरणों की भारत को मंगलवार से ही आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

रेमडेसिविर का उत्पादन तीन गुना बढ़ाया गया

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के उपचार के लिए उपयोग की जा रही रेमडेसिविर दवा के उत्पादन में तीन गुना की वृद्धि कर दी गई है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख मंडविया ने कहा कि देश में तेज़ गति से रेमडेसिविर का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। सिर्फ कुछ ही दिनों में रेमडेसिविर की उत्पादन क्षमता तीन गुना तक हासिल की है और जल्द ही बढ़ती हुई मांग को पूरा कर पाएंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार द्वारा कोरोना से लड़ने के लिए अथक प्रयास जारी है। देश में रेमडेसिविर की बढ़ती मांग को देखते हुए इसका उत्पादन बढ़ा रहा है। कुछ दिन में ही लगभग तीन गुना रेमडेसिविर उत्पादक प्लांट बढ़ाये जा चुके हैं।

कंगना का ट्विटर अकाउंट निलंबित

नई दिल्ली। ट्विटर ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत का ट्विटर अकाउंट स्थाई रूप से निलंबित कर दिया है। कंगना ने ट्विटर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में हिंसा की घटनाओं कहा था कि यह भयानक है। हमें गुंडई को मारने के लिए सुपर गुंडई चाहिए। वह ताड़का की तरह है। मोदी जी, वर्ष 2000 की शुरुआत वाले अपने विराट रूप को दिखाओ। उन्होंने बंगाल में राष्ट्रपति शासन हैशटैग भी किया था। ट्विटर के अनुसार अभिनेत्री कंगना 'हेटफुल कंडक्ट पॉलिसी' का उल्लंघन कर रही थी, इसलिए उनका अकाउंट अब हमेशा के लिए निलंबित कर दिया गया है।

चुनाव बाद बंगाल में हत्या, लूटपाट और आगजनी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा पर जताई चिंता
- 24 घंटों के भीतर दस लोगों की हुई हत्या

वर्धमान में हिंसा के दौरान उपद्रवियों द्वारा फूंके गए वाहन। एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में टीएमसी की प्रचंड जीत के बाद हत्याओं, लूटपाट और आगजनी का दौर शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव बाद हिंसा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की और पीड़ा का इजहार किया है।

राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके इस आशय की प्रतिक्रिया व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति पर अपनी गंभीर पीड़ा और चिंता व्यक्त की। मैंने भी पीएमओ से गंभीर चिंताओं को साझा करते हुए कहा कि राज्य में हिंसक बर्बरता, आगजनी, लूट और हत्याएं बेरोकटोक जारी हैं।

राज्य में रविवार के बाद से पिछले 72 घंटों के दौरान जारी राजनीतिक हिंसा की घटनाओं में एक 80 वर्षीय विधवा समेत 10 लोगों की मौत हो चुकी है तथा कई घरों और दुकानों को आगजनी कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग अपनी जान बचाने के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं।

बंगाल में हो राष्ट्रपति शासनः भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को ज़िम्मेदार ठहराते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को कहा कि चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद से हम जिस प्रकार का मंजर पश्चिम बंगाल में देख रहे हैं, उस पर विश्वास नहीं हो रहा है। पश्चिम बंगाल आज जल रहा है। हमारे कार्यकर्ता हर पल हमारे नेताओं को फोन कर रहे हैं और उनकी एक ही गुहार है हमें बचा लो। पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है वो प्रशासन द्वारा प्रायोजित हिंसा है, जिसके लिए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं।

जेपी नड्डा आज देंगे धरना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा के खिलाफ भाजपा ने पांच मई, बुधवार को देशव्यापी धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। वह पश्चिम बंगाल जा रहे हैं और वह खुद जायजा लेंगे, कार्यकर्ताओं से मिलेंगे, जिन लोगों की जान माल की हानि हुई है, उनके साथ समय बिताएंगे। एक एक विषय पर वह खुद रिपोर्ट तैयार करेंगे। जब पार्टी का मुखिया स्वंय खड़ा हो तो इससे विश्वास पैदा होता है। किसी भी कीमत पर हम लोग सत्य की राह से नहीं हटेंगे।

पुलिस को राजनीतिक हिंसा खत्म करनी होगीः धनखड़। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, बर्बरता, आगजनी, हत्याएं और डराने-धमकाने जैसी गतिविधियों को समाप्त करना होगा। विश्व भर के बंगाली प्रवासियों ने खतरनाक अराजकता पर चिंता व्यक्त की है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हिंसा का मामला

नई दिल्ली। बंगाल में चुनाव के बाद हो रही हिंसा का मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। भाजपा के प्रवक्ता व वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया ने शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजे के बाद हो रहे खून खराबे, हत्या व बलात्कार आदि की घटनाओं की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। इस बीच एक गैर सरकारी संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की गुहार लगाई है। याचिका में कहा गया है कि राज्य में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। ऐसे में वहां संविधान के अनुच्छेद-356 का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। भाटिया ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि टीएमसी के सदस्य उन लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिन्होंने किसी अन्य पार्टी को वोट दिया।

हम आंख नहीं मूंद सकते

हाईकोर्ट ने दिल्ली में ऑक्सीजन की निर्धारित सप्लाई न होने पर केंद्र को दी चेतावनी

- दिल्ली को दी जाए 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में ऑक्सीजन की आपूर्ती को लेकर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एक बार फिर सख्त टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार से कहा कि आप आंख मूंद सकते हैं, लेकिन हम नहीं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि आज पूरा देश ऑक्सीजन के लिए रो रहा है। अगर आप लोगों से ऑक्सीजन आपूर्ति का सही प्रबंधन नहीं हो रहा है तो आप आईआईटी और आईआईएम को यह जिम्मेदारी क्यों नहीं सौंप देते हैं।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि अगर आप ऑक्सीजन टैंकरों का प्रबंधन आईआईटी या आईआईएम को सौंपते हैं तो यह आप से ज्यादा बेहतर काम करेंगे।

हाईकोर्ट ने केंद्र को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आपको 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति दिल्ली को करने के लिए कहा है। यदि आप आपूर्ति नहीं करते हैं तो यह कोर्ट की अवमानना होगी। अब, यह आपका काम है। टैंकर उपलब्ध हैं, लेकिन आप यह काम करने को तैयार ही नहीं हैं।

अगर महाराष्ट्र में इस वक्त ऑक्सीजन की खपत कम है, तो वहां के कुछ टैंकर दिल्ली भेजे जा सकते हैं। एमिकस क्यूरी राजशेखर राव ने कोर्ट से कहा कि शहर के लोगों को यह बताना होगा कि वह घरों में सिलेंडर नहीं रख सकते हैं। साथ ही हमें यह भी अपील करनी होगी कि वे सिलेंडर की जमाखोरी न करें।

हाईकोर्ट ने एक बैंक बनाने का सुझाव दिया, जिसमें लोग स्वेच्छा से सिलेंडर जमा कर सकें।

रुक सकती है विस्टा परियोजना

दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना वायरस के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय विस्टा परियोजना पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर सुनवाई 17 मई तक के लिए टाल दी है। माना जा रहा है कि कोर्ट इस योजना पर रोक भी लगा सकता है। याचिकाकर्ता ने परियोजना में कार्यरत मजदूरों और इसमें शामिल अन्य लोगों का जीवन बचाने की गुहार लगाई और कहा कि परियोजना पर किये जा रहे निर्माण कार्य से कोरोना वायरस का संक्रमण और बढ़ सकता है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल ने कहा कि पीठ सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस बारे में दिये गए फैसले का अध्ययन करना चाहती है। वह परियोजना को लेकर नोटिस जारी नहीं करेगा।

आदेश के बाद भी नहीं मिली ऑक्सीजन

ऑक्सीजन की कमी को लेकर मंगलवार को पीतमपुरा के केडी ब्लॉक स्थित मुनी माया राम जैन अस्पताल ने सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की मांग की। अस्पताल की तरफ कहा गया कि हर दिन एक-दो मौत हो रही है, लेकिन ऑक्सीजन नहीं दी जा रही। न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति रेखा की पीठ ने दिल्ली सरकार को ऑक्सीजन उपलब्ध कराने को कहा। इसके बाद अस्पताल ने दोपहर बाद फिर अदालत से संपर्क किया और कहा कि उन्हें अब तक ऑक्सीजन नहीं मिली है। इस पर कोर्ट ने दिल्ली सरकार से नाराजगी जताई।

भारत और ब्रिटेन बनेंगे समग्र रणनीतिक साझीदार

- मोदी व जॉनसन के बीच हुई वर्चुअल समिट

नई दिल्ली। भारत एवं ब्रिटेन ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगामी दस वर्ष में समग्र रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से एक रोडमैप को स्वीकृति प्रदान की तथा दोनों विश्व की पांचवीं एवं छठी अर्थव्यवस्थाओं के बीच विस्तारित व्यापार साझीदारी (ईटीपी) की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के बीच वर्चुअल शिखर बैठक में ये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक में आठ अन्य करारों पर भी हस्ताक्षर किये गए, जिनमें भारत ब्रिटेन वैश्विक नवान्वेषण साझीदारी करार, प्रवासन एवं आवागमन साझीदारी करार, डिजीटल एवं प्रौद्योगिकी, दूरसंचार एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग के लिए संयुक्त घोषणापत्र, सीमाशुल्क संबंधी मामलों में परस्पर प्रशासनिक सहयोग का समझौता, ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य के आकलन के लिए संयुक्त प्रयासों के सिद्धांतों का वक्तव्य तथा चिकित्सा संबंधी उत्पादों के विनियमन तथा फार्माकोपियल क्षेत्र में सहयोग के करार शामिल हैं।

जॉनसन की भारत यात्रा के दो बार कार्यक्रम बने थे, लेकिन दोनों बार कोविड की स्थिति के कारण यात्रा स्थगित करनी पड़ी। जॉनसन गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आने वाले थे लेकिन ब्रिटेन में कोविड की स्थिति भयानक हो गयी थी। फिर अप्रैल में आने का कार्यक्रम बना तो भारत में स्थिति बिगड़ गई।

3.20 लाख से अधिक मरीज स्वस्थ्य

- 3,57,229 नए कोरोना संक्रमितों की पुष्टि
- 24 घंटों में 3449 मरीजों की चली गई जान

नई दिल्ली। देश में कोरोना से मचे कोहराम के बीच राहत की बात यह है कि महमारी को मात देने वालों की संख्या में भी निरंतर इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटो में रिकार्ड 3.20 लाख से अधिक मरीज कोरानामुक्त हुए हैं। वहीं, अब तक 15 करोड़ 89 लाख, 32 हजार 921 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

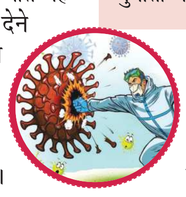

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 3,57,229 नए मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 02 लाख 82 हजार 833 हो गयी। सक्रिय मामलों में लगातार बढ़ोतरी से इनकी संख्या 34,47,133 हो गई है। दूसरी तरफ रिकॉर्ड 3,20,289 मरीजों के स्वस्थ होने से अब तक 1,66,13,292 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। जबकि बीते 24 घंटों में 3449 मरीजों की मौत से यह आंकड़ा बढ़कर 2,22,408 हो गया है। देश में रिकवरी दर घटकर 81.91 फीसदी और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 17.00 प्रतिशत हो गई है, जबकि मृत्युदर घटकर 1.10 फीसदी रह गई है।

सात राज्यों में कम हुए नए मरीज

देश के सात राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से कमी आ रही है, जो कि एक सकारात्मक संकेत हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दैनिक मरीजों की संख्या में कमी आई है। हालांकि विश्लेषण के लिहाज से यह बहुत शुरुआती संकेत हैं। सक्रिय मरीजों की तादाद अब भी चुनौती बनी हुई है।

उत्तराखंड में 7,028 नए कोरोना मरीज

देहरादून। उत्तराखंड में भी कोरोना संक्रमण की स्थिति बेकाबू नजर आ रही है। यहां बीते 24 घंटों के भीतर 7,028 नए कोरोना संक्रमितों की पुष्टि हुई। जबकि इस अवधि में 85 मरीजों की सांसें थम गईं।

मंगलवार को राज्य में रिकॉर्ड 7028 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 85 की मौत हुई है। हालांकि इस अवधि में 5696 लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह स्वस्थ्य भी हुए हैं। राज्य में अब संक्रमितों की संख्या बढ़कर 204051 हो गई है। इनमें से 140184 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वर्तमान में 56627 मामले एक्टिव हैं, जबकि अब तक 3015 की मौत हो चुकी है। राज्य में टीकाकरण भी जोर शोर से जारी है।

ब्रिटेन में जी 7 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कोरोना समेत कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा करते भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर। एजेंसी

पतंजलि योग पीठ में 150 बेड के अस्थायी कोविड अस्पताल का मुख्यमंत्री व बाबा रामदेव ने किया शुभारंभ

कोरोना से जंग में कारगर कदम उठा रही सरकारः तीरथ

- प्री-पेड एंबुलेंस सर्विस को दिखाई हरी झंडी

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। उत्तराखंड सरकार एवं पतंजलि योगपीठ के संयुक्त प्रयासों से संचालित होने वाले 150 क्षमता के कोविड अस्पताल का मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत मंगलवार को विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना से लड़ने के लिए कारगर कदम उठा रही है। इस अस्पताल में 140 ऑक्सीजन बेड, 10 इमरजेंसी बेड, 4 वेंटीलेटर की व्यवस्था है। तीरथ ने हरिद्वार

अस्पताल का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री तीरथ सिंह व बाबा रामदेव।

कोविड पोर्टल और प्री-पेड एंबुलेंस सर्विस को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगातार वेंटिलेटर की संख्या बढ़ाई जा रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुरोध पर आईडीपीएल ऋषिकेश में एवं सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में 500-500 बेड के 2 अस्थाई अस्पताल का काम शुरू किया जा चुका है। हल्द्वानी सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज में अगले कुछ दिनों में 19 मैट्रिक टन क्षमता का ऑक्सीजन टैंक स्थापित किया जा रहा है।

हिमालयन इंस्टीट्यूट जॉलीग्रांट में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के लिए भारत सरकार से आग्रह किया गया है, जिसका सकारात्मक जवाब मिला है। उम्मीद है कि जल्द ये स्थापित हो जाएंगे।

हरिद्वार में संचालित होने वाले इस कोविड अस्पताल का लाभ आसपास के जिलों के लोग भी ले सकेंगे। इस दौरान शहरी विकास मंत्री बंशीधर भगत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, हरिद्वार मेयर अनीता शर्मा एवं आचार्य बालकृष्ण मौजूद रहे।

सरकार के प्रयास सराहनीयः रामदेव

पतंजलि योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव ने कोरोना महामारी को लेकर सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। पतंजलि योगपीठ के सहयोग से संचालित होने वाले अस्पताल में स्टाफ, सफाई, ठहरने भोजन, दवाओं इत्यादि की व्यवस्था भी पतंजलि योगपीठ की ओर से की जाएगी।

डीआरडीओ को 40 करोड़ रुपये जारी

देहरादून। कुमाऊं और गढ़वाल में कोविड-19 संक्रमण के प्रसार और संक्रमण की रोकथाम के लिए डीआरडीओ की ओर से कोविड-19 अस्पताल की स्थापना के लिए शासन ने 40 करोड रुपए जारी कर दिए हैं।

डीआरडीओ की ओर से दोनों जगहों पर प्री-फैबरीकेटेड अस्पताल के निर्माण के लिए जगह भी देख ली गई है। ऐसे में राज्य सरकार से धनराशि प्राप्त होते ही काम शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। माना जा रहा है दो से तीन महीने में यह अस्पताल बनकर तैयार हो जाएंगे जिससे कुमाऊं व गढ़वाल इलाकों में ऑक्सीजन बेड वह आईसीयू बेड की कमी नहीं होगी। डीआरडीओ देश में कोविड अस्पताल के तेजी से निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है।

स्टालिन आज पेश करेंगे सरकार बनाने का दावा

- सर्वसम्मति से चुना गया विधायक दल का नेता

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में द्रमुक के जीत हासिल करने के दो दिनों बाद पार्टी अध्यक्ष एम के स्टालिन को मंगलवार को विधायक दल का नेता चुना गया। बुधवार को वह राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

द्रमुक राज्य में छठी बार सत्तारूढ़ होने जा रही है। नवनिर्वाचित विधायकों की द्रमुक कार्यालय अन्ना अरिवलयम में बैठक हुई, जहां एक प्रस्ताव पारित करके स्टालिन को विधायक दल का नेता चुना गया। द्रमुक महासचिव दुरईमुरुगन ने विधायक दल के नेता के रूप में स्टालिन के नाम का प्रस्ताव किया, जिसका विधायकों ने समर्थन किया।

स्टालिन अब तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से बुधवार को राजभवन में मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

वह पुरोहित को अपने मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों की सूची भी सौंपेगे। राज्यपाल के आमंत्रण के बाद स्टालिन राजभवन में सात मई को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राज्य विधानसभा चुनावों में 10 वर्ष से सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक को पराजित करके द्रमुक गठबंधन ने 159 सीटों पर विजय हासिल की है। राज्य विधानसभा में 234 सीटें हैं।

page-2 page 1 5/4/2021 8:40 PM Page 1

देहरादून

आज ही के दिन 1479 में सिखों के तीसरे गुरू अमरदास का जन्म हुआ था।

सारसुर्खियां

आंदोलनकारी के निधन पर जताया शोक

देहरादून। राज्य निर्माण के वरिष्ठ आंदोलनकारी अवतार सिंह राणा के कोरोना संक्रमण से हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राज्य आंदोलनकारी धीरेंद्र प्रताप तथा कांग्रेस के निवर्तमान प्रदेश प्रवक्ता एवं राज्य आंदोलनकारी सूरज नेगी ने गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा राणा ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई जिसे राज्य का जनमानस कभी भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि राणा सरल स्वभाव के व्यक्ति थे उनके निधन से जनपद रुद्रप्रयाग को भारी नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार को भगवान इस दुख को सहने की क्षमता दे।

किया हवन

देहरादून। दून एनिमल वेल्फेयर संस्था की ओर से कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए संस्थापक आशु अरोड़ा ने श्री कृष्णा धाम गौशाला में हवन किया। जिसमें कोरोना नियम को ध्यान में रखते हुए सीमित (4) लोगों ने भाग लिया। आशु ने बताया कि पिछले साल भी कोरोनाकाल में उन्होंने बेसहारा जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था की थी। अब कोरोना की दूसरी लहर में एक बार फिर वह इनकी सेवा में जुटे हैं। आशु ने बताया कि वह अपनी कार में चारा रखकर सड़क पर निकलते हैं। जहां भी पशु नजर आते हैं, उन्हें वहीं पर चारा व पानी देते हैं। वह रोजाना शहरभर में घूमकर पशुओं को चारा उपलब्ध करवा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर संस्थापक मिली कौर स्वयं खाना बनाती है।

ऑक्सीमीटर महत्वपूर्ण

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर कहा कि इस वक्त प्रदेश में कोरोना का प्रकोप चरम पर है ऐसे में जो लोग घर में आइसोलेट है। सरकार उन तक आइसोलेशन किट नहीं पहुंचा पा रही है और जिन लोगों को किट मिल भी रही है उसमें ऑक्सीमीटर गायब है। जिससे कि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा का पता चलता है। ऐसे में मरीज अपना घर पर ऑक्सीजन लेवल कैसे जांचेगे। उन्होंने कहा कि वे इस वक्त खुद करो ना जैसी महामारी से जूझ रहे हैं।

विद्युत दरों में बढ़ोत्तरी के विरोध में उतरी कांग्रेस

भास्कर समाचार सेवा

- प्रदेश सरकार का पुतला फूंककर किया प्रदर्शन

देहरादून। महानगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली के दामों में लगातार बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में केन्द्र व राज्य सरकार का पुतला दहन किया।

इस दौरान महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि सरकार की ओर से बिजली के दामों में वृद्धि की जा चुकी है जिसके कारण आम आदमी का जीना दूभर हो चुका है। जबसे केन्द्र एवं राज्य में भाजपा की सरकार सत्ता में आई है बिजली की दरों में भारी वृद्धि हुई है जिससे गरीब आदमी पर मंहगाई का लगातार बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा चार धाम यात्रा पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था वाले उत्तराखंड में इस निर्णय से लाखों परिवारों की आजीविका पर घोर संकट उत्पन्न हो जाएगा जिसके लिए सरकार को चाहिये कि वे वहां के स्थानीय काम धंधें वाले लोगों के जीवन यापन हेतु उचित कदम उठाए ताकि उनकी आजीविका का साधन चलता रहे।

आज पूरा देश कोरोना महामारी की चपेट में है लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है ऐसे में आज पूरे प्रदेश में बिजली के बढ़ते हुए दामो को लेकर रोष व्याप्त है। सरकार जल्द से जल्द बिजली के बढ़े हुए बिलो में कटौती करे ओर कोरोना काल के दौरान बिल माफ करे अन्यथा जनमानस को मजबूर होकर सड़को पर उतरना पड़ेगा। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ओर उज्जवला योजना का ढिंढोरा पीट रहे हैं वहीं रसोई गैस का असर सीधे महिलाओं की रसोई पर पड़ रहा है। भाजपा के शासन में महंगाई चरम पर है। बिजली, पानी एवं अनाज के दाम बढ़ते जा रहे हैं। इस दौरान मुकेश सोनकर, सुनील कुमार बांगा, राहुल प्रताप, मदन कोहली, पुनीत कुमार, अनूप कपूर, आशीष सक्सेना, अर्जुन सोनकर, भरत शर्मा, सूर्य प्रताप राणा आदि उपस्थित थे।

व्यापारियों के नुकसान की भरपाई करे सरकार: कांग्रेस

देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून के अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने महामारी कोरोना काल के चलते होटल एवं रेस्टॉरेंट संचालकों छोटे व्यापारियों को हो रहे नुकसान तथा देहरादून के अस्पतालों में स्थानीय जनता को आ रही समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित किया। लालचन्द्र शर्मा ने कहा कि जिस तरह प्रदेष में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस समय उत्तराखंड में कोरोना चरम पर है। इसमें खास तौर से देहरादून खासा प्रभावित है। लगातार कोरोना के मामले आने से लोगों की मौत भी हो रही है। जो कि चिंता का विषय है। ऐसे में सबसे बड़ी जरूरत हेल्थ सिस्टम को बेहतर से बेहतर करने की है। उन्होनें कहा होटल कारोबार से जुड़े लोग बेरोजगार हो गए हैं यही वजह थी कि इस साल से पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों को बड़ी उम्मीद थी। लेकिन कोरोना ने फिर कारोबार की कमर तोडनी शुरू कर दी है। होटल एवं रेस्टॉरेंट संचालकों के लिए सरकार को चाहिए कि वह कारोबार को आवश्यक कार्यों में शामिल करके ही गाइडलाइन बनाए।

कोरोना से लड़ने को प्रीतम ने दिए 21 लाख

भास्कर समाचार सेवा

- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र, दिए कई सुझाव

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र चकराता के चारो सामुदायिक केंद्र के अस्पतालों में कोरोना से बचाव के मद्देनजर आक्सीजन समेत अन्य उपकरणों की व्यवस्था के लिए विधायक निधि से 21 लाख राशि दी। प्रीतम सिंह ने कहा कि प्रदेश और जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रशासन को हमारे तरफ से हरसंभव मदद मुहैया कराई जाएगी। 'तेरा तुझको अर्पण' का सन्देश देते हुए प्रीतम सिंह ने चकराता के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहिया, त्यूणी, कलसी और चकराता में 16 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, 16 सेमि फोल्डर बेड, 40 ऑक्सीमेटर, 20 ऑक्सीजन सिलेंडर के व्यवस्था के लिए अपनी निधि से राशि दी। प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा की क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को मैंने सरकार को कई सुझाव भी दिए और मेरे विस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों के महामारी की चपेट में आने की संख्या बढ़ती जा रही है। चकराता के सामुदायिक केंद्र में सरकार की तरफ से उचित स्वास्थ्य व्यवस्था मुहैया कराने के लिए मुख्यमत्री को पत्र भी लिखा है।

प्रतिकात्मक रूप से खुलेंगे चार धामों के कपाट, यात्रा नहीं होगी अभी शुरू

उत्तराखंड चार धाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के सीईओ ने जारी की गाइडलाइन

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। देशभर में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने यह पहले ही निर्णय ले लिया था कि चारों धामों के कपाट तय समय पर खोले जाएंगे, लेकिन चारधाम यात्रा आम श्रद्धालुओं के लिए शुरू नहीं की जाएगी। जिसके बाद इस मामले में आदेश भी जारी हो गए हैं। उत्तराखंड के चारों धामों के कपाट खोले जाने को लेकर उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है, जिसके तहत चार धाम के कपाट खोले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस साल बदरीनाथ धाम के कपाट 18 मई सुबह 4:15 बजे, केदारनाथ धाम के कपाट 17 मई सुबह 5 बजे, गंगोत्री धाम के कपाट 15 मई सुबह 7:31 बजे और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के दिन यानी 14 मई दोपहर 12:15 बजे खुलेंगे जबकि द्वितीय केदार मदमहेश्वर के कपाट 24 मई, तृतीय केदार तुंगनाथ और चतुर्थ केदार रूद्रनाथ के कपाट 17 मई को खुलेंगे। उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के सीईओ की ओर से जारी किए गए आदेश के मुताबिक कोविड-19 की दूसरी लहर के संक्रमण की स्थिति को देखते हुए लोगों के स्वास्थ्य की चिंता है, जिसे देखते हुए उत्तराखंड स्थित चारधाम की यात्रा आम श्रद्धालुओं के लिए अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। लेकिन चारों धामों के कपाट अपनी पूर्व परम्परानुसार निर्धारित तिथि और समय पर खोले जाएंगे। इसके साथ ही परम्परानुसार सामान्य पूजा सांकेतिक रूप से गतिमान रहेगी।

इन निर्देशों का करना होगा पालन

देहरादून। देवस्थानमों में पूजा करने के लिए रावल, नायब रावल, पुजारीगण, पंडा, पुरोहित, स्थानीय हक-हकूकधारी एवं बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी हो ही धामों के लिए अनुमति होगी। चारों धामों के कपाट खुलने के बाद चारों धाम सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक ही खुले रहेंगे। प्रवेश द्वार पर हाथों को कीटाणु रहित करने के लिए एल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का प्रयोग किया जायेगा एवं थर्मल स्क्रीनिंग मशीन से भी जांच की जाएगी।साथ ही जिन व्यक्ति विशेषों में कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं होगा, केवल उन्हें ही देवस्थान परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। सभी प्रवेश करने वाले व्यक्ति विशेषों को फेस कवर (मास्क) का प्रयोग करना अनिवार्य होगा। जूते-चप्पलों को अपेक्षित स्थान पर ही रखना आवश्यक होगा। देवस्थानम परिसर के अंदर एवं बाहर सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। देवस्थानम गर्भ गृह में केवल रावल, पुजारी एवं संबंधितों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। लाइन में लगने की स्थिति में व्यक्तियों को एक दूसरे से कम से कम 6 फीट की शारीरिक दूर रखनी होगी। मूर्तियों, घंटियों, प्रतिरूपों, ग्रन्थों/पुस्तकों आदि को स्पर्श करने की अनुमति नहीं होगी। देवस्थानम परिसर में किसी भी प्रकार का प्रसाद वितरण टीका लगाने आदि की अनुमति नहीं होगी। भोग आदि वितरण के समय शारीरिक दूरी के मानकों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा। मंदिर के अंदर एक ही मैट, दरी, चादर के प्रयोग से पूर्णतः बचना होगा। कोविड-19 संक्रमण के रोकथाम के लिए समय-समय पर शासन-प्रशासन की जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा का रखा ध्यान: महाराज

भास्कर समाचार सेवा

- उत्तराखंड के होमस्टे में वर्क फ्रॉम होम की हैं सभी व्यवस्था

देहरादून। इस महीने में उत्तराखंड के चारधाम के कपाट खुलेंगे। कपाट खुलने की तिथि पहले ही तय की जा चुकी है। मंगलवार को बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री के रावल, पुजारीगण और मंदिरों से जुड़े स्थानीय हक हकूक धारी, पंडा पुरोहित, कर्मचारी व अधिकारी के लिए एसओपी जारी की गई। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि लोगों की सुरक्षा उत्तराखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश-विदेश के तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एसओपी तैयार की गई है। ऐसे में व्यापारियों की आर्थिकी को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों के लिए सुरिक्षत ढंग से होम स्टे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रदेश के सभी होम स्टे में पर्यटक वर्क फ्रॉम होम भी कर सकते हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड चारधाम यात्रा लाखों लोगों का रोजगार और आजीविका का साधन है। यात्रा को जल्द सुरक्षित ढंग से शुरू करने के लिए अधिकारियों, मंदिर समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय व्यापारियों के सुझाव लिए जा रहे हैं। इससे पहले कोरोना की जंग जीतने के लिए विशेषज्ञों की देखरेख में प्रदेश भर में टीकाकरण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। कोरोना की वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित और असरदार है। सरकार की ओर से टीके के लिए जागरूक भी किया गया है। उत्तराखंड के होम स्टे में रहकर वर्क फ्रॉम होम करने वालों को सिर्फ 72 घंटे पहले वाली कोरोना की आरटीपीसीआर रिपोर्ट साथ लानी होगी।

जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में आकर वर्क फ्रॉम होम करने वालों के लिए प्रदेश के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे पर्यटक स्थल हैं, जो कि अपनी नैसर्गिक छटा एवं सांस्कृतिक विरासत को अपने में समेटे हुये हैं। जहां बने हुए होम स्टे में पर्यटकों के लिए उचित आवास एवं खान-पान की सुविधा के साथ संचार व्यवस्था को भी मजबूत किया

नुकसान की भरपाई को करेंगे वैकल्पिक व्यवस्थाएं: दिलीप जावलकर

पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने कहा कि कोरोना के चलते उत्तराखंड पर्यटन उद्योग को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए हम प्रयासरत हैं। पर्यटन उद्योग के नुकसान को कम करने के लिए हम लगातार वैकल्पिक व्यवस्थाओं को तलाश रहे हैं। तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एसओपी तैयारी की गई है।

सभी की थर्मल स्क्रीनिंग जरूरी होगी: रमन

देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व गढ़वाल आयुक्त रविनाथ रमन ने कहा कि बोर्ड ओर से एसओपी जारी की गई है। मंदिरों के प्रवेश द्वारों पर हाथों को सेनेटाइज करना होगा और सभी की थर्मल स्क्रीनिंग जरूरी होगी। सभी प्रवेश करने वाले व्यक्ति विशेषों को फेस कवर (मास्क) का प्रयोग करना अनिवार्य होगा। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच देवस्थानम परिसर के अंदर एवं बाहर सोशल डिस्टेसिंग का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। जिन व्यक्ति विशेषों में कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं होगा, केवल उन्हें ही देवस्थान परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी।

पंजाबी महासभा ने फिर से उठाया सेवा का बीड़ा

भास्कर समाचार सेवा

- कोविड मरीजों को निशुल्क दिया जा रहा है ऑक्सीजन सिलेंडर

देहरादून। उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने इस कोरोना काल में फिर से सेवा करने का बीड़ा उठाया है। उत्तरांचल पंजाबी महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री राजीव सच्चर के नेतृत्व में महानगर महामंत्री गोविंद मोहन, महानगर उपाध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह (मोंटी), विजय कथूरिया, सचिन आनन्द, विनोद कपूर, एवं वीरेंद्र पाल सिंह (डिंपी), सीमा डोरा की देखरेख में यह व्यवस्था सुचारू रूप से चलाई जा रही है। जिसमे प्रदेश एवं महानगर के पदाधिकारी इस समय ऑक्सीजन सिलेंडर मुफ्त में घरों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं ताकि समाज में अधिक से अधिक व्यक्तियों की मदद की जाए जिन्हें ऑक्सीजन की दरकार है। इसमे अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार नरेंद्र जीत सिंह बिन्द्रा का सहयोग मिला।

अभी तक पंजाबी महासभा ने कई मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर मुफ्त में मुहैया कराए हैं और अब इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने मरीजों के लिए दवाइयों का भी निशुल्क इंतजाम किया है।

जरूरतमंद महिलाओं को की राशन की मदद

- कोरोना संकट में देवदूत बनी अपने सपने संस्था

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। अपने सपने संस्था इस कोरोना संकट के समय में उन परिवारों की मदद कर रही है जो अपने परिवार के चूल्हे के लिए एक एक दिन के लिए संघर्ष करते है। संस्था ने मैं हूं ना अभियान के तहत सुभाषनगर में उन परिवारों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है जो घरों में जा कर कबाड़ लेने का कार्य करते है एवं वह महिलाएं जो दूसरों के घरों में झाड़ू-पोछे का काम कर अपने परिवार का जीवनयापन करते है।

अपने सपने संस्था के संस्थापक अरुण कुमार यादव ने बताया कि इस कोरोना संकट में ऐसे लोगो का काम ठप होने पर मैं हूं ना अभियान के तहत ऐसे 40 परिवारों को राशन के रूप में मदद कर रहा है। उन्होंने के कहा इसके साथ साथ कोरोना संक्रमित परिवार के घर जाकर एवं फोन के माध्यम से उनको हिम्मत और हौसला भी प्रदान कर रहे है। इस समय मैं 15 से 20 संक्रमित परिवार के कुछ परिवारों को घर जाकर एवं कुछ को फोन के माध्यम से रोजाना उनको हिम्मत और हौसला बढ़ा रहा हूं।

इस कोरोना संकट की घड़ी में अरुण कुमार यादव ने कहा कि प्रत्येक लोग कोविड 19 के सावधानी रूपी नियम का पालन करे, साथ ही दवा के साथ-साथ संक्रमित लोगो को एवं उनके परिवार को हिम्मत और हौसला जरूर प्रदान करे जिससे वह इस संकट के उभर सके। इस अभियान में डॉ शिव सिंह पाल, वैज्ञानिक सुनील कुमार, मोहम्मद कैफ, निधि नौटियाल, दीपिका, कुलदीप नेगी, सागर रावत, संगीता सुब्बा, अभिषेक गुप्ता, संतोषी, अजित, जितेंद्र के प्रति आभार प्रकट किया।

जरूरतमंद महिला को राशन देते संस्था के अध्यक्ष।

युवाओं की जान से खिलवाड़ कर रही तीरथ सरकार:अमित

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जोशी ने आज एक प्रेस के माध्यम से उत्तराखंड की बीजेपी सरकार पर 18 से 44 साल के युवाओं को वैक्सीनेशन में देरी करने पर ,सीधे तौर पर राज्य सरकार पर 50 लाख युवाओं के जान के साथ खिलवाड़ का मामला बताया। आप उपाध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह लगातार उत्तराखंड में कोरो ना के मामले बढ़ते जा रहे और मृत्यु दर पूरे देश में सबसे ज्यादा उत्तराखंड में है ऐसे में यहां के युवाओं को 1 मई से वैक्सीनेशन की बात कहकर बीजेपी शायद भूल गई यही वजह है कि अब तक उत्तराखंड में 18 से 44 साल के युवाओं की वैक्सीनेशन अभी शुरू नहीं हो पाई है। अमित जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री तीरथ रावत ने बकायदा 23 अप्रैल को घोषणा करते हुए कहा था उत्तराखंड में 1 मई से सबको वैक्सीन लगेगी लेकिन आज चार दिन उपर बीत जाने के बाद भी कहीं दूर दूर तक उम्मीद नहीं दिखाई देती कि वैक्सीनेशन कब से शुरू होगा। जबकि विशेषज्ञों की माने तो अगले एक हफ्ते से पहले उत्तराखंड में वैक्सीनेशन किसी भी हालत में शुरू होते नहीं दिखाई देते हैं जिससे बढ़ते कोरोना के प्रकोप के चलते उत्तराखंड के 50 लाख से ज्यादा युवा प्रभावित होंगे।

दैनिक भास्कर
स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार अग्रवाल द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सेक्टर-6 नोएडा, यूपी, 201301 से मुद्रित एवं 12/20, आशीर्वाद एनक्लेव, चकराता रोड देहरादून से प्रकाशित।
संपादक : संजय कुमार अग्रवाल
स्थानीय संपादक : गिरीश चंद्र तिवारी*
संपादकीय कार्यालय : 51/5 राजपुर रोड, नियर सीएन. आई. चर्च, देहरादून, 248001
कार्यालय : 0135-2655500
मोबाइल : +91-6396754808
website: dainikbhaskaruk.com
Editbhaskaruk@gmail.com
*इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।
UTTHIN/2017/74028

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी रहेगा। आज, सामाजिक कार्य करने से, आप जनता के प्रिय बन जाएंगे, जिससे आपके दोस्तों की संख्या भी बढ़ जाएगी। आज आपको गोदान भूमि के क्षेत्रों में लाभ होगा। आज शाम को, आपकी माँ को कुछ शारीरिक दर्द हो सकता है, जिसके कारण आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, लेकिन रात तक सब कुछ सामान्य हो जाएगा, इससे परेशान न हों। आपके पिता के आशीर्वाद से आज आपको सरकार द्वारा सम्मानित किए जाने की भी उम्मीद है।

वृष : आज अगर आप नौकरी करते हैं, तो आपके कुछ दुश्मन आपके कार्यस्थल में पैदा हो सकते हैं, वे आपकी छवि को धूमिल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको परेशान नहीं होना चाहिए क्योंकि आपकी चतुर बुद्धि सभी दुश्मनों, व्यापार करने वाले लोगों को हरा देगी। , अगर वह साझेदारी में कोई व्यवसाय करना चाहता है, तो इसके लिए दिन सबसे अच्छा होगा। संतान के विवाह से संबंधित कोई समस्या आज समाप्त होगी, जिसमें जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन : पैसों के मामले में आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज, यदि आपके पास कोई स्थिर धन है, तो आप इसे प्राप्त कर सकते हैं, जो आपको खुश कर देगा। आज आप अपने जीवनसाथी के लिए कोई उपहार खरीद सकते हैं। आज आप अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी कुछ पैसा खर्च करेंगे। आज आपको अपनी नौकरी में इस बात का ध्यान रखना होगा कि आपके सामने वाला व्यक्ति बुरा न माने। आज आपको अपने व्यवहार के साथ-साथ अपने खाने-पीने पर भी ध्यान देना होगा।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आपको अकर्णा के छोटे भाई-बहनों के असहयोग का लाभ मिलेगा। अपने स्वभाव को लेकर गंभीर रहें, केवल मेहनत करने से ही आप अपने काम में सफल हो पाएंगे। आज आपके कुछ शत्रु प्रबल होंगे, लेकिन यह अपने इरादों में सफल नहीं होंगे। आज रात आध्यात्मिक नेता के साथ आपका तर्क हो सकता है। आप एक खुशमिजाज व्यक्तित्व हैं, जिसे देखकर हर कोई आपको जोड़े रखने की कोशिश करता है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल देने वाला रहेगा। आज आपमें परोपकार और परोपकार की भावना बढ़ने लगेगा, आज आपको विश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। अपने पुराने रुके हुए काम को पूरा करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, लेकिन आपको अपने आलस्य को दूर करने देना होगा। शत्रु आपके पराक्रम को देखकर हतोत्साहित होंगे। व्यापार के लिए बनी नई योजनाओं पर काम आज शुरू हो सकता है

कन्या : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कुछ समय से शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं, तो वह भी आज खत्म हो जाएगा और आपकी संपत्ति भी बढ़ सकती है। आज आप अपने किसी परेशान मित्र की मदद भी कर सकते हैं, जो आपके मन को सुखद एहसास दिलाएगा। आपके बच्चे के भविष्य से जुड़ी कोई अच्छी खबर आज आपको मिल सकती है, जिससे आपका मानसिक तनाव कम होगा। शाम के समय आप अपने परिवार के बड़े सदस्यों के साथ सलाह-मशविरा करके आज समय बिताएंगे।

तुला : आपके व्यवसाय के काम के लिए आज एक उत्कृष्ट दिन होगा क्योंकि आज आप अपने व्यवसाय की नई रणनीतियों को व्यस्तता और चलाने के साथ सफल बनाने की कोशिश करेंगे। आज आपकी नौकरी में किसी बात का आरोप लग सकता है, लेकिन परेशान न हों। कुछ ऐसा होगा जिससे आप अपनी बात सच कर पाएंगे। शाम के समय में आप आज वाहन चलाने में सतर्क रहेंगे क्योंकि चोट लगने की संभावना है, इसलिए वाहन सावधानी से चले

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आय की तुलना में आपके लिए अधिक खर्च होंगे, इसलिए आपको सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आप भविष्य में परेशानी का सामना करेंगे। आज, आपके बच्चों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के कारण, आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने दोस्तों के साथ मस्ती में शाम बिताएंगे।

धनु : नआज का दिन आपके लिए मिश्रित फल लेकर आएगा। आपको आज अपने परिवार में चल रहे झगड़े को समाप्त करना होगा, अन्यथा यह आपका मानसिक तनाव बना रहेगा। अगर आप आज किसी बैंक या संस्थान से लोन लेने की सोच रहे हैं, तो इसे बिल्कुल न लें क्योंकि इसके लिए दिन अच्छा नहीं है, इसे उतारना मुश्किल होगा। आज राजनीतिक क्षेत्र में आपका विस्तार भी बढ़ेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको अपने पूर्वजों से कुछ धन प्राप्त होने की बहुत संभावना है। आज आपको अपने किसी साथी या सहयोगी से बिना मांगे कोई सलाह देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इसका उल्टा असर होगा, इसलिए सावधान रहें। रात के समय आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं, जिससे आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। व्यापार में आज आप कुछ नई रणनीति बनाएंगे, जिसका फायदा आपको बाद में होगा। विवाहित लोगों के लिए आज विवाह के बेहतरीन प्रस्ताव आएंगे

कुंभ : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आपको आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से भी धन प्राप्ति की बहुत उम्मीद है। आज आप अपनी आय बढ़ाने के लिए कोई काम करेंगे, तो आपको सफलता मिलेगी। छात्रों को अपनी परीक्षा की तैयारी में कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। जीवनसाथी की सलाह आपके व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ लाएगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में आज कुछ कमी हो सकती है, इसके लिए भाग्य का साथ ज्यादा रहेगा

मीन : आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल लेकर आएगा। आपको आज युवा वर्ग से भी सम्मान मिलता दिख रहा है, लेकिन आज आपको अपनी नौकरी में अपने दुश्मनों से सावधान रहना होगा क्योंकि वे आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आज आपको ससुराल पक्ष और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में आज कोई नया सौदा हो सकता है, जिसका आपको बहुत लंबे समय से इंतजार था।

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री, हरिद्वार
मो. 9837081951
Email: astro@aatrayshri.com
Website: www.aatrayshri.com

आज ही के दिन 1916 में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म हुआ था।

त्रिस्तरीय पंचायतों को 90 करोड़ की पहली किश्त जारी

- **मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने किया डिजिटल हस्तांतरण**
- **अनुदान का 20 फ़ीसदी कोविड संक्रमण से बचाव में खर्च कर सकेंगी पंचायतें**

भास्कर समाचार सेवा

त्रिस्तरीय पंचायतों को धनराशि हस्तांतरित करते मुख्यमंत्री तीरथ सिंह।

देहरादून। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने मंगलवार को कैंप कार्यालय में पीएफएमएस के माध्यम से त्रिस्तरीय पंचायतों को राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष (2021-22) प्रथम त्रैमासिक किस्त (अप्रैल-मई-जून) का डिजिटल हस्तांतरण किया गया। इसके तहत प्रदेश के ग्राम पंचायतों के लिए 27 करोड़ 20 लाख, प्रदेश के क्षेत्र पंचायतों को 20 करोड़ 40 लाख जबकि जिला पंचायतों के लिए 42 करोड़ 64 लाख 84 हजार रुपए की धनराशि हस्तांतरित की गई। राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2021-22 की प्रथम त्रैमासिक किश्त के रूप में कुल 90 करोड़ 24 लाख 84 हजार रुपए है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अनुदान की धनराशि सभी पंचायतों को पीएफएमएस ने एकसाथ डिजिटल हस्तांतरण के माध्यम से अनुदान की राशि हस्तांतरित की जा रही है, ताकि यह धनराशि बिना विलंब के संबंधित पंचायतों के खाते में हस्तांतरित हो सके तथा उन्हें अपनी विकासपरक योजनाओं के साथ-साथ कोरोना वायरस महामारी संक्रमण से ग्रामवासियों के बचाव के लिए आवश्यक उपायों और बाहर से आये नागरिकों के संस्थागत क्वारेंटीन संबंधी व्यवस्था हेतु सामुदायिक भवनों (विद्यालय, पंचायत भवन, अन्य सामुदायिक भवन आदि) की साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल, शौचालय व्यवस्था, तथा सैनिटाईजेशन आदि कार्यों को पूर्ण करने में सहायता मिल सके। ग्राम पंचायतों को हस्तांतरण की जा रही धनराशि के सापेक्ष 20 प्रतिशत धनराशि कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव के लिए प्रचार-प्रसार, सेनेटाईजेशन व महामारी से सम्बन्धित अन्य कार्यों पर व्यय की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान कोरोनाकाल की परिस्थितियों में सभी सम्मानित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ ग्राम वासियों की और से सराहनीय प्रयासों से हम कोरोना संक्रमण को रोकने में अवश्य सफलता प्राप्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना डिजिटल इंडिया का उद्देश्य सरकारी सेवाओं की जानकारी जन सामान्य को ऑनलाइन पहुंचाने, तथा ग्राम पंचायत स्तर पर ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए समस्त ग्राम पंचायतो को ब्रॉडबेंड इंटरनेट से जोडना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार डॉ. आरबीएस रावत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यअधिकारी जे सुंद्रयाल, सचिव एवं निदेशक पंचायतीराज हरिचन्द्र सेमवाल, जफर खान, दीपक पटवाल आदि विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बनाई मॉनिटरिंग कमेटी

- **सुविधाओं को लेकर अस्पतालों का करेगी औचक निरीक्षण**

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। उत्तराखंड में तेजी से बढ़ते कोरोना संकट के बीच मरीजों को पर्याप्त व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही है। प्रदेश के तमाम अस्पतालों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां जिन मरीजों को आईसीयू बेड की जरूरत नहीं है। उन मरीजों को भी आईसीयू बेड पर रखा जा रहा है। जिस वजह से जरूरतमंदों को आईसीयू बेड उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिसे देखते हुए स्वास्थ्य महानिदेशक ने मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया है।

स्वास्थ्य महानिदेशक तृप्ति बहुगुणा की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि सरकारी एवं गैर सरकारी चिकित्सालयों की और से ऑक्सीजन का सही ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है। आईसीयू बेड की जरूरत नहीं होने के बाद भी कुछ अस्पतालों में मरीजों को आईसीयू बेड पर रखा जा रहा है। जिसे देखते हुए प्रदेश के दोनों मंडलों में ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा में उपयोग एवं आईसीयू बेड की स्थिति के संबंध में एक मॉनीटरिंग कमेटी का गठन किया गया है।

कमेटी में गढ़वाल मंडल से चिकित्सा स्वास्थ्य निदेशक डॉ भारती राणा और चिकित्सा उपचार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अपर निदेशक डॉ मीतू शाह को शामिल किया गया है। इसी तरह कुमाऊं मंडल से चिकित्सा स्वास्थ्य निदेशक डॉ शैलजा भट्ट और नैनीताल जिले की उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रश्मि पंत को नामित किया गया है।

ओवर रेटिंग पर दी गई सख्त चेतावनी

देहरादून। ओवर रेटिंग, जमाखोरी, कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी की ओर से दिए गए निर्देशों के अनुपालन मे उप जिलाधिकारी सदर गोपालराम बिनवाल ने मोतीबाजार सब्जी मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से मास्क, सामाजिक दूरी, सेनिटाइजर्स एवं साफ-सफाई का ध्यान रखने के साथ ही सब्जी-फल विक्रेताओं को निर्धारित दरों पर फल-सब्जी की बिक्री करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार बड़ी मंडी ऋषिकेश में सब्जी मंडी का उप जिलाधिकारी ऋषिकेश वरूण चौधरी की ओर से निरीक्षण किया गया तथा संबंधित दुकानदारों को ओवर रेटिंग न करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी प्रशासन बीर सिंह बुदियाल तथा उप जिलाधिकारी सदर गोपालराम बिनवाल ने कोविड-19 के संक्रमण से मृत व्यक्तियों के अंतिम संस्कार के लिए रायपुर में बनाए गए शमशान घाट का स्थलीय निरीक्षण किया तथा निगम के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए।

जरूरतमंदों की मदद कर रही है उजपा

देहरादून। इस मुश्किल समय में जब हर कोई अपने आप को बचाने में लगा है, ऐसे में उत्तराखंड में देवदूत की तरह उत्तराखंड जनता पार्टी अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन कर रही है तथा इस मुश्किल समय में अपने आप को सुरक्षित रखते हुए उत्तराखंड के लोगों की सेवा में निस्वार्थ भाव से निरंतर लगी हुई है जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों कॉल प्राप्त हो रही हैं जिसमें ऑक्सीजन, प्लाज्मा, आईसीयू बेड संबंधित कॉल का तत्कालिक हल किया जा रहा है। अपने स्तर से जहां जिसके लिए जो हो पाए वह सब करने का पूर्ण प्रयास किया जा रहा है। इसी संबंध में जब हमारे संवाददाता ने उत्तराखंड जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से फोन पर बात करने की कोशिश की तो उन्होंने बताया कि प्रत्येक राजनीतिक दल का प्रथम उद्देश्य अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है। बिना किसी संसाधनों के व्यक्तिगत रूप से उत्तराखंड जनता पार्टी से संबंधित लोग जिस तरह से आज उत्तराखंड के लोगों की सेवा में लगे हैं यह किसी भी दल के लिए निश्चित ही संतोष देने वाली बात है। इसी क्रम में उन्होंने बताया उत्तराखंड जनता पार्टी उत्तराखंड की सभी 70 विधानसभा ऊपर हेल्पलाइन नंबर जारी कर रही है ताकि गरीब से गरीब व्यक्ति तक आसानी से मदद पहुंचाई जा सके।

कुंडलिया का निधन

देहरादून। उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी के अध्यक्ष संजय कुंडलिया का मंगलवार को कैलाश हॉस्पिटल में निधन हो गया। विगत 15 दिनों से कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती थे एवं कोरोना महामारी से ग्रस्त थे। उनके निधन से प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय संजय कुंडलिया पेसे से एक चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं समाजसेवी थे। उनकी तमन्ना थी कि प्रदेश में यदि स्थानीय किसी दल की सरकार बने तो हम उत्तराखंड के विकास को और उच्च स्तर पर ले जा सकते हैं।

उत्तराखंड में कोरोना ने मचाया गदर

एक दिन में प्रदेश में मिले रिकॉर्ड 7028 नए मरीज, 5696 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए, 85 की हुई मौत

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। राज्य में कोरोना वायरस का कहर तेजी के साथ लोगों पर टूट रहा है। पिछले कुछ दिनों से उत्तराखंड में कोरोना मामलों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राज्य में मरीजों का आंकड़ा बढ़ने के साथ ही मौत का आंकड़ा भी बढ़ना चिंताजनक बनता जा रहा है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड 7028 नए मामले सामने आए है। इसी के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 204051 पहुंच गया है। राज्य में वर्तमान में कोविड-19 के एक्टिव केस 56627 है।इधर मंगलवार को 5696 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। इस तरह अब तक 140184 मरीज ठीक हो चुके हैं। मंगलवार की शाम स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार राज्य में 7028 नए लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई जिनमें देहरादून जिले से 2789, हरिद्वार से 656, नैनीताल जिले से 819, उधमसिंह नगर से 833 ,पौडी से 513 , टिहरी से 200, चंपावत से 263, पिथौरागढ़ से 231, अल्मोड़ा 170, बागेश्वर से 215, चमोली से 150, रुद्रप्रयाग से 135, उत्तरकाशी से 153 पॉजिटिव मिले हैं। जबकि राज्य में पिछले 24 घंटे में 85 मरीजों की मौत हुई। जबकि 4225 संक्रमित राज्य से बाहर जा चुके हैं। अब तक प्रदेश में 3015 संक्रमित की मौत हो चुकी है। अभी भी उत्तराखंड में 40,845 सैंपल की जांच रिपोर्ट आनी अभी बाकी है। प्रदेश में अब कंटेनमेंट जोन की संख्या भी 279 हो गई है।

दून में मिले अब तक के सबसे ज्यादा 2789 कोरोना मरीज

देहरादून। जनपद में कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर प्राप्त हुई रिपोर्ट में 2789 व्यक्तियों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिलने के साथ ही जनपद में अब तक कोरोना से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 71717 हो गयी है, जिनमें कुल 49630 व्यक्ति उपचार के उपरान्त स्वस्थ हो गये हैं। वर्तमान में जनपद में 19925 व्यक्ति उपचाररत हैं। मंगलवार को जांच के लिए कुल 11674 सैंपल भेजे गए। जनपद में 49473 व्यक्तियों का कम्यूनिटी सर्विलांस किया गया जिसमें 181 व्यक्तियों में कोविड-19 संक्रमण संबंधी लक्षण पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग को सैंपलिंग लेने के निर्देश दिए गए। जनपद में अस्पतालों को 1672 एवं आम नागरिकों 222 सिलेंडर वितरित किए। जनपद में जिला प्रशासन ने 628 व एसडीआरएफ की ओर से 217 होम आयशोलेशन किट का वितरण किया गया। आपदा कंट्रोलरूम में होम आयशोलेशन में रह रहे 41 व्यक्तियों की हेल्पलाईन पर कॉल प्राप्त हुई जिनमें वृद्धजनों की 20, अन्य की 21 कॉल तथा आपदा कंट्रोलरूम में 16 कॉल प्राप्त हुई। इसी प्रकार कोविड कंट्रोलरूम से होम आयशोलेशन में रह रहे 556 व्यक्तियों को सम्पर्क कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

कोरोना ने ली पुलिसकर्मी की जान

देहरादून। थाना प्रेमनगर में तैनात चालक मदन सिंह पंवार (59 वर्ष) जो कि थाना पर वर्ष 2014 से नियुक्त थे जिनका आवास न्यू स्मिथनगर प्रेमनगर में है। वर्तमान में कोविड-19 वायरस के संक्रमण ज्यादा होने के कारण वह घर पर रेस्ट पर थे। 3 मई को चालक के पुत्र दीपक की ओर से सूचना दी कि उसके पिताजी मदन सिंह पंवार घर पर बैड पर लेटे हुए थे तथा बैड से अचानक नीचे जमीन में गिर गये व जिनके मुंह से झाग निकला, इस सूचना पर तत्काल थाना प्रेमनगर से एम्बुलेंस कर चालक के आवास पर पहुंचे ओर उन्हे सिनर्जी अस्पताल पंहुचाया गया जहां पर डॉक्टरों की ओर से उन्हे मृत घोषित किया गया साथ ही उनका रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया। डॉक्टर की ओर से रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव बताया गया। मंगलवार को मृतक चालक को राजकीय सम्मान के साथ उनके परिजनों के साथ पुलिस की ओर से विधिक रूप से दाह संस्कार किया गया। पुलिस लाइन देहरादून में मृतक के चित्र पर माल्यार्पण कर पुलिस परिवार के अधिकारी व कर्मचारियों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक अपराध तथा नगर क्षेत्र के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन तथा अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कोरोना की चेन तोड़ने में जुटी है सरकार: कौशिक

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि प्रदेश में टीकाकरण अभियान सतत रूप से जारी है और जिस तरह से सरकार एक ओर कोरोना की चेन को तोड़ने में जुटी है तो दूसरी ओर साधन और संसाधनों में लगातार वृद्धि कर रही है। इससे निश्चित तौर पर हम कोरोना के खिलाफ जंग जीत जाएंगे।

कौशिक ने कहा कि 45 से अधिक आयु वर्ग के लोगो का टीकाकरण चल रहा है और केंद्र से अतिरिक्त 3 लाख 20 हजार डोज़ भी मिल चुकी है जिनमें 2 लाख सोमवार को 1 लाख 20 मंगलवार को प्राप्त हुई हैं। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने 18 से 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को निशुल्क टीका लगाने की घोषणा की है इनके टीकाकरण के लिए वैक्सीन खरीद की प्रक्रिया जारी उनके टीकाकरण अभियान भी शीघ्र प्रारम्भ हो जाएगा। कौशिक ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि अभी तक प्रदेश में आक्सिजन की कमी से कोई जन हानि नहीं हुई। अधिकारियो से साफ निर्देश है कि डिमांड से 24 घंटे पहले अस्पताल को आक्सिजन सप्लाई सुनिश्चित हो। कौशिक ने कहा मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत संसाधनों को बढ़ाने व समस्याओं के समाधान के लिए पूरे तंत्र को दिन रात लगाए हुए हैं। मुख्यमंत्री विशेष प्रयासों से प्रदेश में 13200 रेमेडीसिविर इंजेक्शन लाए जा चुके हैं, जिसमें 2 बार स्टेट प्लेन के माध्यम से अहमदाबाद से इंजेक्शन मंगवाए गए हैं।

चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

देहरादून। घर में घुसकर हजारों की नगदी एवं सोने चांदी के जेवरात पर हाथ साफ करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पटेल नगर पुलिस ने घटना में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दें कि पटेल नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए माजरा निवासी मोहम्मद उज्जैव ने बताया था कि उनके घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने हजारों रुपए की नकदी एवं सोने चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया था। चोरी की घटना को लेकर क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार के नेतृत्व में पटेल नगर थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने अपनी टीम के साथ मिलकर चोरी की घटना के खुलासे में जुटी हुई थी। बताया गया है कि चोरी की घटना में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आईएसबीटी के पास से तीन बदमाशों को धर दबोचा। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने चोरी के जेवरात एवं नकदी की बरामदगी की। प

डीजीपी ने किया कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण

- **कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर दिए दिशा निर्देश**

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने मंगलवार को पुलिस लाइन में जनता की सहायता के लिए चलाये जा रहे कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कोरोना महामारी से उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों से जुड़ी जनता की शिकायतें व समस्याओं का हर संभव हल करने एवं सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया।

पुलिसकर्मियों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में बनाए गए आईसोलेशन सेन्टर का भी जायजा लेते हुए संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने पीआरडी प्रशिक्षण केन्द्र, आमवाला स्थित एसडीआरएफ के कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और कॉटेक्ट ट्रेसिंग, आईसोलेशन पूछताछ सेंटर, हाई रिस्क ओर लो रिस्क पूछताछ सेंटर, होम टू होम मेडिकल किट वितरण जैसे हेल्पलाइन डेस्क के संपादन में तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कोरोना संक्रमित मरीज से बातचीत करके वे मानसिक तौर पर मजबूत बनते हैं। ऐसे समय में हमें उनका विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए और उनमें विश्वास पैदा करना चाहिए कि वे जल्द ही स्वस्थ हो जायेंगे। उन्होंने भविष्य में पुलिस की भागीदारी को अधिक बेहतर और जनमानस तक पहुंचाने के लिए भी निर्देशित किया।

कोविड कंट्रोल रूम का जायजा लेते डीजीपी अशोक कुमार।

आक्सीजन, बैड, रेमडेसिविर की स्थिति पर प्रतिदिन चिकित्सालयों को देनी होगी रिपोर्ट

कोविड व सामान्य मरीजों को लौटाया तो खैर नहीं

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। कोविड-19 संक्रमण के की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष कुमान श्रीवास्तव ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होने चिकित्सालयों में आक्सीजन की मांग, आईसीयू बैड, आक्सीजन बैड, सामान्य बैड, रेमडेसिविर की स्थिति पर प्रतिदिन चिकित्सालयों से विवरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न माध्यमों से इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कुछ चिकित्सालयों की ओर से मरीजों के लिए बैड न होने की बात कहकर लौटाया जा रहा है, जबकि अन्य राज्यों के मरीजों को बैड उपलब्ध कराया जा रहा है, इसी प्रकार चिकित्सालयों में भर्ती मरीजों को रेमडेसिविर नही होने संबंधी बात कही जा रही है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त अस्पतालों में नामित किए फेसिलेटटर अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने से संबंधित अस्पतालों को आक्सीजन की खपत व मांग का डेटा एनडीएफए पोर्टल पर अपलोड करने को निर्देशित करें। साथ ही समस्त फेसिलेटटर अधिकारियों को चिकित्सालयों में भर्ती मरीजों का विवरण जांच करनें, कितने आईसीयू बैड, आक्सीजन बैड, सामान्य बैड है तथा उन पर संबंधित चिकित्सालय में कितने मरीज भर्ती हैं तथा कितने खाली है, इसका संबंधित चिकित्सालय से वीडियोकॉल के माध्यम से भी चिकित्सालयों में बैड की स्थिति का भी जायजा लिया जाए। उन्होने निर्देश दिए कि चिकित्सालयों में रेमडेसिवर की स्थिति तथा जिन मरीजों को रेमडेसिविर दिए गए हैं उनका विवरण प्राप्त करें। उन्होनें कहा कि सभी मेडिकल स्टोर ड्रग इंस्पैक्टर को कोविड संक्रमण में इस्तेमाल हो रही दवाईयों की स्टाक एवं प्रतिदिन विक्रय की जानकारी प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि लैब संचालकों को निर्देशित कर दिया जाए कि गाईडलाईन के अनुसार सैंपल प्राप्त करने के 48 घंटे के भीतर ऑनलाईन पोर्टल पर एंट्री कर लिया जाए। उन्होंने बताया कि जो आम नागरिक घर पर आक्सीजन सिलेंडर ले जा रहे हैं वे हर हॉल में 48 घंटे के भीतर संबंधित डीलर्स को खाली आक्सीजन सिलेंडर वापस करना सुनिश्चित करें ताकि अन्य संक्रमित व्यक्ति को भी आक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति की जा सके।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड–डोईवाला

निविदा सूचना

अद्योहस्ताक्षरी द्वारा अनुभवी प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्म से जिनके पास विद्युत कार्यो हेतु उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त प्रथम श्रेणी का राजकीय विद्युत ठेकेदारी लाइसेन्स हो तथा जो आयकर, जी0एस0टी0, ई0एस0आई0 तथा ई0पी0एफ0 के अन्तर्गत पंजीकृत एवं पैन कार्ड धारक से मोहर बन्द निविदाएं पृथक–2 दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर राशि, नियम व शर्ते, आयकर, जी0एस0टी0, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी प्रथम श्रेणी का विद्युत ठेकेदारी लाईसेन्स, ई0पी0एफ0, ई0एस0आई0, पैन कार्ड की प्रतिलिपि आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो) दिनांक **25.05.2021** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो कि उसी दिन **15:30** बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक **24.05.2021** तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में भुगतान जमाकर कार्यालय से **15:00** बजे तक क्रय किये जा सकते है। निविदा की धरोहर राशि निम्नानुसार किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर./ सी.डी. आर. के रूप में अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड डोईवाला के पक्ष में बन्धक होनी चाहिए तथा एफ.डी.आर./सी.डी.आर. निविदा प्रकाशन तिथि के बाद की होनी अनिवार्य है। बिना धरोहर राशि के या अपूर्ण/गलत राशि की होने पर निविदा भाग–2 नही खोला जायेगा। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने पर निविदाऐं अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये, निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है। विस्तृत नियम व शर्ते निविदा प्रपत्रों में उपलब्ध है।

निविदा संख्या	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं जी0एस0टी0
04/वि0वि0ख0(डो0)/2021–22	विद्युत वितरण खण्ड डोईवाला के अधीन उपखण्ड जौलीग्रान्ट के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत करने के कार्य हेतु।	30000.00	500.00+जीएसटी अतिरिक्त

No. 659/EDD(D)/ दिनांक 04/05/2021 **अधिशासी अभियन्ता**

राष्ट्र हित में बिजली बचाये, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाइन भुगतान हेतु **www.upcl.org** पर जाएं (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 18004190405/फैक्स संख्या– 0135–2760911 पर दें।)

आज ही के दिन 1988 में महान क्रांतिकारी त्रिलोकीनाथ चक्रवर्ती का जन्म हुआ था।

सारसुर्खियां

कोविड अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर भड़का कांग्रेस सेवादल

हरिद्वार। दूधाधारी बाबा बर्फानी कोविड अस्पताल में बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस सेवादल के शहर अध्यक्ष नितिन यादव यदुवंशी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने दूधाधारी अस्पताल के पास रोष प्रकट किया। सेवादल के शहर अध्यक्ष नितिन यादव ने कहा मेला प्रशासन द्वारा तैयार किये गए पांच सौ बेड के दूधाधारी बाबा बर्फानी कोविड अस्पताल में व्यवस्थाएं बदहाल हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों को देखने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के अंदर से कुछ वीडियो आ रही हैं, जिसमे दिख रहा है कि बेड पर शव पड़े हैं, लेकिन उन्हें उठाने वाला कोई नहीं है। अस्पताल की बदहाली का हाल यह है कि साफ सफाई तक की उचित व्यवस्था नहीं है। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता तुषार कपिल व महानगर अध्यक्ष आकाश भाटी ने कहा कि कोविड सेंटर में मरीजों को कोई देखने वाला नहीं है। बदहाली के बीच अस्पताल के बाहर मुख्यमंत्री के हरिद्वार आगमन पर सड़कों पर चूना डलवाया जा रहा है। ब्लॉक महासचिव एकलव्य गोस्वामी व शुभम जोशी ने कहा पूरे शहर में मरीजों को बैड मिलना मुश्किल हो गया है। ऑक्सीजन की कालाबाजारी चल रही है। एंबुलेंस वाले मनमाने पैसे मांग रहे हैं, लेकिन भाजपा की सरकार में अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं।

कोरोना मुक्ति को यज्ञ

हरिद्वार। श्री गरीबदासीय साधु धर्मशाला सेवा आश्रम में कोरोना महामारी की समाप्ति एवं विश्व कल्याण की कामना हेतु यज्ञ अनुष्ठान किया गया। इस दौरान श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के फेरूपुर शाखा के कारोबारी महंत निर्मल दास महाराज ने कहा कि देश में धर्म का सकारात्मक प्रचार हो और प्राकृतिक आपदा एवं महामारी संपूर्ण विश्व से समाप्त हो, संत समाज ऐसी कामना करता है। विषम परिस्थितियों में भी अपना संकल्प और मनोबल अग्निशिखा की तरह सभी को ऊंचा रखना चाहिए। साथ ही धैर्य का परिचय देते हुए सरकार की गाइडलाइन का पालन करें और कोरोना महामारी को हराने में सरकार का सहयोग करें। मिल जुलकर ही किसी भी महामारी को हराया जा सकता है।

परोपकार को समर्पित है श्री प्रखर परोपकार मिशन: कौशिक

- श्री रामकृष्ण मिशन चिकित्सालय व स्वामी भूमानंद धर्मार्थ चिकित्सालय को सौंपी औषधियां
- कुंभ मेला सकुशल संपन्न होने पर की घोषणा, 1 लाख मरीजों का हो सकेगा उपचार

भास्कर समाचार सेवा

एक लाख मरीजों के उपचार को दवाएं दान करते स्वामी प्रखर महाराज।

हरिद्वार। हरिद्वार में कुंभ मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं की निःशुल्क सेवार्थ स्थापित पीपीएम हॉस्पिटल के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज ने कुंभ मेला संपन्न होने के उपरांत लगभग 1 लाख मरीजों के उपचार हेतु एक ट्रक दवाइयां श्री रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम एवं स्वामी भूमानंद अस्तपाल को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की उपस्थिति में निःशुल्क प्रदान की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि स्वामी प्रखर महाराज के नेतृत्व में श्री प्रखर परोपकार मिशन लंबे समय से धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ परोपकार के कार्यों को बखूबी अंजाम दे रहा है। एक लाख मरीजों के उपचार हेतु निःशुल्क औषधि प्रदान कर संस्था ने अपने नाम को सार्थक करने का कार्य किया है। संस्था के परमाध्यक्ष स्वामी प्रखर महाराज ने कहा कि महाकुंभ मेले के लिए श्री प्रखर परोपकार मिशन ने पिछले कुंभ मेले के अनुरूप व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं, लेकिन मेले की अवधि कम हो जाने के कारण मिशन द्वारा स्थापित हॉस्पिटल एक माह ही अपनी सेवा प्रदान कर पाया, जिस कारण सभी दवाइयों का उपयोग नहीं हो सका। पिछले कुंभ में लगभग 1 लाख 12 हजार मरीजों की ओपीडी कर उन्हें निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई थी। इस कुंभ में मात्र 5 हजार श्रद्धालुओं को ही दवा प्रदान की गई, जिस कारण काफी मात्रा में दवाइयां शेष बच गईं। इनको जनसेवार्थ चल रहे रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम एवं स्वामी भूमानंद अस्पताल को सभी प्रकार के रोगों में प्रयोग की जाने वाली 1 ट्रक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गई हैं। ये दवाइयां रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के सुपरिंटेंडेंट स्वामी दयाधीपानंद महाराज एवं श्री स्वामी भूमानंद अस्पताल के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अच्युतानंद तीर्थ महाराज के सेवा प्रकल्पों में सहयोग देने के लिए प्रदान की गई हैं।

इस अवसर पर पीपीएम हॉस्पिटल, कुंभ मेला की संचालिका मां चिदानंदमयी ने कहा कि श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट सदैव गरीब, पिछड़े वर्ग की सेवा करने के लिए तत्पर है। चाहे कुंभ में निशुल्क अस्पताल सेवा का विषय हो, चाहे गरीबों को निःशुल्क राशन वितरण करना हो अथवा हरिद्वार में सेवाभावी संस्थाओं को निःशुल्क दवाइयां प्रदान करना हो, श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट हर वंचित, असहाय, शोषित लोगों की सहायता के लिए देश हित में कार्यरत है। कोरोना जैसी बीमारी में इस समय अस्पतालों को निःशुल्क दवाएं देना मानों अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में प्रयोग होने से बची औषधियों को आश्रम द्वारा आस-पास के क्षेत्रों में निःशुल्क वितरण भी किया गया। साथ ही कोरोना के बढ़ते संकट के दृष्टिगत भारी मात्रा में औषधियों को दोनों चिकित्सालयों को निःशुल्क प्रदान किया गया है।

भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि महामारी के इस संकट में इतनी बड़ी मात्रा में चिकित्सालयों को निःशुल्क दवाएं प्रदान कर स्वामी प्रखर महाराज व मां चिदानंदमयी ने मानवता की मिसाल कायम करते हुए समाज को सार्थक प्रेरणा देने का कार्य किया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सीताराम बडोनी, पवन गर्ग, स्वामी सुबोधानंद, स्वामी एकाश्रयानंद, निमेश शर्मा, भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी, पार्षद प्रतिनिधि विदित शर्मा आदि उपस्थित रहे। इस सहयोग के लिए दोनों चिकित्सालयों की प्रबंधकारिणी ने गुरुदेव स्वामी प्रखर महाराज का आभार व्यक्त किया।

गंगनहर में तैरते मिले दो महिलाओं के शव

बहादराबाद। पुलिस को पुराना पथरी पावर हॉउस के पास गंगनहर में दो महिलाओं के शव तैरते मिले। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर जिला अस्पताल मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार मंगलवार को पुराना पथरी पावर हॉउस के पास गंगनहर में राहगीरों को दो शव तैरते दिखाई दिए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। तुरंत इसकी सूचना जल पुलिस को दी गई। जल पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से शवों को गंगनहर से बाहर निकाला। पुलिस ने दोनों महिलाओ के शवों की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन शवों की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर जिला अस्पताल मोर्चरी में रखवा दिया है। थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल ने बताया कि एक शव दस-पंद्रह और दूसरा तीन-चार दिन पुराना है। दोनों की उम्र लगभग 40 और 30 वर्ष है।

बदहाल सफाई व्यवस्था पर नाराज भाजपा पार्षद

एमएनए कार्यालय पर दिया धरना, एमएनए व एसएनए ने दिया निराकरण का आश्वासन

भास्कर समाचार सेवा

बदहाल सफाई व्यवस्था के विरोध में धरना पर बैठे भाजपा पार्षद।

हरिद्वार। नगर की बदहाल सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने व पथ प्रकाश व्यवस्था को दुरूस्त करने की मांग को लेकर भाजपा पार्षदों ने भाजपा पार्षद दल के नेता सुनील अग्रवाल व उपनेता अनिरूद्ध भाटी के नेतृत्व में एमएनए कार्यालय पर धरना देकर कार्रवाई की मांग की। पार्षद दल के नेता सुनील अग्रवाल गुड्डू ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था बदहाल स्थिति में है। मेयर के नकारापन व मेयरपति के अत्याधिक हस्ताक्षेप के चलते शहर की सफाई व्यवस्था पटरी से उतर गई है। मेयर कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। कई दिनों से समूचे कनखल में कूड़ा नहीं उठ रहा है, जिस कारण वहां कूड़े के ढेर लग गए हैं तथा कनखल में महामारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए मेयर अधिकारियों के सिर पर ठीकरा फोड़ती रहती हैं। विगत ढाई साल में अब तक पांच एमएनए नगर निगम में कार्यभार संभाल चुके हैं। मेयर की किसी भी एमएनए से पटरी नहीं बैठी। वह किसी भी एमएनए के साथ तालमेल बनाकर नगर की सफाई व पथ प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त नहीं कर पाईं। उन्हें अपना आंकलन करना चाहिए कि कमी उनमें हैं या अधिकारियों में। शीघ्र ही वार्डों में पथ प्रकाश व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए और सेनेटाइजर का छिड़काव व फॉगिंग का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए।

पार्षद विनित जौली ने कहा कि विशेष अभियान चलाकर कुंभ मेले में बने अस्थाई शौचालयों का निस्तारण किया जाना अत्यंत आवश्यक है, नहीं तो इन शौचालयों की गंदगी महामारी को आमंत्रण देने का कार्य करेगी। पार्षद राधेकृष्ण शर्मा ने कहा कि जिस कंपनी को डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की जिम्मेदारी दी गई है। गलियों, सड़कों व नालियों के कूड़े निस्तारण की जिम्मेदारी भी उन्हें ही सौंपी जाए।

पार्षदों के धरने पर बैठने की सूचना मिलने पर एमएनए कौस्तुभ मिश्रा व एसएनए महेन्द्र सिंह यादव ने धरना स्थल पर पहुंचकर समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया। एमएनए कौस्तुभ मिश्रा ने कहा कि सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए त्वरित व्यवस्था की जा रही है। आगामी 24 घंटे में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। एसएनए महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि नगर निगम के दो कर्मचारी पथ प्रकाश व्यवस्था में कार्य करते हुए गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिस कारण पथ प्रकाश व्यवस्था बाधित हुई थी। विशेष अभियान चलाकर व्यवस्था सुधारी जाएगी।

कोरोना महामारी में हो रहा लोगों का शोषण: नवीन

भास्कर समाचार सेवा

- जीवनरक्षक दवाओं को महंगे दामों पर बेचना अमानवीय

हरिद्वार। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता नवीन कौशिक ने कहा कि कोरोना महामारी ने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हर व्यक्ति प्रभावित हुआ है। लोगों के जनजीवन एवं व्यापार पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। कोरोना महामारी ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर दिया है। लोगों के कारोबार एवं व्यापार पर भी इसके कारण संकट मंडराने लगा है। वर्तमान समय में जनता महामारी के साथ-साथ महंगाई की भी मार झेल रही हैं। लोग बेबस और मजबूर हो चुक हैं और संकट की इस घड़ी में बामुश्किल अपना जीवनयापन कर रहे हैं।

नवीन कौशिक ने कहा कि आजकल मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटनाएं भी देखने, सुनने व पढ़ने को मिल रही हैं। कुछ मुनाफाखोर व असामाजिक तत्व आपदा की इस घड़ी में अवसर तलाश कर मुनाफाखोरी के चक्कर में अतिरिक्त लाभ कमाने में मशगूल है, और सस्ती वस्तुओं को महँगे दामों पर तथा वस्तुओं के बिक्री मूल्य से अधिक कीमत पर बेचकर अधिक लाभ कमा रहे हैं। कहीं जीवनरक्षक दवाओं व अन्य घरेलू जरूरत के सामान की कालाबाजारी, तो कहीं नकली दवाओं का भंडारण, कहीं वस्तुएं महंगी तो कहीं सेवाओं का अधिक मूल्य लिया जा रहा है। आम आदमी पार्टी ऐसे लोगों की घोर निंदा करती है, जो इस विपदा की घड़ी में घोर निंदनीय व घृणित कार्य कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी प्रशासन से ऐसे लोगों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की मांग करती है और ऐसे लोगों की हौसला अफजाई करती है, जो इस संकट के समय में जरूरतमंद लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने में लगे हुए हैं।

इस दौरान रणधीर सिंह, सचिन बेदी एडवोकेट, विकास वोहरा भारती (मंडल अध्यक्ष), संयोगिता, पूनम, प्रतिभा सारस्वत आदि शामिल थे।

105 लोगों ने लगवाई कोरोना वैक्सीन

- श्री पंचायती धड़ा फिरोहेड़ियान ने लगाया टीकाकरण कैंप

भास्कर समाचार सेवा

टीकाकरण केंद्र में वैक्सीन लगवाती महिला।

हरिद्वार। श्री पंचायती धड़ा फिरोहेड़ियान की ओर से ज्वालापुर स्थित रघुनाथ मंदिर में आयोजित कोविड टीकाकरण कैंप के पांचवे दिन भी लोगों को वैक्सीन के टीके लगाए गए। मंगलवार को 105 लोगों को कोविड वैक्सीन लगाई गई।

श्री पंचायती धड़ा फिराहेड़ियान के महामंत्री उमाशंकर वशिष्ठ व कोषाध्यक्ष सचिन लुतिया ने बताया कि कैंप में अब तक 370 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग टीका लगवाने के लिए कैंप में आ रहे हैं। कोविड से सुरक्षा के इस कवच को अवश्य लगवाना चाहिए। केंद्र एवं राज्य सरकारें लगातार टीकाकरण के लिए प्रेरित भी कर रही हैं। भारतीय वैज्ञानिकों ने टीके का निर्माण कर लोगों को कोरोना से सुरक्षा प्रदान करने का बेहतर विकल्प दिया है। इसका लाभ अवश्य लें। सौरभ सिखोला ने कहा कि जागरूकता से ही टीकाकरण अभियान सफल हो पाएगा। टीका लगवाने आने वाले सभी लोग कोरोना नियमों का पालन करें। डबल मास्क लगाकर आएं व उचित दूरी बनाए रखें। टीकाकरण सुचारू रूप से चले, इसमें सभी का सहयोग जरूरी है।

बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में युद्धस्तर पर करें सुधार: पंडित अधीर

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था को युद्धस्तर पर दुरुस्त करना चाहिए। चिकित्सकों की कमी के चलते कोरोना संक्रमित मरीजों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। अस्पतालों में वेंटिलेटर की कमी को दूर किया जाए। साथ ही अस्पतालों में वेंटिलेटर बैड की सुविधाओं को तेजी के साथ पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश की लचर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि लोग संक्रमण से मर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग उचित कदम नहीं उठा पा रहा है।

मेला अधिकारी व आइजी कुंभ ने बढ़ाया प्रदेश का मान

- कुंभ मेला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

भास्कर समाचार सेवा

कुंभ मेला प्रशासन को सम्मानित करते संत।

हरिद्वार। अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद की और से सम्मान समारोह का आयोजन कर कुंभ मेला प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। कोविड नियमों का पालन करते हुए श्री सुदर्शन आश्रम अखाड़ा में संक्षिप्त रूप से आयोजित किए गए समारोह में कुंभ मेला अधिकारी दीपक रावत, कुंभ मेला आईजी संजय गुंज्याल व अपर मेला अधिकारी हरबीर सिंह, अपर मेला अधिकारी ललित नारायण मिश्र, एसपी कुंभ मेला सुरजीत सिंह पंवार सहित कई अधिकारियों को फूलमालाएं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा गंगाजली भेंटकर व सम्मानित किया गया।

इस दौरान संतों ने देश को कोरोना महामारी से मुक्ति दिलाने के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। धर्म से बड़ा संसार में कोई नहीं है। समारोह को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत राजेंद्रदास महाराज ने कहा कि कुंभ मेले जैसे बड़े आयोजन को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आईजी संजय गुंज्याल के नेतृत्व में मेला पुलिस ने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन करते हुए कुंभ मेले को सकुशल संपन्न कराया। इसके लिए आईजी संजय गुंज्याल व उनकी पूरी टीम बधाई व आशीर्वाद की प्राप्त है।

इस अवसर पर महंत नरेंद्रदास, महंत महेशदास, महंत नारायण दास पटवारी, महंत अवध बिहारी दास, महंत नागा सुखदेव दास, महंत मनीष दास, महंत वैष्णव दास, महंत हितेश दास, महंत सूरजदास, महंत बिहारी शरण आदि संतजन मौजूद रहे।

विधायक आदेश चौहान ने लाभार्थियों को वितरित किए आर्थिक सहायता के चेक, कहा-सरकार हरसंभव मदद को तैयार

कोरोनाकाल में गरीबों की मदद करना सभी का कर्तव्य

भास्कर समाचार सेवा

हरिद्वार। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने मंगलवार को शिवालिकनगर स्थित कैंप कार्यालय में राज्य सरकार द्वारा राज्य में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत रानीपुर विधानसभा के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीब, असहाय, निर्धन परिवारों को आर्थिक मदद का लाभ दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। निर्धन परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहायता के साथ-साथ गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भी इलाज हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार निर्धन परिवारों के उत्थान के प्रति गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों, असहायों की सहायता करना उनका कर्तव्य है। जरूरतमंदों की सेवा करना करना राजनीति नहीं, बल्कि मानवीय फर्ज है, जिसे पूरा करने का वे भरसक प्रत्यन कर रहे हैं। पार्षद मनोज प्रालिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से सदैव गरीब परिवार के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाता है। इस कड़ी में रानीपुर विधायक आदेश चौहान गरीब असहाय निर्धन परिवारों को आर्थिक मदद पहुंचाने में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। गरीब कन्याओं के विवाह हेतु प्रदान किए गए आर्थिक चेक अवश्य ही परिवारों के लिए सहायता सिद्ध होंगे। कोरोना महामारी से आम जनजीवन त्रस्त हो गया है। ऐसे में सरकारी मदद लोगों के लिए संजीवनी का काम कर रही है। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य के लिए रानीपुर विधायक आदेश चौहान और उत्तराखंड सरकार के सीएम तीरथ सिंह रावत का भी आभार जताया।

आर्थिक सहायता के चेक वितरित करते विधायक आदेश चौहान।

कोरोना से दूसरी लहर पर नगर निगम का वार

- नगर निगम ने दो टैंकर, 40 स्प्रे पेटियों और 6 मोटर स्प्रे पेटियों की मदद से शहर को किया सेनेटाइज

भास्कर समाचार सेवा

शहर का सेनेटाइजेशन करता नगर निगम कर्मचारी।

रुड़की। नगर निगम द्वारा कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के चलते शहर को सेनेटाइज करने का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम दो टैंकर, 40 स्प्रे पेटियों और 6 मोटर स्प्रे पेटियों की मदद से शहर में सेनेटाइजेशन कर रहा है। नगर निगम द्वारा मंगलवार को रोडवेज, रेलवे स्टेशन, कोविड-19 सेंटर, श्मशान घाट, मेन बाजार, रामनगर बाजार, सिविल लाइन मार्केट को टैंकर की मदद से सेनेटाइज किया गया।

सभी 40 वार्डों में 40 स्प्रे पेटियों व 6 मोटर स्प्रे पेटियों की मदद से डोर टू डोर सेनेटाइजेशन किया गया। मेयर गौरव गोयल ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि नगर निगम रुड़की द्वारा किए जा रहे कोरोना संक्रमण से बचाव के प्रयास तभी संभव हो पाएंगे, जब रुड़की नगरवासी अपनी जिम्मेदारियों समझें और कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करें।

नगर आयुक्त नूपुर वर्मा ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए हमें डबल मास्क का प्रयोग करना है, 6 फीट की दूरी रखनी है व समय-समय पर हाथ धोने हैं। नगर निगम रुड़की ने एक हेल्पलाइन नंबर 8267906286 जारी किया है, जिस पर आप कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना दे सकते हैं। कहीं पर भी कोविड पॉजिटिव व्यक्ति पाए जाने पर अथवा इस तरह के लक्षण किसी व्यक्ति में आने पर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके सूचना दें। साथ ही अपने क्षेत्र व घर के आस-पास सेनेटाइजेशन अवश्य करवाएं।

page-5_page 1 5/4/2021 9:40 PM Page 1

सारसुर्खियां

वाहन की चपेट में आकर दो घायल

रुड़की। गांव माधोपुर थाना गंगनहर रुड़की निवासी मुशर्रफ अपने पिता कामिल के साथ किसी रिश्तेदारी में बाइक पर सवार होकर जा रहा था। कोतवाली क्षेत्र के गांव तांशीपुर पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उठाकर 108 सेवा के माध्यम से रुड़की के राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां पर कामिल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

तमाम अभियानों के बावजूद लोग तोड़ रहे कोरोना कर्फ्यू में नियम

- पुलिस के चालानी आंकड़े दे रहे गवाही
- महज पांच दिन में काटे 10.53 के चालान

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोरोना का प्रकोप बढ़ने और लगातार जागरूक करने के बावजूद लोग कोरोना कर्फ्यू में नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस की चालानी कार्रवाई के आंकड़े यह गवाही दे रहे हैं। 28 अप्रैल को कोरोना कर्फ्यू शुरू होने से दो मई तक महज पांच दिन में पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के चालान कर 10.53 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया है।

कोरोना संक्रमण का दायरा बढ़ने के साथ ही वायरस से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दूसरी लहर के घातक रूप को देखते हुए सरकार ने इसकी चेन ब्रेक करने के लिए पहले 28 अप्रैल से दो मई तक और फिर बढ़ाकर छह मई तक कोरोना कर्फ्यू घोषित किया है। कर्फ्यू में जरूरी सामान की खरीदारी के लिए कुछ घंटों की छूट दी गई है, इसके बावजूद तय समय के बाद लगातार लोग घरों से बाहर घूम रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेंथिल अबुदई कृष्णराज एस के निर्देश पर जिले भर में पुलिस ने कोरोना कर्फ्यू का पालन कराते हुए नियम तोड़ने वालों के चालान काटे। एसएसपी कार्यालय के अनुसार जनपद में 28 अप्रैल से दो मई तक चालानी कार्रवाई से 10.53 लाख का जुर्माना वसूला है। इनमें शारीरिक दूरी का उल्लंघन पर 4269 व्यक्तियों के चालान किए गए। मास्क न लगाने पर 1671 और पुलिस एक्ट में 133 पर कार्रवाई की गई। बाइक व स्कूटी पर बेवजह बाहर घूमने वालों से मोटरयान अधिनियम में चालान कर करीब 44 हजार रुपये का जुर्माना और महामारी एक्ट में 7.24 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। एसएसपी ने बताया कि कोविड से जागरूक करते हुए लोगों से कोरोना कर्फ्यू के पालन की अपील की जा रही है। बार-बार हिदायत के बावजूद नियम तोड़ने वालों के चालान कर जुर्माना वसूला जा रहा है।

नियम तोड़े पर तीन दुकानदारों पर मुकदमा

रुड़की। शहर के तीन दुकानदारों पर कोविड कर्फ्यू उल्लंघन में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस क्षेत्र में गश्त, चेकिंग के अलावा मुनादी से भी लोगों को कानून का पालन करने का पाठ पढ़ा रही है। रोजाना रुड़की के अलावा देहात क्षेत्र में भी अनावश्यक दुकानें खुलने पर मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार के साथ पुलिस ने भी सख्ती बढ़ा दी है। उपनिरीक्षक मनोज सिरोला ने ट्रांसपोर्ट दुकान, सिपाही रणवीर ने छोले चावल दुकान और सिपाही पूरण ने मीट दुकान के मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गंगनहर कोतवाली के एसएसआई देवराज शर्मा ने बताया कि पाडली गुर्जर निवासी शहनवाज, गुलाबनगर निवासी कलीम अंसारी और रामपुर निवासी अमजद पर कोविड कर्फ्यू में दुकानें खुलने पर मुकदमे दर्ज हुए हैं।

चेतावनी के बाद भी नहीं माना दुकानदार तो की कार्रवाई

झबरेड़ा। पुलिस ने कस्बा निवासी एक दुकानदार के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि कोविड कर्फ्यू के नियमों की अनदेखी कर झबरेड़ा शिव चौक के पास एक जनरल स्टोर की दुकान खोलकर सामान बेच रहा था। बार-बार चेतावनी देने के बाद भी न मानने पर दुकानदार आदित्य पुत्र जयदेव पंवार के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

गरीबों को मास्क बांट रही पुलिस

रुड़की। लोगों को जरूरत का सामान मुहैया कराने के साथ ही पुलिस कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए गरीबों को मास्क भी बांट रही है। बुधवार को लक्सर कस्बा चौकी प्रभारी अशोक कश्यप के निर्देश पर चेतक पुलिसकर्मी संजय कुमार और दीपक ममगाई ने नगर के सभी मंदिरों के अलावा सार्वजनिक जगहों पर घूमकर गरीब और बेसहारा लोगों को मुफ्त मास्क वितरित किए। साथ ही उन्हें कोरोना वायरस की भयावहता की जानकारी देकर इससे बचाव के लिए हमेशा मास्क लगाकर रखने व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील भी की। साथ ही कहा कि यदि उन्हें किसी भी तरह की जरूरत हो तो पुलिस उनके पास पहुंचकर उन्हें जरूरत का हर सामान मुहैया कराएगी। युवक का आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर चालान किया गया है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देख बढ़ाया गया ऑक्सीजन का उत्पादन

सात सौ की बजाय रोजाना 1224 ऑक्सीजन सिलेंडर किए जा रहे रिफिल

- चिकित्सकों के पर्चे लेकर प्लांट पहुंच रहे लोग

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए क्षेत्र में स्थित ऑक्सीजन प्लांट में उत्पादन बढ़ा दिया है। जहां पहले सात सौ सिलेंडर प्रतिदिन रिफलिंग किए जा रहे थे, वहीं मंगलवार की सुबह तक 1224 ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल किए गए।

कोरोना संक्रमण दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इसी के साथ क्षेत्र में स्थित ऑक्सीजन प्लांट में भी उत्पादन बढ़ाने में काम किया है। पहले यहां पर केवल 700 सिलेंडर प्रतिदिन रिफलिंग किए जा रहे थे, लेकिन अब उत्पादन बढ़ा दिया गया है। मंगलवार सुबह तक 1224 ऑक्सीजन सिलेंडर तैयार किए गए, जिन्हें विभिन्न स्थानों पर भेजा गया है। दूर-दूर से लोग चिकित्सकों के पर्चे लेकर प्लांट पर पहुंच रहे हैं।

रुड़की स्थित ऑक्सीजन प्लांट में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर।

मंगलवार को ऑक्सीजन प्लांट पर काफी भीड़ दिखाई दी। लोग एक-एक सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे रहे। गेट के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि नंबर के हिसाब से ही वह भीतर जाकर ऑक्सीजन ले सकें। प्लांट के प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि मांग को देखते हुए उनके द्वारा जहां पहले सात सौ ऑक्सीजन सिलेंडर सात किलो के प्रतिदिन तैयार किए जा रहे थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़ाकर एक हजार से अधिक कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि अस्पतालों से आने वाले वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। साथ ही जो लोग निजी अस्पतालों से डॉक्टर का पर्चा लेकर पहुंचते हैं, उन्हें भी नियम अनुसार ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा रही है।

एयर लुकिड टैंक उपलब्ध कराने की मांग

मंगलौर। ऑक्सीजन की बढ़ती डिमांड के चलते मंगलौर स्थित ऑक्सीजन प्लांट प्रबंधन द्वारा जिला अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर काफी पहले से 20 टन वाले एयर लुकिड टैंक उपलब्ध कराए जाने की मांग की जा चुकी है। प्रबंधक राकेश कुमार का कहना है कि उनके द्वारा लगातार इस संबंध में पत्र व्यवहार किया जा रहा है। जिलाधिकारी तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को भी उनके द्वारा पत्र लिखा गया है कि वह संबंधित विभाग से उन्हें 20 टन क्षमता वाला एयर लुकिड टैंक उपलब्ध करा दें। उनका कहना है कि यदि टैंक उपलब्ध हो जाता है तो एक सप्ताह के भीतर प्लांट से प्रतिदिन तीन हजार से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडरों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। उन्होंने दिल्ली स्थित मुख्यालय से भी वार्ता की है, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल पाया है।

एंबुलेंस चालकों के साथ बैठक के दौरान निर्देश देते वरिष्ठ उपनिरीक्षक देवराज शर्मा।

तय रेट से ही किराया वसूलें एंबुलेंस चालक

- कोरोना मरीजों के परिजनों से लगातार मिल रही शिकायतें
- एंबुलेंस पर चस्पा करें प्रशासन द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। गंगनहर कोतवाली पुलिस के वरिष्ठ उप निरीक्षक देवराज शर्मा व सिविल हॉस्पिटल चौकी प्रभारी लोकपाल पंवार ने सिविल हॉस्पिटल में शहर के एंबुलेंस चालकों की बैठक ली। बैठक के दौरान एंबुलेंस चालकों को मरीजों से तय रेट के अनुसार ही किराया वसूलने के निर्देश दिए। ऐसा न करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने की बात भी कही।

बैठक में पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस चालकों को बताया कि लगातार उन्हें मरीजों के परिजनों से शिकायत मिल रही हैं कि एंबुलेंस चालक उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक रुपए वसूल रहे हैं। इस समय हम सबको मिल-जुलकर कोरोना महामारी से लड़ते हुए सभी के काम आना चाहिए। एंबुलेंस के निर्धारित रेट मरीजों के तीमारदार से लेकर अपने सच्चे और ईमानदार होने का परिचय देना चाहिए। एंबुलेंस चालकों ने पुलिस को बताया कि कुछ एंबुलेंस चालक बाहर से आकर निर्धारित किए गए मूल्य से अधिक रुपये की वसूली कर रहे हैं। इस पर कोतवाली गंगनहर के एसएसआई देवराज शर्मा ने उन्हें ऐसे एंबुलेंस चालकों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए कहा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जिस भी एंबुलेंस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित मूल्यों की रेट लिस्ट नहीं चस्पा होगी, उस एंबुलेंस स्वामी पर कालाबाजारी करने की कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी एंबुलेंस संचालकों ने पुलिस को अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कहते हुए बाहर से आने वाले एंबुलेंस चालकों पर कार्रवाई की बात कही।

नकली रेमडेसिविर के साथ महिला गिरफ्तार

भास्कर समाचार सेवा

- भगवानपुर स्थित लैब में करती है काम
- ड्रग विभाग करेगा मुकदमा दर्ज

भगवानपुर। नकली रेमडेसिविर के साथ एक महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला भगवानपुर में एक लैब में काम करती है। महिला से पूछताछ की जा रही है। ड्रग विभाग महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की बात कह रहा है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही दिल्ली पुलिस ने रुड़की, हरिद्वार और कोटद्वार में छापे मारकर नकली रेमडेसिविर बनाने वाले गिरोह को पकड़ा था। नकली रेमडेसिविर का मामला फिर सामने आया है।

भगवानपुर पुलिस ने ड्रग विभाग की सूचना पर एक महिला को हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार महिला ने किसी एक रेमडेसिविर को किसी व्यक्ति के जरिए किसी को दिया। जिस व्यक्ति के जरिए रेमडेसिविर दिया गया था, उसने भी बिना कोई पैसा लिए इसे किसी जरूरतमंद को दे दिया। जरूरतमंद के परिवार ने जब इस बारे में नेट पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि रेमडेसिविर नकली है। इसके बाद ड्रग विभाग हरकत में आया।

सोमवार देर शाम एक महिला को हिरासत में लिया गया। ड्रग इंस्पेक्टर मानवेंद्र राणा ने बताया कि महिला भगवानपुर में एक लैब में काम करती है। वह रुड़की में रह रही थी और मूलरूप से दिल्ली की रहने वाली है।

बताया कि महिला ने नकली रेमडेसिविर को दिया। इसके बाद मामला सामने आया।

बताया कि मामले में उनकी ओर से भगवानपुर में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। इस गैंग में और सदस्य भी हो सकते हैं। लैब में काम करने वाली महिला कहां से रेमडेसिविर लाती थी। इसका पता किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, राज्य में रेमडेसिवर की कालाबाजारी के साथ ही ऑक्सीजन फ्लोमीटर और आरटीपीसीआर जांच के नाम पर मुनाफा वसूली में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नैनीताल देहरादून और हरिद्वार में मुकदमे दर्ज किए हैं। आईजी अमित सिन्हा ने बताया कि पुलिस टीमें लगातार ऐसे लोगों पर नजर रख रही हैं। शिकायतें भी मिल रही हैं और अब पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 पर भी अलग सेल बना दिया है।

ऑक्सीजन आपूर्ति के संबंध में की चर्चा

रुड़की। जिलाधिकारी ने सभी कोविड अस्पतालों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक ली। बैठक में सभी अस्पतालों के उच्चाधिकारियों को ऑक्सीजन की आपूर्ति के विषय में चर्चा की। साथ यह निर्देश भी दिए कि अपने अस्पताल में ऑक्सीजन की मात्रा की जानकारी पोर्टल पर शाम चार बजे तक अपलोड कर दें, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति में कोई कमी न आने पाए।

कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर में संक्रमित मरीजों की संख्या तो बढ़ोतरी हो रही है। वहीं काफी संख्या में कोरोना संक्रमित मरीज दम भी तोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की सहूलियत के कोविड केयर सेंटर बना दिए हैं, जिसमें ऑक्सीजन की सुविधा वाले बेड उपलब्ध भी हैं। रुड़की सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. संजय कंसल ने भी बैठक में भाग लिया।

कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए लोगों की हो कांटेक्ट ट्रेसिंग

- जिलाधिकारी के निर्देश पर किया गया टीम का गठन

भास्कर समाचार सेवा

भगवानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत भगवानपुर क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव की कांटेक्ट ट्रेसिंग करने के लिए टीम का गठन किया है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शाहिद अली ने बताया कि टीम में आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर के प्रवक्ता राजीव कुमार, अशोक कुमार सैनी, शर्मिला देवी, सारिका देवी, ऋषिपाल सिंह तथा कल्याणी सहायक विकास अधिकारी कॉपरेटिव विकासखंड भगवानपुर की ड्यूटी निर्धारित की गई है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु इन सभी कार्मिकों को नगर पंचायत भगवानपुर कार्यालय मे मंगलवार दोपहर 12 बजे शाहिद अली अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आये व्यक्तियों की कांटेक्ट ट्रेसिंग समय पर किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण में आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर के प्रवक्ता व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, तहसील भगवानपुर के अधिवक्ताओं ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर सब रजिस्ट्रार कार्यालय को एक सप्ताह के लिए बंद कराए जाने की मांग की। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस समय कोरोना महामारी का जबरदस्त प्रकोप है, जिसको देखते हुए भगवानपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने तहसीलदार के माध्यम से उपजिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर तहसील में चल रहे सब रजिस्ट्रार कार्यालय को आगामी एक सप्ताह के लिए बंद कराए जाने की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में हिमांशु कश्यप, पलटू राम, ऋतुराज, सचिन चौधरी, सुनील धीमान, नरपाल आर्य, रमेश चौहान, सतीश कुमार, जनेश्वर प्रसाद आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

दरगाह प्रबंधक ने लिया साबिर पाक में लंगर की व्यवस्थाओं का जायजा, कोविड संक्रमण के चलते 1 मई से बंद हैं तीनों प्रमुख दरगाहें

जायरीनों को सहरी और इफ्तार में न हो कोई परेशानी

भास्कर समाचार सेवा

पिरान कलियर। दरगाह प्रबंधक मौ. हारून ने सोमवार की रात को सहरी के दौरान दरगाह साबिर पाक सहित लंगर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान लंगर सुपरवाइजर को बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि रमजान माह में सहरी व इफ्तार के वक्त लंगर में दिये जाने वाले खाने के लिये जायरीनों को कोई दिक्कत न हो।

कोविड-19 के चलते वक्फ बोर्ड सीओ ने एक मई से तीनों प्रमुख दरगाहों को बंद कर दिया था। दरगाह कर्मचारियों को साफ सफाई व सेनेटाइजर करने के निर्देश दिए हुए हैं। सोमवार की देर रात को कलियर पहुंचे दरगाह प्रबंधक मोहम्मद हारून ने दरगाह क्षेत्र में साफ सफाई और सेनेटाइजेशन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुपरवाइजर व सफाई कर्मचारियों को दरगाह क्षेत्र में सफाई व सेनेटाइजर की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कहा कि दरगाह क्षेत्र में सोशल डिस्टेंसिंग व कोविड गाइडलाइन का पालन कराने को जागरूक करें।

इसके बाद दरगाह प्रबंधक ने साबरी लंगरखाने का निरीक्षण किया और सहरी व इफ्तार में मिलने वाले खाने-पीने की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश सुपरवाइजर को दिए। इस दौरान उन्होंने कहा दरगाह में जायरीन भले ही न आएं, लेकिन दरगाह की व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिएं और जो लोग यहां रुके हुए हैं, उन्हें लंगर में खाने की किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए। लंगर में बनने वाले खाने की गुणवत्ता और बेहतर से बेहतर की जाए।

उन्होंने खुद भी लंगर चखकर जायरीनों को तकसीम किया। इस अवसर पर लंगर इंचार्ज असलम कुरैशी सहित अन्य दरगाह कर्मचारी मौजूद रहे।

साबिर पाक दरगाह में लंगरखाने का निरीक्षण करते प्रबंधक मो. हारुन।

प्रमाण पत्र कार्यालय में आवेदनों का लगा ढेर

रुड़की। नगर निगम में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र कार्यालय में मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले आवेदन भी दो गुने से अधिक हो चुके हैं। कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर से पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। रुड़की में कोरोना संक्रमित मरीजों के मरने का सिलसिला भी लगातार जारी है, इसके चलते रुड़की के श्मशान घाट पर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक संख्या में शव लाए जा रहे हैं। मालवीय चौक के श्मशान घाट के प्रबंधक अनुज ने बताया कि सामान्य दिनों में एक दिन दो शव लाए जाते थे, अब यह आंकड़ा दस तक भी पहुंच रहा है। सोलानी नदी श्मशान घाट के वाहन चालक सोनू और श्मशान घाट कर्मचारी ने बताया कि पहले आठ दिन में भी एक बॉडी नहीं आती थी जबकि अब एक दिन में आठ शव जलाने के लिए आ रहे हैं।

कलियर में बनाया जाए कोविड सेंटर: फुरकान

भास्कर समाचार सेवा

- विधायक ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर की मांग

पिरान कलियर। कोरोना संक्रमण के लगातार फैलने के कारण अस्पतालों में एक बैड के लिए भी मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कलियर विधायक हाजी फुरकान अहमद ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कलियर में कोविड सेंटर बनाए जाने की मांग की है।

हाजी फुरकान अहमद ने कहा कि संक्रमण के मामले बेहद तेज गति से बढ़ रहे हैं, जिस कारण अस्पतालों में एक बैड के लिए भी मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिरान कलियर एक धार्मिक स्थल है और घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यहां कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। कोई भी कोविड सेंटर भी नहीं है। इन परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं का क्षेत्र में न होना एक गंभीर मामला है। उन्होंने जिलाधिकारी से कलियर में हज हाउस, राही गेस्ट हाउस, साबरी गेस्ट हाउस, उच्चतर प्राथमिक विद्यालय के भवनों में से किसी भी एक को वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की पूर्ण व्यवस्थाओं के साथ अस्थाई कोविड केयर सेंटर बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कोविड केयर सेंटर जल्द संचलित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित करने के लिए कहा।

आज ही के दिन 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने संदिग्ध अपराधियों पर किए जाने वाले नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग अथवा पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांच को अस्वीकार कर दिया था।

कोरोनाकाल में जरूरतमंदों की मदद कर उजागर किया खाकी का मानवीय चेहरा

- मरीजों की मदद को आगे आई पौड़ी पुलिस
- आपातकाल जरूरत के लिए की है एंबुलेंस की व्यवस्था

भास्कर समाचार सेवा

पौड़ी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी पी रेणुका के निर्देशों पर कोविड-19 संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए पुलिस ने आमजन की सहायता के लिए सराहनीय पहल की है। आम जनमानस की सुरक्षा को देखते हुए कोतवाली श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत कोविड पॉजिटिव या बीमार व्यक्ति को हॉस्पिटल ले जाने हेतु एक सरकारी एंबुलेंस थाना परिसर में उपलब्ध कराई गई है, जिससे कि बीमार व्यक्ति को तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। वर्तमान में हालात ऐसे हैं कि निजी और सरकारी सारी एंबुलेंस व्यस्त हैं। ऐसे में पीड़ित व्यक्तियों को एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पा रही है। आमजन की सुरक्षा को देखते हुए एंबुलेंस को जनता की सेवा के लिए शुरु कर दिया गया है। इसका प्रयोग आकस्मिक स्थितियों में लोगों को अस्पताल पहुंचाने और संक्रमित मरीजों की सेवा में किया जाएगा। एंबुलेस ऑक्सीजन सिलेंडर युक्त है। साथ ही एंबुलेंस में नियुक्त कार्मिकों को पीपीई किट धारण करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। इस समय पौड़ी पुलिस का प्रत्येक कोरोना वॉरियर जनता की सहायता के लिए सदैव तत्पर है। पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक नंबर भी उपलब्ध कराया गया है। 9411112974 पर फोन करके एंबुलेंस बुला सकते हैं।

मरीज को एंबुलेंस से अस्पताल भेजती पुलिस।

त्यूनी पुलिस ने वृद्धा का किया दाह संस्कार

विकासनगर। जो कार्य अपने सगे सबंधी नहीं कर पाए, वह कार्य पुलिस ने किया। मंगलवार को त्यूनी पुलिस को सूचना मिली कि 60 वर्षीय महिला निवासी गुंडा गांव की मौत हो गई, लेकिन गांव वाले उसके दाह संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने अपना धर्म निभाते हुए वृद्ध महिला का दाह संस्कार किया। थाना अध्यक्ष संदीप पंवार ने कहा कि छह दिन पूर्व वृद्ध महिला के पति की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। पुलिस ने पीपीई किट में परिवार के संग महिला का दाह संस्कार किया।

रोजेदारों ने निभाई इंसानियत

विकासनगर। इंसानियत जिंदा है तो धर्म है। यह साबित किया रोजेदार और युवा भाजपा नेता सुलेमान और नवाब ने। ये दोनों युवा टीम वीरेंद्र सिह बाबी के साथ शामिल हैं। रोजेदार होने के बावजूद भी दोनों ने मंगलवार को विकासनगर निवासी राधेश्याम अग्रवाल के अंतिम संस्कार में अहम भूमिका निभाई। अंतिम संस्कार करने के लिए पीपीई किट पहननी होती है। इस किट को पहने में शरीर से खूब पसीना निकलता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है, लेकिन इसकी परवाह किए बगैर दोनों ने इंसानियत का फर्ज निभाया। दोनों का कहना कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं है। कोरोना जैसी महामारी के समय समाज के लोगों को मिल तुलकर एक दूसरे का साथ देना है।

सोशल मीडिया पर जमकर हो रही पौड़ी पुलिस की सराहना

भास्कर समाचार सेवा

पौड़ी। कोरोना की दूसरी लहर में पुलिस का जरूरतमंदों व मदद मांग रहे लोगों की मदद करने का सिलसिला जारी है। महामारी से निपटने के लिए पुलिस ड्यूटी निभाने के साथ ही जरूरतमंदों व मदद मांग रहे लोगों की मदद कर अपना फर्ज निभा रही है। पुलिस के कार्यों की सोशल मीडिया पर भी जमकर सराहना हो रही है।

पौड़ी पुलिस के वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेश रावत को रामलीला मैदान के पास से किसी कोरोना संक्रमित दंपति ने फोन कर मदद मांगी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें दवाई, फल, सब्जी, दूध की जरूरत है। इस पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेश रावत ने तुरंत चीता पुलिस में तैनात कांस्टेबल बुद्धिबल्लभ व अर्जुन सिंह को दंपति की मदद के लिए भेजा। इन दोनों जवानों ने दंपति को दवाई व आवश्यक सामग्री पहुंचाई। दंपति ने पुलिस के कार्यों की सराहना की। एसएसपी पौड़ी पी रेणुका ने मदद के लिए पूरे जिलेभर में हेल्पलाइन नंबर जारी कर सभी थानाध्यक्षों को मदद करने के निर्देश दिए हैं। एसएसपी का कहना है कि किसी भी जिलेवासी को मदद की जरूरत हो तो वह इन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर मदद मांग सकता है।

कोरोना मरीजों के इलाज में न हो कोई कोताहीः ईवा

जिलाधिकारी ईवा श्रीवास्तव ने किया कोविड केयर सेंटर का निरीक्षण, हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाया गया 300 बैड का अस्पताल

कोविड केयर सेंटर के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश देतीं डीएम ईवा श्रीवास्तव।

भास्कर समाचार सेवा

नई टिहरी। मंगलवार को जिलाधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव ने कोविड केयर सेंटर के रूप में अधिग्रहित बी-पुरम स्थित हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने इस कोविड केयर सेंटर के नोडल अधिकारी के रूप में नामित उप जिलाधिकारी संदीप तिवारी तथा सीएमएस अमित राय व अन्य संबंधित अधिकारियों को तत्काल ही सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कोविड केयर सेंटर संचालित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने सीएमएस को कोरोना मरीजों हेतु बिस्तर व भोजन आदि की समुचित व्यवस्था, जबकि नोडल अधिकारी तिवारी को सफाई, विद्युत, पेयजल व बेरिकेटिंग आदि समुचित व्यवस्थाएं संबंधित विभागों के माध्यम से तत्काल ही अपनी निगरानी में दुरस्त करवाये जाने के निर्देश दिए।

बता दें कि बी-पुरम स्थित हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग कॉलेज में तीन छात्रावास 450 बैड क्षमता के हैं, किंतु फिलहाल 300 बैड क्षमता का कोविड केयर सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिनमें 100 बैड ऑक्सीजन बैड के रूप में स्थापित किये जा रहे हैं। बाद में आवश्यकता को देखते हुए बैड की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। जिलाधिकारी ने बताया कि नजदीकी कोरोना मरीजों की सुविधा को देखते हुए यह कोविड केयर सेंटर स्थापित किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक रूहेला, उप जिलाधिकारी संदीप तिवारी, सीएमएस डॉ. अमित राय, हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग कॉलेज की डीन रमना त्रिपाठी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड मरीजों के लिए तैयार की जा रही किट

नई टिहरी। कोरोना वायरससे बचाव एवं सुरक्षा को लेकर शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का जिला प्रशासन द्वारा जिम्मेदारी से निर्वहन किया जा रहा है। जिलाधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद में कोविड-19 के सैंपल कलेक्शन सेंटर, सीएचसी, पीएचसी पर जांच हेतु आने वाले व्यक्तियों में से कोविड-19 के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को दवाओं की एक छोटी किट तैयार कर उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि लैब भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट आने तक उनको उपचार मुहैया करवाया जा सके। इसके लिए उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि वे दवाओं की 50 हजार किटों को तैयार करने की कार्रवाई ही सुनिश्चित करें। कोविड-19 लक्षणयुक्त व्यक्तियों के लिए मुख्य चिकित्सधिकारी कार्यालय में तैयार किटों को उपजिलाधिकारियों के माध्यम से सभी संबंधित सीएचसी/पीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि कोविड-19 लक्षणयुक्त प्रत्येक व्यक्ति को यह किट हर हाल में उपलब्ध हो जानी चाहिए, ताकि लैब से कोविड जांच रिपोर्ट आने तक उनको घर पर ही उपचार मिल सके। दवाओं की जो किटें तैयार की जाएंगी, उनमें टेबलेट आइवर मेक्टिन-12 एमजी, अजिथ्रोमाईसीन-500 एमजी, डोक्सि-100 एमजी आदि शामिल हैं। वहीं राजस्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को कोविड-19 संक्रमण से बचाव व उपचार को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, जिसके तहत राजस्व विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर लोगो को कोविड-19 के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

ग्राम बगीद को बनाया कंटेनमेंट जोन

- गांव में सभी परिवारों का किया गया कोरोना टेस्ट

भास्कर समाचार सेवा

नई टिहरी। तहसील गजा के ग्राम बगीद में 39 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने पर मंगलवार को तहसील गजा प्रशासन द्वारा सारे रास्ते बंद किए ए। विदित हो कि बगीद गांव में रहने वाले 40 परिवारों का स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रधान लक्ष्मी देवी चौहान के अनुरोध पर गांव में जाकर ही कोरोना टेस्टिंग कराई, जिसमें 39 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। तहसील गजा प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी। तहसीलदार गजा रेनु सैनी व नायब तहसीलदार उपेंद्र सिंह राणा ने मुस्तैदी से ड्यूटी करते हुए तत्काल संज्ञान लेकर गांव के अन्य लोगों की सैंपलिंग भी कराई, जिनकी रिपोर्ट अभी आनी बाकी है, लेकिन 39 लोगों के रिपोर्ट आने के बाद गांव के लोगों को प्रचार-प्रसार करके सतर्क रहने को कहा गया तथा उन लोगों के संपर्क में आए अन्य लोगों को चिन्हित करने व कोरोना टेस्टिंग करने के साथ ही बचाव की जानकारी दी।

मंगलवार को गांव के सारे रास्ते बंद कर दिए गए। गांव में रहने वाले सभी लोगों के लिए आवश्यक सामान उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर व टेलीफोन नंबर जारी किया गया है, ताकि प्रशासन द्वारा सामान पहुंचाया जा सके। कंटेनमेंट जोन घोषित होते ही तहसील गजा के राजस्व उप निरीक्षक रमेश नौटियाल, सहायक राकेश असवाल, होमगार्ड गजेंद्र सिंह पुंडीर, रमेशचंद्र रमोला, विजेंद्र सिंह गुसाईं तथा ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी चौहान व पूर्व प्रधान भगवान सिंह चौहान ने गांव के सभी रास्तों को सील करते हुए किसी भी प्रकार के आवागमन को नहीं करने के लिए गांव के लोगों को जागरूक भी किया। बगीद गांव को जाने वाली सड़क, बरसुडगांव, बिमाणगांव, खांड, खडवालगांव तथा विरोगी की तरफ के रास्तों को बल्लियों से बंद कर दिया गया है। बगीद गांव में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अभी कुछ और लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी है।

बल्लियों द्वारा गांव के रास्ते बंद करती प्रशासन की टीम।

नवीन चकराता से खुलेंगे रोजगार के द्वारः रामशरण

- राज्य सरकार से की विस्तारीकरण की मांग
- मसूरी की तर्ज पर हो चकराता का विकास

भास्कर समाचार सेवा

विकासनगर। वरिष्ठ भाजपा नेता रामशरण नौटियाल ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि वीर शहीद केसरी चंद की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्योछावर किया।

उन्होंने सरकार से मांग की कि नवीन चकराता, जो वर्तमान में पुरोडी से माखटी पोखरी तक इसकी सीमाओं के साथ पुरोडी से बिराट खाई, नागथात और ड्योडीलाणी तक विस्तार किया जाए, जिससे यहां के युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मसूरी की तर्ज पर चकराता का विकास किया जाने से युवाओं के साथ स्थानीय व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा। नवीन टाउन चकराता बनने से पूरे क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके का भी विकास होगा। देश विदेश से आने वाले पर्यटक यहां के मनमोहक नजारों का लुत्फ उठा सकेंगे। साथ ही प्रदेश सरकार को विदेशी पर्यटकों के आने से आय भी बढ़ेगी।

जौनसार बावर में भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकना है, इसके लिए उन्होंने युवाओ का सहयोग मांगा है।

जनपद के लिए 40 करोड़ 65 लाख का परिव्यय अनुमोदित

रुद्रप्रयाग। जिला योजना वर्ष 2021-22 एवं कोविड-19 की व्यवस्थाओं के संबंध में जनपद प्रभारी मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने जिला कार्यालय सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक केदारनाथ, जिलाधिकारी के साथ बैठक की।

बैठक में जिला योजना के अन्तर्गत 40 करोड 65 लाख का परिव्यय अनुमोदित किया गया जिसके सापेक्ष लोनिवि को 07 करोड़ 86 लाख, माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षा को 04 करोड़, जलसंस्थान को 4 करोड़1 0 लाख, युवा कल्याण को 04 करोड़ 39 लाख का परिव्यय अनुमोदित किया गया है।

उपजिलाधिकारियों ने किया बाजारों में निरीक्षण

- अधिक मूल्य पर फल बेचने पर 3 फल विक्रेताओं का किया चालान

भास्कर समाचार सेवा

पौड़ी। जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ. विजय कुमार जोगदंडे के दिशा-निर्देशन में कोविड-19 के अंतर्गत मूल्य नियंत्रण हेतु उपजिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित टीमों द्वारा युद्धस्तर पर निरीक्षण किया जा रहा है। उप जिलाधिकारी सदर पौड़ी की अध्यक्षता में गठित टीम द्वारा मंगलवार को संयुक्त रुप से स्थानीय बाजार पौड़ी में फल सब्जी विक्रेता, परचून एवं मेडिकल की दुकानों का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा सभी दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से रेट लिस्ट चस्पा करना सुनिश्चित करें। सभी लोग केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का अनिवार्य रूप से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। उपजिलाधिकारी सदर पौड़ी एसएस राणा ने बताया कि अधिक मूल्य पर फल बेचने पर तीन फल विक्रेताओं के विरुद्ध उत्तराखंड प्रवर्तन अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई है, जिनमें मोहम्मद आसिफ पुत्र अब्दुल हमीद एजेंसी चौक पौड़ी, अशोक कुमार पुत्र रामस्वरूप एवं मोहम्मद नजीबद्दीन पुत्र मोहम्मद अब्दुल मलिक लक्ष्मी नारायण मंदिर मार्ग पौड़ी का उत्तराखंड प्रवर्तन अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत चालान किया गया। मानक अधिनियम उत्तराखंड धारा 33 के अंतर्गत परीक्षण मुद्रांकन न किए जाने के कारण नौली सिंह पुत्र बहादुर सिंह लक्ष्मी नारायण मंदिर मार्ग पौड़ी का चालान किया गया, जबकि कालू स्वीट शॉप लक्ष्मी नारायण मंदिर पौड़ी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं सामाजिक दूरी का अनुपालन न करने और मास्क न पहनने पर भी 11 चालान किए गए। संयुक्त निरीक्षण टीम में खाद्य निरीक्षक शैलेंद्र बडोला, विधिक माप विज्ञान निरीक्षक जगदीश सिंह, तहसीलदार एचएम खंडूरी, सब इंस्पेक्टर विनोद रावत आदि मौजूद थे।

जिला अधिकारी ने लिया आपदाग्रस्त क्षेत्रों का जायजा, सुरक्षा दीवार लगाने व मलवा हटाने के दिए निर्देश

आपदा पीड़ितों की हरसंभव मदद करेगा प्रशासनः मयूर

भास्कर समाचार सेवा

उत्तरकाशी। विकासखंड चिन्यालीसौड़ के कुमराड़ा गांव में बीते दिन अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। मंगलवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित कुमराड़ा गांव पहुंचे व हालात का जायजा लिया। जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा भी मौजूद रहे। अतिवृष्टि से लोगों के घरों के अंदर पानी व मलबा चला गया था। जिससे करीब 300 से अधिक परिवार प्रभावित हुए है। तथा 110 हेक्टेयर कृषि भूमि व गांव के पेयजल लाइन, विद्युत, व रास्ते क्षतिग्रस्त हुए है। पशु हानि में दो भैस व दो बकरी की मृत्यु हुई है तथा दीपा देवी आदि का आवसीय भवन क्षतिग्रस्त हुआ है। जिलाधिकारी ने अधिकांश घरों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने पानी व बिजली की आपूर्ति शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। तात्कालिक व्यस्था के लिए टैंकरों से पानी की व्यवस्था करने के निर्देश जल संस्थान को दिए। गांव में बिजली आज सांय को ही बहाल करने के निर्देश दिए। गांव के रास्ते ठीक करने,पानी के टैंक बनाने, सुरक्षा दीवार लगाने व मलवा हटाने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिए। जब तक ग्रामीणों के घरों से मलबा नही हटाया जाता है तब तक उनके खाने- पीने व रहने के इंतजाम स्कूल में करने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया कि गांव में खाद्यान व रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को मृत पशुओं का शीघ्र मुआवजा देने के निर्देश दिए। साथ ही गांव में पशुचारा का भी प्रबन्ध करने के निर्देश दिए। मुख्य कृषि अधिकारी व राजस्व को तत्काल फसलों की क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए। पीएमजीएसवाई को सड़क से मलबा हटाने के निर्देश दिए।सभी रेखीय विभागों के अधीनस्थ कार्मिक तीन दिन तक गांव में ही रहने के निर्देश दिए। ताकि पुनः निर्माण कार्यों में तेजी लायी जा सकें। स्वास्थ्य विभाग को गांव में मास्क,सेनिटाइजर वितरण के साथ ही जीवन रक्षक दवाई व बच्चों वयोवृद्ध लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए। इसमें आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का सहयोग लेने के निर्देश दिए। ग्रामीणों की विस्थापन की मांग को लेकर जिलाधिकारी ने भू वैज्ञानिकों से सर्वे कराने के साथ ही प्रस्ताव शीघ्र शासन में भेजने का आश्वासन दिया।

इस दौरान उप जिलाधिकारी देवेंद्र नेगी, सीवीओ डॉ प्रलंकरनाथ, मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल भंडारी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रकाश चंद रमोला, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजेंद्र सिंह रावत, ग्राम प्रधान विनोद पुरसोड़ा सहित पीड़ित ग्रामीण मौजूद थे।

चमोली में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का जायजा लेते जिलाधिकारी मयूर दीक्षित।

इंटर कॉलेजों को बनाया जाए कोविड सेंटरः आकिल

विकासनगर। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व राज्यमंत्री आकिल अहमद ने मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को पत्र भेजकर पछवादून में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सेलाकुई इंटर कॉलेज व सहसपुर इंटर कॉलेज को कोविड हेल्प सेंटर बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे पछवादून के कोरोना संक्रमित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और उनका सही तरीके से उपचार हो पाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों को इलाज के लिए देहरादून, ऋषिकेश तक बैड उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ऑक्सीजन बैड ना मिल पाने के कारण एक सप्ताह में पछवादून में भारी संख्या में लोगों की मौत हो गई है। यदि सरकार की ओर से इन सरकारी स्कूलों में कोविड सेंटर खोल दिए जाएंगे तो पछवादून के काफी लोगों की जान को बचाया जा सकता है।

एनएसयूआई ने की विधायक को बर्खास्त करने की मांग

- कोरोनाकाल में क्षेत्र की उपेक्षा का लगाया आरोप
- जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा मुख्यमंत्री को ज्ञापन

भास्कर समाचार सेवा

पौड़ी। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर पौड़ी विधायक मुकेश कोली को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। एनएसयूआई के सचिव मोहित सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण हर तरफ कोहराम मचा है। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा कहा गया था कि सभी विधायक व जनप्रतिनिधि जनता के बीच रहकर हर तरह से मदद करेंगे और स्वास्थ्य विभाग से बेहतर समन्वय बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करेंगे।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद भी पौड़ी विधायक को जनता कोई लेना-देना नहीं है। वह केवल शादी व भंडारों में शिरकत करने देहरादून से पौड़ी आते हैं। जनता त्रस्त है, लेकिन विधायक को कोई फिक्र नहीं।

ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की गई कि पौड़ी विधायक मुकेश कोली को तत्काल बर्खास्त किया जाए।

इस दौरान प्रदेश सचिव एनएसयूआई मोहित सिंह, जिला सचिव मुकुल पंवार, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस आशीष नेगी, संजना गुजराल आदि मौजूद रहे।

सारसुर्खियां

सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को दिया ज्ञापन

नैनीताल। नामित सभासद मनोज जोशी ने अधिशासी अधिकारी अशोक कुमार वर्मा को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि राजपुरा वार्ड कंपाउंड, अयारपाटा, तल्लीताल बाजार क्षेत्र, कंटेनमेंट जोन कुमाऊं विश्वविद्यालय के पीछे तथा डीएसबी केंपस स्थित मलिन बस्ती क्षेत्र मे सैनिटाइज कराने को लेकर ज्ञापन दिया है। इन क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित लोग आए हैं इसके बावजूद भी वहां सैनिटाइजर नहीं हो पा रहा है। स्टोनले कंपाउंड में सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पा रही है। मनोज ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और सैनिटाइजर तत्काल कराने के लिए कहा है और चेतावनी दी अगर जल्दी ही यह व्यवस्था नहीं की गई तो धरने पर बैठने विवश होना पड़ेगा।

खाकी बनी सहारा: एसडीआरएफ के जवान संक्रमितों को घर-घर पहुंचा रहे दवाई की किट

- संबंधित अधिकारियों को दे रहे पल-पल की जानकारी
- संक्रमितों के स्वास्थ्य के साथ ही अपना ध्यान रखना चुनौती

भास्कर समसाचार सेवा

नैनीताल में एसडीआरएफ के जवान ने मरीज को पहुंचाई दवाई।

मरीज को दवा देता पुलिसकर्मी।

नैनीताल। सरोवर नगरी में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ने से जहां लोग सहमे और डरे हुए हैं वही अपनी जान की परवाह किए बिना एसडीआरएफ के पुलिसकर्मी शहर में कोरोना संक्रमित लोगों को उनके विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाई किट उनके घर पर जाकर उनके परिजनों को दी जा रही है।

इस दौरान एसडीआरएफ के पुलिसकर्मी बड़ी सतर्कता और अपने को पूरा कवर करके इस सामाजिक कार्य में जुटे हुए हैं और लोगों की सेवा कर रहे हैं।

एसडीआरएफ पुलिसकर्मी चंदन रौतेला और फायरमैन नितेश खेतवाल ने बताया हम शहर में कोरोना संक्रमित लोगों की लिस्ट देखकर उनके परिजनों को घर जाकर उनके हाथ में दवाई किट दे रहे है।

उसकी पूरी जानकारी रखकर संबंधित अधिकारियों को दे रहे हैं। मंगलवार को भी इनके द्वारा रॉयल होटल, हाई कोर्ट, शेरवानी, तल्लीताल मार्केट, सहित अन्य क्षेत्रों में जाकर कोरोना संक्रमित लोगों के परिजनों को दवाई किट दी गई।

मरीज के लिए भगवान बने खाकीधारी

भास्कर समाचार सेवा

- सिडकुल चौकी इंचार्ज ने उपलब्ध कराया ऑक्सीजन सिलेंडर

रुद्रपुर। यूं तो अक्सर खाकी को उसके कड़क मिजाज के लिए जाना जाता है, क्योंकि अपराधियों तक पहुंचने और अपराध के खात्मे के लिए पुलिसवालों को कड़क रहना पड़ता है, लेकिन यही कड़क मिजाज वाले पुलिसकर्मी आम आदमी की मदद के लिए भी हमेशा तत्पर रहते हैं।

इसी बात को सच साबित करते हुए सिडकुल चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने न केवल एक इंसान की जान बचाई बल्कि खाकी पर लोगों के विश्वास को बढ़ा दिया। दरअसल बात सोमवार की है। सोमवार को रुद्रपुर क्षेत्राधिकारी अमित कुमार को ओमेक्स निवासी कविंद्र पाल पुत्र ब्रजमोहन पाल द्वारा सूचना दी गई कि उनके पिता बृजमोहन पाल को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की तत्काल आवश्यकता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने चौकी प्रभारी सिडकुल सुरेंद्र सिंह को तत्काल सहायता हेतु निर्देशित किया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने कांस्टेबल अमित यादव, कैलाश मनराल के साथ मिलकर तत्काल ऑक्सीजन सिलेंडर और फ्लो मीटर का प्रबंध किया और जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाई। ऑक्सीजन सिलेंडर मिलते ही कवींद्र पाल ने पुलिस कर्मियों का आभार जताया।

ऑक्सीजन सिलेंडर देते पुलिसकमी।

कोविड:19: कहीं लग रही कतार, कहीं नियम तार-तार

सब्जी आढ़त मल्लीताल में उपभोक्ताओं ने गोल घेरे में खड़े होकर खरीदी सब्जियां, लोगों ने किया सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

- बड़ा बाजार से हटाकर डीएसए ग्राउंट में लगाई सब्जी की आढ़त
- पालिका कर अधीक्षक और कर्मचारियों ने कराया नियमों का पालन

भास्कर समाचार सेवा

नैनीताल। सरोवर नगरी में कोरोना की दूसरी लहर के चलते प्रशासन द्वारा हालत की सब्जी की आढत बड़ा बाजार से हटाकर डीएसए ग्राउंड मल्लीताल में लगाई गई। उसका मकसद एक ही था खुले में सब्जी की आढत होगी तो सामाजिक दूरी बनी रहेगी और लोग नियमों का पालन करेंगे।

वहीं इसके विपरीत लोगों ने नियमों को ताक में रखकर और उसका उल्लंघन करते हुए भीड़ की झुंड सब्जी खरीदने में जुट गई। जिसको देखते हुए परगना मजिस्ट्रेट प्रतिक जैन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मंगलवार को डीएसए ग्राउंड मल्लीताल सब्जी मंडी में गोल घेरे बनवाये।

जिसके बाद नगर पालिका कर अधीक्षक हिमांशु चंद्रा दीपराज और पालिका कर्मचारियों ने मोर्चा संभालते हुए लोगों को कोविड-19 अधिनियम का पालन कराते हुए गोल घरों में खड़े होकर लोगों ने सब्जी खरीदी और नियमों का पालन कराया।

मंगलवार पालिका कर्मचारी मुस्तैदी से प्रातः से ही कोविड-19 का पालन कराने को लेकर जुटे रहे प्रातः 7:00 बजे से 11:00 बजे तक सब्जी मंडी में नियमों का पालन करते हुए ही उपभोक्ताओं ने सब्जी खरीदी। इस दौरान कोतवाली पुलिस भी मौके पर जुटी रही।

नैनीताल के डीएसए ग्राउंड मल्लीताल में सोशल डिस्टेंसिंक का पालन करते हुए लाइन में लगे उपभोक्ता।

गोल घेरों में खड़े को लोगों ने खरीदी सब्जियां।

व्यापार मंडल मल्लीताल ने जताया रोष

नैनीताल। सरोवर नगरी में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में बड़ा बाजार तल्लीताल में निरीक्षण के दौरान दुकानों के बाहर भीड़ होने पर तीन दुकानदारों का दस दस हजार के कोर्ट चालान करने पर व्यापार मंडल मल्लीताल ने प्रशासन की इस कार्रवाई पर रोष व्यक्त करते हुए जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि इस मुश्किल घड़ी में व्यापारिक खुद अपनी जान को जोखिम में डालकर सेवा भाव से लोगों को सम्मान मुहैया करा रहा है। भीड़ अगर होती है तो उस को नियंत्रित करने का जिम्मा पुलिस प्रशासन का है।

संभल नहीं रहे हैं लोग, बाजारों में उमड़ रही है भीड़

भास्कर समाचार सेवा

शक्तिफार्म। बढ़ते कोरोना संक्रमण के बावजूद भी लोग संभलने का नाम नहीं ले रहे हैं। आलम यह है कि बिना मास्क व बिना सामाजिक दूरी के लोग बाजारों में उमड़ रहे हैं। रही-सही कसर कुछ व्यापारी भी पूरा कर रहे हैं ,जो पुलिस की सख्ती को ताक पर रखकर प्रतिबंध के बावजूद भी अपने व्यापार संचालित करने में जुटे हुए हैं।

इस पर लगाम लगाने को शासन द्वारा आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को दोपहर 12 बजे तक ही दुकानें खोलने की अनुमति दी हैं। इस बीच बाजार में भीड़ इस कदर उमड़ रही है कि उनमें सामाजिक दूरी धराशाई होती हुई दिख रही हैं। यही नहीं लोग बाजारों में भीड़ के मध्य मास्क लगाने के प्रति भी गंभीर नहीं दिख रही हैं। रही-सही कसर कुछ व्यापारी भी पूरा कर रहे हैं, जो प्रतिबंध के बावजूद भी अपनी दुकानें खोल रहे हैं।

हालांकि पुलिस नगर में पैनी नजर बनाते हुए प्रतिदिन गाइडलाइन के खिलाफ दुकानें खोले जाने पर चालान करने की प्रक्रिया में जुटी तो है, बावजूद भी इसका असर कुछ व्यापारियों पर होता नहीं दिख रहा है।

शक्तिफार्म के बाजार में इस तरह उड़ रही कोविड गाइडलाइन की धज्जियां।

इलाज के दौरान युवक की मौत

निर्मलनगर निवासी धीरज मंडल (38) की मंगलवार सुबह सितारगंज के एक निजी अस्पताल में, इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। धीरज लगभग 1 माह पूर्व ही दिल्ली से अपने घर निर्मलनगर आया था। घर पहुंचने पर उसकी तबीयत खराब होने लगी तो, परिजन स्थानीय चिकित्सकों से उसका इलाज कराया। स्वास्थ्य में सुधार न होने के चलते परिजनों ने उसे सितारगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। धीरज कोरोना संक्रमित था। इलाज के दौरान ही, मंगलवार सुबह उसकी मृत्यु हो गई।

टीकाकरण के लिए चार जंबो केंद्र बनाये: डॉ आर्य

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधीक्षक डॉ राजेश आर्य ने कहा कि 18 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए 4 जंबो टीकाकरण केंद्र, जिसमें राजकीय इंटर कॉलेज शक्तिफार्म, राजकीय इंटर कॉलेज सितारगंज, राजकीय इंटर कॉलेज नानकमत्ता, सिडकुल भवन सिडकुल सितारगंज तथा ग्रामीण क्षेत्र को 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को कवर करने के लिए 27 सेंटर बनाए जा रहे हैं,जोकि हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, उप केंद्र पंचायत घर इत्यादि हैं। पीएचसी, सीएचसी में टीकाकरण पूर्व की भांति होता रहेगा।

पेयजल विभाग कर रहा लोगों की जान से खिलवाड़

रामनगर। ग्राम टेढ़ा में पेयजल विभाग की बड़ी लापरवाही के चलते ग्रामीण बीते लंबे समय से गंदा पानी पीने को मजबूर थे। ग्रामीणों का कहना है कि टैंक की सफाई को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों सहित जल संस्थान के आला अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते टैंक की सफाई ना होने से ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर थे। जिस कारण गांव में आए दिन छोटे बच्चों व ग्रामीणों की तबीयत खराब होने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही थी।

ग्रामीणों ने स्वयं ही पेयजल टैंक की सफाई की। सफाई के दौरान टैंक में मरे हुए चूहे बड़े-बड़े मकड़ी के जाल सहित कई जहरीले कीड़े भी मिले जहां विभाग की इस लापरवाही से ग्रामीणों में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

रामनगर जल संस्थान के द्वारा इस तरह की लापरवाही को लेकर सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सभी राज्यों को जल जीवन स्कीम के तहत निशुल्क जल कनेक्शन दिया जा रहा है तो दूसरी तरफ जल संस्थान के द्वारा पेयजल टैंकों की सफाई को लेकर लापरवाही से दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण की नाराजगी जायज है क्षेत्र के विधायक को इस पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए विभाग को फटकार लगानी चाहिए।

ऑक्सीजन मिलने पर शुरू होगा कोविड अस्पताल

भास्कर समाचार सेवा

हल्द्वानी। ऑक्सीजन उपलब्ध न होने के चलते मिनी स्टेडियम में बने मिनी कोविड अस्पताल शुरू नहीं किया जा सका है। प्रशासन ऑक्सीजन उपलब्ध होने के बाद ही इसे शुरू करने की बात कह रहा है। हांलाकि अस्पतालों में बेडों के फुल रहने के मद्देनजर अन्य अस्थाई अस्पतालों का भी निर्माण किया जा रहा है।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नैनीताल रोड स्थित पुराने स्टेडियम को भी मिनी कोविड अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है। बताया गया है कि यहां संक्रमितों को उपचार देने के लिए 150 ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड लगाए गए हैं और स्टाफ की तैनाती भी की जा चुकी है लेकिन यह अस्पताल अभी भी ऑक्सीजन सिलेंडरों का इंतजार कर रहा है। जिसके चलते यह मिनी कोविड अस्पताल काम नहीं कर पा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह का कहना है कि ऑक्सीजन उपलब्ध न होने के चलते मिनी कोविड अस्पताल में काम शुरू नहीं है। ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध होते ही इस अस्पताल को सुचारु रूप से शुरू कर दिया जाएगा।

अपनों ने किया किनारा, तो खाकी ने दी अंतिम विदाई

भास्कर समाचार सेवा

- कई बार सूचना देने के बाद भी किसी के परिजन नहीं पहुंचे

हल्द्वानी। मेडिकल कॉलेज शवगृह में रखे 07 लावारिस शवों के अंतिम संस्कार हेतु जब परिवार वाले नहीं पहुंचे, तो पुलिस मददगार बनकर आगे आई और उन सभी शवों का अंतिम संस्कार किया। पुलिस की इस मानवता को बारम्बार हज़ार बार सलाम है।

बताते चलें कि पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के शवगृह में रखे इन 07 शवों की शिनाख्त करने का प्रयास भी किया था। शिनाख्त होने के पश्चात इनके परिजनों से सम्पर्क किया गया। कई बार सूचना देने के बाद भी किसी के परिजन नहीं पहुंचे, तो कोतवाली पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने ही इन सातों शवों का अंतिम संस्कार किया।

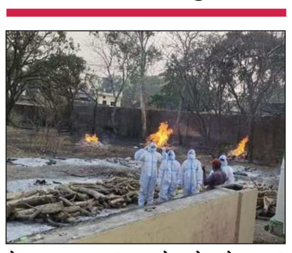

कांग्रेस है डूबता जहाज: रावत

भास्कर समाचार सेवा

रामनगर। आप प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल रावत ने सल्ट विधानसभा उपचुनाव के नजीतों के बाद और अन्य राज्यों के नतीजे के बाद कांग्रेस को पूरी तरह डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा जहां जहां कांग्रेस मजबूती से लड़ने की बात करती वहां वहां बीजेपी जीत रही है और कांग्रेस में अब किसी को चुनौती देने लायक नहीं बची । ये पूरी तरह डूबता जहाज बन चुकी है जो उत्तराखंड में भी 2022 तक पूरी तरह रसातल में पहुंच जाएगी और आगामी मुकाबला 2022 में बीजेपी और आप के बीच होगा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सल्ट उपचुनाव में बड़ी बड़ी बाते कर रही थी उनके शीर्ष नेतृत्व चुनावों में वहीं पड़े थे लेकिन उसके बावजूद उनकी आपसी लड़ाई के चलते बीजेपी के जीना को जनता ने अपना समर्थन दिया, वो इस जनादेश का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि स्व0 सुरेन्द्र सिंह जीना के भाई महेश जीना को सल्ट उपचुनाव जीतने के बाद अपने भाई के अधूरे सपनों को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

उन्हें जनता ने इसीलिए विधानसभा भेजा है।

आप उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि सल्ट में कांग्रेस को एक बार फिर जनता ने बुरे तरीके से नकार दिया है। शिशुपाल रावत ने कहा कि इस चुनाव से कांग्रेस को भी समझ आ गया होगा कि अब उसका राजनीतिक भविष्य गर्त में है। कांग्रेस को ये बात अब अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए। इसलिए आगामी 2022 के चुनावों में कांग्रेस कहीं भी नजर नही आने वाली है। आने वाला चुनाव उत्तराखंड में बीजेपी और आप पार्टी के बीच ही होगा जिसके लिए आप पार्टी पूरी तरह से तैयार है और आप पार्टी इस चुनाव को बडी मजबूती से लडेगी।

छात्रों के परिजन बोले, बिना कक्षाएं संचालित कर वर्ष की फीस वसूल रहा है विद्यालय

प्रमाण पत्र लेने गए अभिभावकों से दुर्व्यवहार का आरोप

भास्कर समाचार सेवा

शक्तिफार्म। क्षेत्र में स्थित एक पब्लिक स्कूल के लिये, शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश कोई मायने नहीं रखता है। स्कूल प्रबंधन बिना स्कूल खोलें वर्ष 2020- 21 की पूरी फीस वसूलने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाने में लगे हुए हैं। आरोप है कि विद्यालय प्रबंधक द्वारा अभिभावकों को, कड़े शब्दों के साथ मैसेज भेजा जा रहा है, जिसमें फीस वसूलने के साथ-साथ, जुर्माना वसूलने की भी हिदायत दी जा रही है। विद्यालय पहुंचने पर अभिभावकों के साथ बदसलूकी भी की जा रही है। अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन प्रेषित कर कार्यवाही की मांग की।

शिक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश है कि, कोई भी अभिभावक अगर पूरी फीस देने में असमर्थता जताता है तो, उस पर दबाव नहीं बनाया जाएगा। साथ ही स्कूल को अभिभावक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उसे राहत देनी होगी। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधक पर कोई असर नहीं है। कुछ अभिभावकों द्वारा कोरोना काल का हवाला देते हुए, वर्ष भर का आधा फीस जमा करने के बावजूद भी स्कूल प्रबंधक उन्हें बगैर रिजल्ट दिए बैरंग लौटा दिया। इधर लगभग दो दर्जन अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी को भेजे ज्ञापन में कहा कि स्कूल द्वारा पूरे वर्ष भर न तो ऑनलाइन कक्षाएं चलाई गई और न ही ऑफलाइन। बावजूद उन पर पूरे वर्ष भर का फीस जमा करने को दबाव बना रहे हैं।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय प्रबंधक द्वारा उन्हें कड़े शब्दों में मैसेज भेजते हुए फीस न जमा करने पर उनसे जुर्माना वसूलने तक की चेतावनी दे रहे हैं। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि बच्चों का प्रमाण पत्र लेने के लिए विद्यालय जाने पर, विद्यालय प्रबंधक द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी से विद्यालय व विद्यालय प्रबंधक पर कार्यवाही की मांग की। इधर विद्यालय प्रबंधक ने अभिभावकों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया।

जांच कर विद्यालय को किया आदेशित: सुषमा

खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा गौरव ने कहा कि अभिभावकों की शिकायत पर जांच की गई। जांच उपरांत विद्यालय को उनके द्वारा आदेशित कर दिया गया कि अभिभावकों को उनके बच्चों की रिजल्ट व टीसी फीस के लिए न रोका जाए। अभिभावक विद्यालय पहुंच अपने बच्चों का रिजल्ट व टीसी ले ले। कोरोना काल में जितना दिन स्कूल खुला है, विद्यालय उतने दिन का ही फीस लेगी। आदेश के बाद भी अगर विद्यालय द्वारा इसका अनुपालन नहीं होता है तो, स्कूल पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

पेयजल संबंधी कार्य को लेकर ज्ञापन सौंपा

हल्द्वानी। तल्ली हल्द्वानी में विश्व बैंक की पेयजल योजना को लेकर पार्षद मनोज जोशी ने पेयजल निर्माण निगम के अधिशाषी अभियंता हिमांशु वर्मा से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। पार्षद मनोज ने कहा कि तल्ली हल्द्वानी में पेयजल संबंधी कार्य किया जाना है, इसके तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू होते ही रोक दिया है । विभागों के आपसी तालमेल ना होने के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ईई को सौंपे ज्ञापन में पेयजल के कार्य को जल्द शुरू करने की मांग उठाई है। पार्षद ने पेयजल योजना के तहत पुरानी लाइनों का इस्तेमाल न करने के साथ गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने की मांग की। इस दौरान गौरव सनवाल, कृष्ण जोशी, नितिन नेगी, प्रकाश चन्द्र आदि थे।

जीवन के अधिकार की रक्षा में असफल रही सरकार: दीपक

भास्कर समाचार सेवा

हल्द्वानी। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सरकार भारतीय नागरिकों के जीवन रक्षा के मौलिक अधिकार की रक्षा नहीं कर पा रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि सरकार अनुच्छेद 21 के प्रावधानों के तहत नागरिकों की जीवन रक्षा के तत्काल इंतज़ाम तथा अतिरिक्त बेड मय आक्सीजन व्यवस्था के अतिरिक्त वेंटिलेटर व आक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था करे। आईसीयू की व्यवस्था हो साथ ही आरटीपीसीआर टेस्ट की पर्याप्त व्यवस्था व समय से रिपोर्ट उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी होनी चाहिये।

आरोप लगाया कि इस संकट काल के दौरान प्लाज़्मा निकालने की निःशुल्क व्यवस्था की बजाय सरकार जिसका वर्तमान में रु 12000/- व रु 9000/- ले रही है। दीपक बल्यूटिया ने कोरोना से उत्पन्न हुई परिस्थिति में स्वास्थ्य मंत्रालय का कर्तव्य है कि गंभीर मरीज़ों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त बेडों की व्यवस्था के सॉंथ-सॉंथ डाक्टरों,स्टाफ़ नर्सों , आफिस व सफ़ाई कर्मीयों की नियुक्तियॉं कर बीमारी से ग्रसित लोगों के अधिकारों की रक्षा करे। दीपक बल्यूटिया ने स्वास्थ्य मंत्रालय व सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हफ़्ते भर में स्थिति पर क़ाबू नही किया गया तो जनता के अधिकारों के लिए उच्च न्यायालय में जाएँगे।

संवाद

आज ही के दिन 1980 में लंदन में स्थित ईरानी दूतावास को एसएएस कमांडो ने कुछ हमलावरों के कब्जे से आजाद कराया गया था।

संपादकीय

कहां है कांग्रेस ?

केरल, तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल के साथ ही केंद्र शासित क्षेत्र पुदुचेरी विधानसभा के ताजा चुनाव परिणाम आने के बाद सभी की जुबान से एक ही बात सुनाई दे रही है और वो यह कि कांग्रेस तो अब निपट गई। काफी हद तक ये बात ठीक भी है। बंगाल में कांग्रेस नहीं जीती कोई बात नहीं लेकिन उसके चक्कर में वाम मोर्चे का भी खाता नहीं खुला यह और परेशान करने वाली बात है। ममता के खिलाफ मोर्चा बनाने के बाद भी न कांग्रेस एक सीट जीत सकी और न ही वाममोर्चा अपने लिए एक सीट का इंतजाम कर सका। इस राज्य में कांग्रेस समेत सभी गैर भाजपा दलों को एक तरह के संदेह का लाभ भी दिया जा सकता है कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिये यह एक तरह की रणनीति थी जिसमें कांग्रेस और वाम मोर्चे को नुकसान उठाना ही था। माना कि बंगाल में ममता को बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी हो गया था लेकिन पड़ोसी राज्य असम में क्या हुआ ? इस सीमान्त राज्य में तो इस बार कांग्रेस के पक्ष में हवा भी बहने लगी थी और भाजपा को सरकार विरोधी नाराजगी का भी सामना करना पड़ रहा था फिर भी वो वापस सरकार बनाने की हैसियत में आ गई। फिर केरल में क्या हो गया? वहाँ तो इस बार कायदे में कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे की सरकार बननी चाहिए थी। पिछले कई दशकों से यही तो परंपरा बनी थी इस समुद्र तटीय दक्षिण भारतीय राज्य में कि एक बार वाम मोर्चा सरकार में तो अगली बार संयुक्त मोर्चा सरकार में। इस बार इस परंपरा का भी निर्वहन नहीं हुआ और सत्तारूढ़ वाममोर्चे की फिर सरकार में वापसी हो गई। ये तीन राज्य तो राजनीति के लिहाज से कांग्रेस के लिए दुखदाई ही साबित हुए, चौथे राज्य तमिलनाडु में जरूर द्रमुक के नेतृत्व वाला वह गठबंधन सरकार बनाने की हैसियत में आया जिसकी एक घटक कांग्रेस भी है लेकिन यहाँ भी कांग्रेस को जितनी भी सीटों पर जीत मिली है उसमें कांग्रेस से ज्यादा योगदान गठबंधन का नेतृत्व रहे दल द्रमुक को जाता है। रहा केंद्र शासित क्षेत्र पुदुचेरी तो उसे कोई पूछने वाला नहीं है फिर भी भाजपा ने 40 सदस्यीय इस राज्य से कांग्रेस का प्रभाव चुनाव से पहले ही ख़त्म कर दिया था। चुनाव से करीब एक महीने पहले बनी यह स्थिति चुनाव बाद भी वैसी ही बनी रही।

2021 के इस मिनी आम चुनाव में कांग्रेस की जो दुर्गति हुई वो किसी से भी छिपी नहीं है। इन राज्यों में कांग्रेस पहले भी सत्ता में नहीं थी लेकिन इस चुनाव के बाद कांग्रेस इन राज्यों में सत्ता से और दूर हो गई है। सवाल केवल सत्ता से दूर होने का ही नहीं है, सवाल इस बात का भी है कि अगर राज्यों में क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक प्रभुत्व का यह सिलसिला इसी तरह बना रहा तो आने वाले समय में कांग्रेस के लिए बंगाल की तरह देश के किसी भी राज्य में जहां क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व है अपने लिए विधान सभा की एक भी सीट निकालना बहुत मुश्किल का काम हो जाएगा। देश की सबसे पुरानी और किसी समय केंद्र से लेकर सभी राज्यों में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस जैसी पार्टी के लिए यह एक शर्मनाक स्थिति होगी। इस बीच इस चुनाव के इस तरह के आंकड़े भी कम दिलचस्प नहीं लगते जिनके मुताबिक़ असम से लेकर तमिलनाडु, केरल, बंगाल और पुदुचेरी तक जितने राज्यों में भी पिछले दिनों विधान सभा के चुनाव हुए वहाँ विधानसभा की कुल 824 सीटों में से कांग्रेस ने सर्वाधिक 262 सीट पर विजय हासिल की है जबकि पूरे देश में चुनावी अश्वमेघ दौड़ाने वाली केंद्र और देश के सर्वाधिक राज्यों में सत्तासीन भाजपा ने इस चुनाव में कांग्रेस से भी कम 239 सीट जीती हैं। ममता को भी कांग्रेस से कम 214 विधान सभा सीट जीत कर ही संतोष करना पड़ा है और वाम दलों को सिर्फ 93 सीटों पर ही जीत मिल सकी, फिर भी यह हमारे लोकतंत्र की ही एक खूबी है कि कांग्रेस कहीं भी सत्ता में नहीं आ सकी और उससे कम सीट पाने वाली ममता की तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और वाममोर्चा क्रमशः बंगाल, असम और केरल में दुबारा सत्तासीन हुई हैं। बहरहाल सच बात तो यह है कि कांग्रेस आज काफी पिछड़ गई है और अपने इस पिछड़ेपन के लिए वो खुद जिम्मेदार है। बंगाल का चुनाव एक अपवाद हो सकता है लेकिन असम में कांग्रेस भाजपा को शिकस्त इसलिए नहीं दे सकी क्योंकि वहाँ पूर्व केन्द्रीय मंत्री संतोष मोहन देव और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की बेटी सुष्मिता देव और गौरव गोगोई आपस में ही एक दूसरे को निपटाने में लगे हुए थे। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने हालांकि चुनाव से कुछ माह पहले ही छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों की एक टीम को चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी लेकिन यह जिम्मेदारी अधूरी थी।

इस टीम के पास कोई अधिकार नहीं थे और न ही उम्मीदवारों का चयन ही इस टीम की सहमति से किया गया था। पार्टी के सभी उम्मीदवार भी सुष्मिता बनाम गौरव खेमों द्वारा ही तय किये गए थे। और इन खेमों के नेता छत्तीसगढ़ टीम की कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं थे ऐसे में तमाम उम्मीदों के बावजूद नतीजे तो ऐसे ही आने थे। हाँ अगर किसी बाहरी प्रदेश की टीम को पूरी आजादी के साथ एक साल पहले ही यह जिम्मेदारी सौंप दी गई होती हो असम के परिणाम भी वैसे ही होते जैसे कुछ साल पहले पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में देखने को मिले थे। इसी तरह केरल में कांग्रेस ने यह समझते हुए खुद को धोखा दिया कि इस बार तो एलडीएफ़ का हारना तय ही है इसलिए उसने कोई मेहनत नहीं की चुनाव से कुछ माह पहले ही पार्टी के एक राष्ट्रीय नेता पीसी चाको का पार्टी छोड़ना और क्षेत्रीय नेतृत्व को महत्व न देना भी इस बार कांग्रेस के खिलाफ गया तमिलनाडु में कांग्रेस एक पिछलग्गू पार्टी की तरह द्रमुक के साथ लगी रही जिसका उसे लाभ भी मिला। पुदुचेरी में भी कांग्रेस को कोरे आत्मविश्वास और स्थानीय पार्टी नेताओं के थोथे दंभ के चलते नुकसान उठाना पड़ा है। प्रसंगवश जो लोग यह मान कर चलते हैं कि अब कांग्रेस ख़त्म हो गई है, उन्हें इस तथ्य पर भी गौर करना चाहिए कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद देश के जितने भी राज्यों में विधान सभा के चुनाव हुए हैं उनमें कई राज्यों में न केवल कांग्रेस की सरकारें बनी हैं बल्कि गुजरात जैसे भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस ने पहले के मुकाबले अपनी स्थिति बहुत मजबूत भी की है। एक दिक्कत कांग्रेस के साथ यह भी है कि इस पार्टी के सभी नेता आज भी इसी गुमान में रहते हैं कि वो सत्तारूढ़ पार्टी के नेता हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी जैसा कोई भी नेता आज कांग्रेस में नहीं है जो सत्ता के नशे को एकदम झटक दे और विपक्ष के यथार्थ को समझ कर काम करे। इंदिरा गाँधी ने इसी गुण के चलते 1977 की करारी और शर्मनाक हार के बाद 1980 में जोरदार वापसी कर ली थी। पार्टी के नेता आज भी इतनी ठसक से रहते कि आम आदमी तो छोड़ो पार्टी के छोटे नेताओं तक से मिलना उनको गवारा नहीं है। इन हालात में कांग्रेस के साथ वही होना था जो इस चुनाव में हुआ है, लेकिन अगर पार्टी के नेता समय से चेत गए तो स्थिति बेहतर भी हो सकती है।

gpjournalist@gmail.com

क्या राजनीतिक बदलाव के संकेत हैं बंगाल चुनाव परिणाम?

दीदी का गढ़ कहे जाने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के परिणाम पूरे देश को आश्चर्य चकित करने वाले साबित हुए।

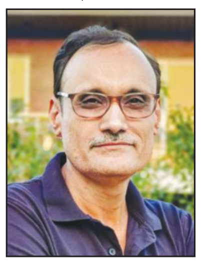

के. पी. मलिक

जिस तरह ममता दीदी अपने सुशासन की वजह से अकेले दम पर पिछले दस सालों से चली आ रही अपनी सत्ता को पुनः स्थापित करने में कामयाब रही हैं। भले ही ममता बनर्जी व्यक्तिगत रूप से नंदीग्राम से हार हुई हो, इसके बावजूद वो पूरे बंगाल वासियों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं। निस्संदेह कुछ लोगों के ममता दीदी के नेतृत्व की तुलना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से करने में कतई हिस्सकिचाहट महसूस नहीं कर रहे। इस चुनाव के ममता दीदी पर देश की सत्ताधारी पार्टी के सैकड़ों मंत्री और हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पद की गरिमा को नजरंदाज करते हुए, उन पर कई राजनीतिक और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके बावजूद ममता ने पश्चिम बंगाल के लोगो की स्थानीय समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक मुद्दों और पश्चिम बंगाल की बेटी बनकर चुनाव लड़ा जिसकी बदौलत चुनाव ही नहीं बल्कि वहां के लोगों का दिल भी जीतने में सफल रही।

सामाजिक विचारक खेताराम बांता बताते हैं कि ममता दीदी के चुनाव जीतने एक वजह यह भी रही हैं कि उन्होंने देश की सबसे पूरानी एवं बड़ी पार्टी (आज के समय में कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी कहना कहां तक उचित होगा?) कांग्रेस से किनारा करते हुए चुनाव लड़ा जो उनके लिए सार्थक साबित हुआ। यदि वो कांग्रेस के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ती तो बिहार में तेजस्वी यादव की तरह उन्हें विपक्ष में बैठने को मजबूर होना पड़ता। इसके अलावा ममता दीदी द्वारा लोगों को रिझाने के लिए कई भावनात्मक मुद्दों का जाल बिछाया गया। वह एक चुनावी सभा के दौरान गिरने के बावजूद उनके द्वारा व्हील चेयर पर बैठकर पूरे पश्चिमी बंगाल में चुनाव प्रचार-प्रसार करना भी लोगों के मन को भाया, जिसका भरपूर लाभ चुनाव के दौरान वह उठाने में सफल रही। सामाजिक विचारक और राजनीति विश्लेषक आईंदानराम चौधरी बताते हैं कि भाजपा और प्रधानमंत्री ने बंगाल चुनाव जीतने के लिए पूरी केन्द्रीय मशीनरी का भरपूर इस्तेमाल करते हुए और देश की जनता को इस कोरोनाकाल में महामारी के हवाले कर देने के बावजूद यह चुनाव लड़ा इसके बाद भी देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। यह भाजपा के लिए आत्ममंथन का समय है। जिस प्रकार भाजपा और देश के वजीरेआजम अब पूरे देश में धर्म, संप्रदाय, जाति, मंदिर, मस्जिद और देश के हिंदु धर्म खतरे में इत्यादि मुद्दों पर चुनाव लड़ना और जीतने का खेल चलता आ रहा है, यह गांधी, नेहरू और अंबेडकर के देश में ऐसा एक निंदनीय विषय हैं। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा अपनी दाढ़ी को बहुत ही साज सज्जा के बढ़ाया गया। जिससे की बंगाल के लोग उनकी तुलना महान उपन्यासकार, नाटककार और राष्ट्रगान लिखने वाले दार्शनिक रवींद्रनाथ टैगोर से कर सकें।

इस सबके बावजूद पश्चिम बंगाल की जनता जनार्दन द्वारा जिस तरह इन मुद्दों को नजरंदाज करते हुए अपने स्थानीय स्तर के मुद्दों को तवज्जो देकर वोट के माध्यम से चोट करके भाजपा को नकारा है। इससे पार्टी को संभलने और इस विभाजनकारी राजनीति से ऊपर उठकर जनहितैषी मुद्दों पर चुनाव लड़ने की आवश्यकता है। भाजपा ने यह बंगाल चुनाव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे और उनकी

दीदी / हैट्रिक

कार्यशैली पर लड़ा था इसके बावजूद उन्हें वहां हार का मुंह देखने की कई वज़ह मानी जा रही हैं। जिनमें से कुछ का मैं यहां ज़िक्र कर रहा हूं मोदी सरकार की सबसे बड़ी नाकामी कोविड़-19 महामारी के बढ़ते मामलों को रोकने में नाकाम रहने और अस्पतालों में आक्सीजन, दवाओं और बेंडस इत्यादि के इंतजाम को लेकर कोई भी व्यवस्था नहीं होने के सुदृढ़ न होने के कारण पश्चिम बंगाल की जनता ने वोट के माध्यम से उसका जवाब दिया। इसके अलावा भाजपा का पश्चिम बंगाल में इस तरह हार का सबसे बड़ा कारण मोदी सरकार द्वारा लाये गए तीन काले कानून लाना और उसके बाद बिलों की वापसी की किसानों की मांगों का नज़रअंदाज़ करना भाजपा के लिए नुकसानदायक सिद्ध हुआ। गौरतलब है कि हमारे देश का अन्नदाता किसान पिछले छह माह से देश की राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने और एमएसपी को कानूनी अमलीजामा पहनाने के लिए शान्तिपूर्ण आन्दोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन को कुचलने और बदनाम करने के लिए कुछ लोगों द्वारा कई कोशिशें की गईं। जिसमें इन किसानों को खलिस्तानी, आतंकवादी और 26 जनवरी 2021 को इनके द्वारा प्रायोजित रणनीति बनाकर देश के लाल किले की प्राचीर पर तिरंगे का अपमान किया गया था। कुछ लोगों की ऐसी करतूत के बावजूद यह किसान आंदोलन शान्तिपूर्ण तरीके से आज भी जारी है। इस बात पर हैरानी अवश्य होती है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री द्वारा लोकतंत्र के मंदिर यानि संसद में देश का पेट भरने वाले इन अन्नदाताओ को टुकड़ों पर पलने आंदोलनजीवी बताया था। इतने बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री को देश के इतने बड़े वर्ग पर इस प्रकार की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। इन्ही सब बातों से खफ़ा किसान संगठनों के नेताओं द्वारा पश्चिम बंगाल के लोगों से केंद्र में सत्ताधारी दल के खिलाफ वोट करने की अपील की गई थी। जाहिर है कि किसान नेताओं के इस अनुरोध पर पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा के खिलाफ वोट किया यह माना जा रहा है। इन चुनाव के नतीजों पर अखिल भारतीय किसान संगठन के प्रवक्ता राकेश टिकैत का कहना हैं कि यह सिर्फ ट्रायल था असली फिल्म तो यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेंगी। इस किसान विरोधी नीतियों के चलते भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए अगले लोकसभा चुनाव के लिए खतरे की घंटी और सिंहासन से उतरने का समय नजदीक आता दिखाई दे रहा है। पश्चिम बंगाल के अलावा हमारे देश के सबसे शिक्षित, सर्वाधिक लिंगानुपात और सबसे विकसित राज्य केरल में भाजपा के एजेंडे से ऊपर उठकर वहां की जनता ने भाजपा के खाते में एक भी सीट नहीं दी। मेट्रोमैन श्रीधरन जैसे गंभीर छवि के व्यक्ति का चुनाव हारना यह बताता है कि वहाँ पर भाजपा की राह आसान नहीं बल्कि बहुत कठिन है।

इससे यह साफ जाहिर होता है कि देश का शिक्षित और समझदार वर्ग इस धर्म, संप्रदाय, जाति, मंदिर, मस्जिद और विभाजनकारी राजनीति से ऊब चुका है। यह वर्ग अब शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने वाले राजनीतिक दलों के पक्ष में अपना समर्थन करने को आतुर हैं। इन राज्यों के परिणामों से तो यही स्पष्ट होता है।

बहरहाल भाजपा को समझना होगा कि अगर उसे केंद्र के साथ-साथ अन्य राज्यों विशेषकर उत्तर प्रदेश में सत्ता बरकरार रखनी है। तो गरीबों, मज़दूरों और मध्यम वर्गीय किसान परिवारों की सामान्य जरूरतों पर ध्यान देना ही होगा। अन्यथा आगामी विधानसभा चुनाव में भी बंगाल जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। भाजपा को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि देश में ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता बढ़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समकक्ष कैसे पहुंच रही है? इस सवाल का जवाब आसानी से मिल सकता है अगर आप जमीनी स्तर पर दिल्ली, बंगाल और उत्तर प्रदेश की गरीब जनता के बीच जाकर जानने और समझने की कोशिश करेंगे। हालांकि इस बात से पार्टी के अधिकतर लोग वाकिफ़ है परंतु जानना और समझना ही नही चाहते, क्योंकि सत्ता के नशे में मदमस्त बैठे है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के कई गांवों में जबरदस्ती बिजली के तेज चलते मीटरों के भारी भरकम बिल, राशन की कीमतों में भारी भरकम वृद्धि होना, रसोई गैस की बढ़ती कीमतें और ऊपर से सब्सिडी हटने का बोझ इस बार जनता कही आपकी पीठ पर ही न डाल दे? कोरोनाकाल में सरकारी तंत्र को सबसे ज्यादा कोरोना ग्रस्त होना, ये सारा देश समझ चुका है। सब जानते है ये आकस्मिक आपदा है। मगर दवाइयों और ऑक्सीजन के लिए भी इतने बुरे हालात होंगे। ऐसा किसी ने कभी नही सोचा था। क्योंकि ऐसे हालात में कैसे कार्यकुशलता के करिश्माई व्यक्तित्व को देखकर ही तो जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को चुना था। जाहिर है कि दिल्ली और बंगाल भाजपा के हाथों से इन्हीं सब कारणों को नजरअंदाज करने की वजह से निक गया? मेरे विचार से अगर पार्टी अभी भी नही सम्भली तो खेला यूपी में भी हो सकता है। निसन्देह भाजपा अगर देश को विकास की राह पर ले जाने सक्षम है तो शीर्ष नेतृत्व को देखना होगा कि आपकी रफ़्तार तेज़ तो नहीं जिसकी वजह से देश की जनता उसके साथ उस विकास की राह पर नही दौड़ पा रही है? अगर हाँ, तो इसके लिए आपको जनता को आर्थिक और शारीरिक रूप से सक्षम और सबल बनाना होगा।

(लेखक 'दैनिक भास्कर' के राजनैतिक संपादक हैं)

कोरोनाकाल में शांत रहकर अपने हृदय से जुड़ें

पिछला साल हम सभी के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां लेकर आया। कोविड-19 वैश्विक महामारी ने बहुत कुछ बदल दिया है। हमारे सामान्य जीवन में कड़े प्रतिबंध लग गए हैं, परिवार और दोस्तों से भौतिक संपर्क खत्म हो गया है और काम करने के हालात बहुत कठिन हो गए हैं। अनेकों लोगों के लिए यह सेहत, प्रियजनों की मौत, आजीविका, आर्थिक और भावात्मक सुरक्षा की दृष्टि से बेहद नुकसान भरा रहा है और ऐसी गतिविधियां, जिनसे एक संतुलित और सुखद अस्तित्व प्राप्त होता है, कुछ को तो इसने आइसोलेशन, एकाकीपन और खौफ की तरफ धकेला है। इतने सारे परिवर्तनों के होने पर तनाव और चिंता होना स्वाभाविक है। इन परिवर्तनों से पड़ने वाले दबाव ने तनाव, गुस्से, डिप्रेशन (अवसाद) और चिंता को सक्रिय (ट्रिगर) करके हमारा संतुलन बिगाड़ दिया है, जिसके कारण दिमागी परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं और पहले से मौजूद परेशानियां बढ़ सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार इस महामारी से पहले भी विश्व भर में 30 करोड़ लोग डिप्रेशन (अवसाद) से पीड़ित थे। ऐसी परिस्थितियों में हम क्या कर सकते हैं? कोई जादुई दवा या उपाय नहीं है, लेकिन इससे उबरने और बेहतर रेसीलियंस (तन्यता) विकसित करने के लिए हम सरल और प्रभावी तरीके खोज सकते हैं। बहुत से लोग रिलैक्सेशन तथा मैडिटेशन के तरीके सीख रहे हैं और मैडिटेशन से स्वास्थ्य को होने वाले फायदों के अनेक वैज्ञानिक सबूत भी मौजूद हैं। वास्तव में, अगर आप गुगल पर "मैडिटेशन के फायदे" को खोजेंगे, तो 16.3 करोड़ नतीजे मिलेंगे। भौतिक स्तर पर, मैडिटेशन से बेहतर नींद आती है, जलन कम होती है, प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है, और दर्द घटता है व उसके प्रति रेसीलियन्स (तन्यता) बढ़ती है। मानसिक स्तर पर, यह तंत्रिका तंत्र को शांत करता है, चिंता और मनोदशा के विकारों को कम करता है, परानुभूति को बढ़ाता है, याददाश्त को बेहतर बनाता है, फोकस व क्लैरिटी को बेहतर बनाता है, आंतरिक शांति उत्पन्न करता है, जीवन को एक संतुलित आयाम प्रदान करता है और प्रसन्नता को बढ़ाता है। जहां तक आध्यात्मिक स्तर के फायदों का सवाल है, वो बहुत सारे हैं। बेहतर होता है कि कुछ चीजों को अपने व्यक्तिगत अनुभवों पर छोड़ दिया जाए। हार्टफुलनैस प्रस्तुत करता है एक सरल, प्रभावी और ईजी-टू-लर्न मैडिटेशन और अन्य तकनीकें, जो इस मुश्किल दौर से निकलने में लोगों की मदद कर रही हैं। देखिए हार्टफुलनैस पद्धति के अभ्यासियों का क्या कहना है- "कोविड के दौरान हार्टफुलनैस ने मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर से उभरने में मेरी मदद की और मुझे मजबूत बनाया। जीवन के प्रति मेरा नजरिया अब बदल गया है- अब यह 'यहां और अभी' हो गया है।"

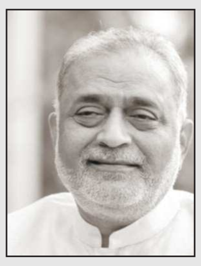

कमलेश डी. पटेल (दाजी)

"अपने डर और चिंताओं से उबरने में मैडिटेशन ने मेरी मदद की। इससे मुझे शांति का एहसास होता है।"

चार सरल अभ्यास

यहां पर चार हार्टफुलनैस अभ्यास दिये जा रहे हैं, जिन्हें यदि रोज रूचि और जोश के साथ किया जाए तो यह मानसिक स्वास्थ्य को सहयोग प्रदान करते हैं।

1 – रिलैक्स- हार्टफुलनैस रिलैक्सेशन एक सरल तकनीक है। करने में कुछ ही मिनट लगते हैं और इन्हें कहीं भी किया जा सकता है। यह घबराहट, तनाव या डर के समय पर विशेष तौर से मदद करते हैं। जब कभी आप घबराहट या तनाव महसूस करें तो आप नाड़ी श्वसन का उपयोग कर सकते हैं। अपनी दायीं नासिका को अपने अंगूठे से बंद करें और अपनी बांई नासिका से 10 गहरी सांसें अंदर भरें और बाहर की तरफ छोड़ें। यह आपके परानुकंपी तंत्रिका तंत्र को सक्रिय कर देता है, जो आपको शांत कर देता है।

2- मैडिटेशन- मैडिटेशन मन को नियमित करता है, जिससे वह एक चीज पर धीरे से और प्राकृतिक ढंग से केंद्रित होना सीखता है। इस हृदय-आधारित मैडिटेशन पद्धति में हम अपने हृदय की गहराई में उतर कर अपनी भावनाओं, रचनात्मकता, दिव्यता, सहृदयता और प्रेम को खोजते हैं, और तरो-ताजा होकर, तंदुरूस्ती की भावना के साथ उभरते हैं।

3- रिज्युविनेट अर्थात अपने हृदय और मन को साफ करना- आपके शरीर की तरह ही आपके मन और हृदय को भी साफ करने की जरूरत होती है। इस अनूठे अभ्यास द्वारा आप अपने हृदय और मन से छापों को साफ करके मिटाना सीखते हैं, चिंताओं और निराशा से दूर हो जाते हैं और आंतरिक शांति, शुद्धता और हल्केपन को हासिल करते हैं।

4 - अपने उच्चतर स्व से संपर्क साधना- पूर्णता और संतुष्टि को महसूस करने के लिए हम प्रार्थना के समय-सम्मानित अभ्यास के द्वारा अपने उच्चतर स्व के साथ संपर्क कर सकते हैं। प्रार्थना हमें हृदय के असीमित संसार में ले जाती है, ताकि हम प्रेम, आशा, सौंदर्य और प्रसन्नता को अनुभव कर सकें।

5- प्राकृतिक चक्रों के साथ सामंजस्य में रहना- मानसिक स्वास्थ्य जहां तक संभव हो, एक प्राकृतिक जीवन शैली पर भी निर्भर करता है, जो हमारे शरीर क्रियाविज्ञान से जुड़े हुए दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और दीर्घ-कालिक चक्रों के साथ सामंजस्य में हो। यदि हम इन सभी प्राकृतिक लय चक्रों के विरूद्ध जाते हैं तो हमारे स्वास्थ्य पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

यहां दिये जा रहे यह चार सुझाव अपना बेहतर ढंग से ध्यान रखने और प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहने में बहुत मदद करते हैं-

1. रात में एक अच्छी नींद लें- रात 10 बजे तक सोने की कोशिश करें, ताकि अपने निद्रा-काल से ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें। अपना काम समय से खत्म करके आराम करें, टीवी देखने, वीडियो गेम्स खेलने आदि से परहेज करें।

2. अर्ली बर्ड बनें- सुबह जल्दी उठें और मैडिटेशन करें। इससे पूरे दिन भर के लिए एक शांत, संतुलित आधारशिला का सृजन होता है और जब आप उस आंतरिक दशा को पूरे दिन भर कायम रखना सीख जाते हैं तो आप हर उस परिस्थिति का सामना कर सकते हैं, जिससे आपका सामना होता है।

3. प्रेम से बोलें- आप शिष्टता से, सहृदयतापूर्वक और संयम के साथ बोलने की कोशिश करें। इससे आपका जीवन बदल जाएगा। इससे आपको रिमोट कम्यूनिकेशंस के दौरान दबाव और संपर्क की कमी की भावनाओं से उभरने में भी सहायता मिलेगी।

4. प्रेम से भोजन ग्रहण करें- हममें से बहुत से लोग भोजन ग्रहण करने की उस कला को खो चुके हैं, जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहयोग करती है। इस महामारी के दौरन तो यह और भी उत्तेजित हो गई है। स्वस्थ मन और शरीर के लिए हमें भोजन करने के लिए समय निकालना पड़ेगा। जब हम चलते-चलते या टीवी देखते या कंप्यूटर स्क्रीन पर देखते हुए खाना खाते हैं तो हमारा शरीर हमारी ऊर्जा को दूसरे कार्यों की तरफ मोड़ देता है और इससे पाचन प्रभावित होता है। वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा कृतज्ञता से किसी भी गतिविधि के दौरान होने वाले फायदों का पता चलता है और कृतज्ञता की भावना के साथ खाना खाने और प्रेम का हमारे शरीरों पर बहुत ही अलग तरह से प्रभाव पड़ता है बनिस्पद लालच या जागरूकता के अभाव में खाना खाने से पड़ने वाले प्रभाव के।

तो प्रिय मित्रों, ऐन इस वक्त, हमें विषाणु के साथ रहना है और ऐसे रास्ते तलाशने हैं, जिनसे हम अपना मानसिक संतुलन वापस प्राप्त कर सके। स्वयं को रिफ्रेश (तरोताजा), रिज्युविनेट और पुनर्जीवित (रिवाइटालाईज) कर सकें, ताकि इस चुनौती भरे वक्त में भी हम काम करना जारी रख सकें और जीवन में खुशियां हासिल कर सकें।

(लेखक हार्टफुलनेस संस्थान के मार्गदर्शक हैं।)

यक्ष प्रश्न

पुलिस व प्रशासन की दबंगई

प्रणव गोस्वामी

कोरोना गाइडलाइंस के उल्लंघन के मामलों में अदालतों और प्रशासन की खुली छूट और चुप्पी के कारण पुलिस-शासन की दबंगई इन दिनों बढ़ गई है। इसी का एक जीता जागता उदाहरण है यह घटना। दरअसल, हाल ही में सम्पन्न हुए पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान हुई रैलियों में नेताओं में कोरोना गाइडलाइंस की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई गईं जिसकी ढेरों तस्वीरें और वीडियो मौजूद हैं। इसके बावजूद उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती, लेकिन दिल्ली की सड़कों में सिविल वॉलेंटियर्स मोबाइल फोन से फोटो खींचकर आम जनता को परेशान करने का काम मुस्तैदी से कर रहे हैं। कानून व्यवस्था और नियमों के पालन के नाम पर कानून के रखवालों का आम नागरिकों के प्रति अत्याचारी और क्रूर रवैया देश के गली नुक्कड़ों में आम बात है।

ताजा मामला त्रिपुरा राज्य के एक प्रशासनिक अधिकारी शैलेश कुमार यादव का है। दरअसल, त्रिपुरा के अगरतला के मानिक्या कोर्ट मैरिज हॉल में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। कोरोना संक्रमण काल में तय की गई गाइडलाइंस के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर वेस्ट त्रिपुरा के डीएम यादव वहां पहुंच गये। डीएम ने जो किया, वह शर्मसार करने वाला है। सबसे पहले उन्होंने शादी समारोह के आधिकारिक अनुमति की कॉपी फाड़ी ... और फिर मेहमानों को भेड़ बकरियों की तरह से हांकना शुरू कर दिया। चाहे मेहमान हों, पंडित हों, खाना खा रहे लोग हों या फिर दूल्हा ही क्यों ना हो, अधिकारी ने किसी को नहीं बख्शा। सबके ऊपर हाथ उठाया। आश्चर्य की बात तो यह है कि मौजूद महिलाओं और छोटे बच्चों तक के साथ अभद्रता की।

इसे भी बताने की जरूरत नहीं है कि एक पत्नी और बच्चों के लिए सबसे पहला और बड़ा हीरो उसका पति और पिता होता है। विवाह से पहले ही जयमाला के समय यदि एक पत्नी के सामने ही उसके पति को दबोच कर के कोई अहंकार के मद में घसीटते हुए ले जाये तो वह पति अपनी पत्नी के साथ पूरा जीवन कितने स्वाभिमान से बिता पाएगा, इसको भी बताने की जरूरत नहीं।

बात दरअसल, यहीं खत्म नहीं होती ... अहंकार का मद इतना आगे बढ़ गया कि विवाह के मंडप के आसपास खड़े पुलिसकर्मियों को साले जैसी गालियों से आईएएस अधिकारी शैलेश कुमार ने संबोधित किया।

अगर इन अकर्मण्य अधिकारी के पिछले कार्यकाल की जानकारी उठाई जाए, तो उन्होंने कभी भी इस प्रकार की सख्ती या कठोरता बांग्लादेशी घुसपैठ, अंतरराष्ट्रीय तस्करी, अपराधियों पर नहीं दिखाई है। इससे पहले की बात करें तो उनका एक भी वीडियो ऐसा नहीं है, जिसमें उन्होंने किसी अपराधी, देशद्रोही, आतंकी के विरुद्ध इस प्रकार का कठोर स्वरूप दिखाया हो। सवाल यह बनता है कि क्या आईएएस महोदय के लिए दुनिया के सबसे बड़े अपराधी, आतंकी, देशद्रोही, विघटनकारी उस शादी में मौजूद दूल्हा, दुल्हन, पंडित पुजारी या बाराती ही थे।

इसमें कोई दो राय नहीं कि लॉकडाउन के नियमों की अनदेखी करना सरासर गलत है, और उस पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। कार्रवाई के लिए विभिन्न धाराओं में आईपीसी के ऐक्ट बने हुए हैं जिसका पालन न करने वाले उस दंड के भागी बन भी रहे हैं, लेकिन सार्वजनिक तौर पर किसी को थप्पड़ मारना या अपशब्दों का प्रयोग भी गैरकानूनी है।

हो सकता है सरकारी अधिकारियों के लिए कोई मॉडल कोड ऑफ कांडक्ट हो, या न भी हो, पर उनके पास विवेक तो होना ही चाहिए। सार्वजनिक व्यवहार का अलिखित कोड भी बताता है कि सिंघम बनने के शौक अपराधियों के लिए रिजर्व रखे जाएँ और उचित समय पर ही पूरे किए जाएँ। ऐसे शौक निरीह जनता पर आजमाने से आम लोगों में अधिकारी वर्ग के प्रति गलत धारणा पैदा होती है और अच्छा काम करने वाले अधिकारी भी अपना सम्मान खो देते हैं।

डीएम के इस असभ्य व्यवहार को लेकर सभ्य समाज के जागरूक लोगों की आलोचना और सोशल मीडिया पर कार्रवाई की माँग के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए शैलेश कुमार को निलम्बित कर दिया और जाँच कमिटी बैठा दी। यह अपराध है या कुर्सी का अहंकार, या पावर का अहंकार, या दूसरों को गालियां देकर खुश होने का अहंकार, या दूसरों को मारपीट करने के बाद शर्मिंदगी न महसूस करने वाला अहंकार, या फिर बिगड़ैल बोलवचन का अहंकार, लोगों को दुख देकर खुश होने का अहंकार और दूसरों को अपमानित करके सीना तान कर चलने का आत्मघाती अहंकार। बड़ा सवाल यह है कि क्या इस जाँच कमिटी की रिपोर्ट अधिकारी को उनके द्वारा किए अपराध की सजा देगी और क्या एक आदर्श नजीर शैलेश जैसे घमंडी और अत्याचारी अधिकारियों के आगे प्रस्तुत होगी।

इस पूरे प्रकरण को लेकर एक शेर याद आता है ...
गरीब लहरों पे पहरे बैठाए जाते हैं,
समंदरों की तलाशी कोई नहीं लेता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नीति ज्ञान

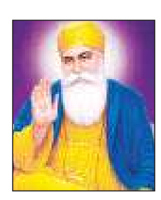

जिसे खुद पर विश्वास नहीं,
वह कभी भगवान पर विश्वास
नहीं कर सकता है।
- गुरु नानक देव जी

सारसुर्खियां

धार्मिक स्थल के सामने से कूड़ा हटाने की मांग

किच्छा। पालिका सभासद पति द्वारा धार्मिक स्थल के सामने पड़ने वाले कूड़े की षिकायत पर पालिका अधिशासी अधिकारी एवं अध्यक्ष को सम्बोधित लिखित शिकायत सौंपते हुए कार्रवाही की मांग की गयी है। पालिका सभासद ने कहा कि पालिका कर्मचारियो द्वारा नगर पालिका के वार्ड 13 स्थित चूड़ी शाह बाबा मस्जिद के सामने कूड़ा डाला जाता है। जिससे नमाजियों एवं वार्ड के अन्य लोगों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कूड़े डालने के लिए के पूर्व में बनाये गये स्थान को सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन देने वालो में जुनैद मलिक, दानिष मलिक, इंतजार अहमद आदि उपस्थित थे।

महिला का शव मिला

किच्छा। कोतवाली क्षेत्रान्त्रगत भिक्षुक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। जानकारी पर पहुॅची पुलिस ने शव के शिनाख्त करने का प्रयास किया परन्तु शिनाख्त नहीं हो पाई। देर शाम रोडवेज परिसर में भिक्षुक महिला का शव मिलने की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुॅचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कर्मचारियो के साथ महिला के शव को केन्द्र ले जाया गया। जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीएम ने निर्देश दिये

अल्मोडा। कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम व संक्रमित होने वाले मरीजों को बेहतर उपचार मिले इसके लिये जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग निरन्तर प्रयासरत है इसके मध्यनजर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आज बेस स्थित कोविड केयर चिकित्सालय पहुॅचकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बेहतर प्रबन्धन के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

ऑक्सीजन प्लांट में तकनीकी खराबी आने से बढ़ी परेशानी

- प्रशासन की सूझबूझ से चंद घंटों में ही प्लांट शुरू हुआ

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। ऑक्सीजन प्लांट में तकनीकी दिक्कत की वजह से क्षेत्र में कुछ घण्टों के लिए ऑक्सीजन की किल्लत उठ खड़ी हुई। वहीं प्रशासन की सजगता की वजह से चंद घंटों में ही दिक्कत को दूर कर पुनः ऑक्सीजन की सप्लाई सुचारू कर दी गई ।

दरअसल काशीपुर के बाजपुर रोड स्थित हरी गैसेज और मुरादाबाद रोड स्थित हरियावाला चौक के समीप लिक्विड गैसेज नामक दो ऑक्सीजन प्लांट संचालित हैं। कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप के चलते ऑक्सीजन की किल्लत के चलते इन दोनों ही प्लांटों से काशीपुर सहित आसपास के लोग भी ऑक्सीजन सिलेंडरों के जरिये ऑक्सीजन अपने मरीजों को जिंदगी उपलब्ध करवा रहे हैं। मंगलवार सुबह अचानक बाजपुर रोड स्थित हरी गैसेज प्लांट में तकनीकी दिक्कत आ गयी, जिससे हरियावाला स्थित ऑक्सीजन प्लांट में लोड एकाएक बढ़ गया।

इस दौरान क्षेत्र के निजी अस्पतालों के माथे पर चिंता की लकीरें पड़ गयीं। ज़िले के सहायक ऑक्सीजन नॉडल इंचार्ज के तौर पर नियुक्त ज़िले के सहायक श्रमायुक्त प्रशांत कुमार ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि बाजपुर रोड स्थित ऑक्सीजन प्लांट में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से कुछ समय के लिए ऑक्सीजन सप्लाई बाधित हुई थी, जिसे कुछ घंटों की कड़ी मेहनत मशक्कत के बाद दिक्कत को दूर कर लिया गया है और सप्लाई सुचारू कर दी गयी है।

कोरोना पीड़ितों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराएगी पुलिस

नानकमत्ता। नानकमत्ता क्षेत्र के जरूरतमंद एव ऑक्सीजन खरीदने में असमर्थ कोरोना पीड़तिों के लिए थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट ने वीडियो जारी कर नानकमत्ता थाने की तरफ से पांच ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराये जाने की बात कही है।

उन्होंने वीडियो जारी करके कहा कि जो नानकमत्ता क्षेत्र के गरीब लाचार मजबूर लोग है ओर करोना महामारी से जूझ रहे है और जिनका ऑक्सीजन लेवल कम हो चुका है जिन्हे ऑक्सीजन की जरूरत है वो थाने के सरकारी नंबर 9411112911 पर संपर्क कर सकते है। उन्हे थाने की तरफ से ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करा दिया जाएगा। थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट और उनकी पुलिस टीम लगातार इस महामारी के बीच क्षेत्र के लोगो की साहयता के लिए लगी है। हाल ही में पुलिस ने करोना से मृत युवक का अंतिम संस्कार सरकार की जारी गाइड लाइन के तहत डेम नानकमत्ता के पास स्थित श्मशान घाट में कराया था।

हल्द्वानी में पुलिस अधिकारियों ने किया बाजार का निरीक्षण

भास्कर समाचार सेवा

- सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की हिदायत

हल्द्वानी। किसी व्यक्ति के द्वारा जनता कर्फ्यू का पालन व अस्पतालों में सोशल डिस्टेसिंग का पालन नही किया जाता है तो उनके विरूद्व दण्डत्मक कार्यवाही की जायेगी।

मंगलवार को डॉ जगदीश चन्द्र एसपी सिटी हल्द्वानी, शान्तनु पाराशर सीओ सिटी हल्द्वानी के द्वारा बेस अस्पताल हल्द्वानी, वैक्सीनेशन सेन्टर, हल्द्वानी, सब्जी मण्डी हल्द्वानी, तथा मेन बाजार हल्द्वानी का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान सब्जी मण्डी व मेन बाजार तथा बेस अस्पताल हल्द्वानी में कोरोना महामारी के सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों द्वारा सोशल

डिस्टेंसिग व जनता कर्फ्यू का पालन ना करने वालों के विरूद्व तत्काल उचित कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही हिदायत दी गयी है कि यदि किसी व्यक्ति के द्वारा जनता कर्फ्यू का पालन व अस्पतालों में सोशल डिस्टेसिंग का पालन नही किया जाता है तो उनके विरूद्व दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

बेरीनाग में कोविड कर्फ्यू पर प्रशासन सख्त

बाजार में बेवजह घूम रहे लोगों को लगाई फटकार, घर में रहने की हिदायत दी

भास्कर समाचार सेवा

बेरीनाग। कोरोना कर्फ्यू के पहले दिन प्रशासन ने सख्त रूख अपना लिया है कोरोना कर्फ्यू का पालन नही करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंगलवार को सुबह से एसडीएम अभय प्रताप सिंह पैदल ही जहां नगर क्षेत्र के भ्रमण पर निकले। जहां पर कई स्थानों पर लोग बिना कार्य के बाजारों में घुमते हुए मिले जिन्हें जमकर फटकार लगाने के साथ घरों को भेजा और नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। वही विभिन्न बैंकों का निरीक्षण बैकों में कोविड-19 के नियमों का पालन करने का निर्देश बैक के प्रबंधकों को दिये।

वही रोडवेज की बसों का भी निरीक्षण किया। बसों में सामाजिक दूरी और मास्क का प्रयोग करने की अपील यात्रियों से की।थानाध्यक्ष सुशील जोशी के नेतृत्व में पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर बैरियर लगाकर वाहनों से जानकारी ली और बिना मास्क और सामाजिक दूरी का पालन नही करने पर चालान भी किया।दोपहर 12 बजे तक बाजार में कुछ टैक्सी और प्राइवेट वाहन चलते हुए दिखाई दिये। दोपहर 12 के बाद पूरे क्षेत्र में कोरोना कर्फ्यू का असर देखने को मिला।

कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए एसडीएम।

बैंकट हॉल और होटलों में की छापामारीः बेरीनाग। प्रशासन को बरातों में नियमो का पालन कराने के लिए एसडीएम अभय प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष सुशील जोशी और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी प्रवीण सक्सेना के नगर में स्थित विभिन्न बारात घरों और जिन होटलों में बारात का आयोजन हो रहा था और जिन घरों में बारात आयोजन हो रहा था वहा पर औचक निरीक्षण किया और नियमों के तहत और निर्धारित संख्या से अधिक होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। और लोगों बारातों में डीजे और छलिया नृत्य नही करने की अपील भी की।

कोविड कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण

बेरीनाग।तहसील में बने कोविड 19 के कंट्रोल रूम का एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तैनात कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की और कंट्रोल रूम में आने वाली सूचनाओं को संबधित अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश दिए। और लोगों से अपील की कोविड 19 के संदर्भ में कोई भी जानकारी कंट्रोल रूम के नंबर 05964244760 में देने की अपील की।

कोरोना से वृद्ध की मौत, पांच कोरोना पॉजिटिव

बेरीनाग। नगर क्षेत्र में रहने वाले एक 85 वर्षीय वृद्ध तीन दिन पहले कोरोना पॉजिटिव आये थे। जिनकी हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था। सोमवार देर शाम उपचार के दौरान मौत हो गयी। वही वृद्ध के घर उनके सम्पर्क आये 2 लोग कोरोना पॉजिटिव है। वही मंगलवार को सात लोग कोरोना पॉजिटिव आये हैं। जिन्हें होम आईसोलेट किया गया है। इनके सम्पर्क में आये हुए अन्य लोगों का भी सैम्पल लिया जा रहा है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. सिद्धार्थ पाटनी ने बताया बडेत बाफिला थर्फ आदि ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर 250 लोगों की सैम्पलिंग की गयी है वही चौकोडी और सेराघाट में लगातार सैम्पलिंग की जा रही है।

रीठा गांव में 4 कोरोना पॉजिटिव

बेरीनाग। ग्राम पंचायत रीठा में पिछले दिनों 4 लोग कोरोना पॉजिटिव आने के बाद गांव में लोगों में हडकंप मचा हुआ है ग्राम प्रधान नीशा धारियाल ने एसडीएम को ज्ञापन भेजकर गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का कोरोना सैम्पल लेने की मांग की है जिससे गांव में संक्रमण फैलने से रूके। इधर एसडीएम अभय प्रताप सिंह बताया गांव में सैम्पलिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग को आदेशित कर दिया है। शीघ्र गांव में सैम्पलिंग शुरू की जायेगी।

युवक और महिला मंगल दलों चलायेंगे अभियान

बेरीनाग। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए गांवों में स्थित युवक और महिला मंगल दल विशेष जागरूक अभियान चलायेगे। यह जानकारी देते हुए क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दीपक मेहता ने बताया की गांव में बाहर से लौट रहे प्रवासियों को क्वारटाइन करने के लिए जागरूक करने के साथ गावों में लोगों को मास्क पहने और सामाजिक दूरी का पालन करने की अपील करने के साथ कोरोना के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जायेगा। युवक और महिला मंगल दलों से कोरोना महामारी के सरकार और स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करते हुए कोविड 19 के नियमों का पालन कराने की अपील की है।

महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

काशीपुर/जसपुर। अस्पताल में इलाज कराने आई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से नाराज परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा काटा। सूचना पर विधायक एवं पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। विधायक ने परिजनों को समझाकर घर भेज दिया। महिला का पीएम नहीं कराया गया है।

सूत मिल कॉलोनी निवासी बीना (35) पत्नी मुकेश काफी दिनों से बीमार चल रही थी। बताते हैं कि वह बुखार से पीड़ति थी। परिजन उसका कहीं और इलाज करा रहे थे। मंगलवार सुबह तबीयत अधिक खराब होने पर परिजन उसे सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। ईएमओ ने महिला का उपचार शुरू किया। दोपहर को महिला हालत बिगड़ गई और उसने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।

परिजनों ने अस्पताल में उपचार कर रहे डॉक्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा काटा। विधायक ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इस दौरान कोतवाली से भी पुलिस पहुंच गई। विधायक ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया। बचिकित्सा अधीक्षक डॉ.एचके शर्मा ने बताया कि महिला की बीमारी के कारण मौत हुई है। विधायक आदेश चौहान ने बताया कि महिला बीमार चल रही थी। पहले उसका कहीं और उपचार चल रहा था।

संक्रमितों को निशुल्क भोजन पहुंचाएगा रोटी बैंकः वैभव

भास्कर समाचार सेवा

नैनीताल। जहाँ लोगों कों घर से बाहर नहीं निकलने को कहा गया है तथा अपनी सुरक्षा के लिये घर पर ही रहना और जरुरी समान के लिये बाजार जाना पड़ता है। वही अनमोल मुस्कान संस्था रोटी बैंक नैनीताल के रोटी बैंक ने कोविड-19 होम क्वॉरेंटाइन परिवार को शुद्ध सात्विक निःशुल्क भोजन इस कोरोनाकाल की महामारी में कहीं भी आवश्यकतानुसार व्यक्ति को नैनीताल के किसी भी क्षेत्र में निःशुल्क भोजन प्रदान किया जायेगा।

संस्था के वैभव आर्य ने बताया कि किसी के आस-पास कोई भी परिवार जो इस कोरोना बीमारी से ग्रसित हो एवं घर के सदस्य खाना बनाने में असमर्थ हो तो 8171445201 नंबर पर कॉल करके सूचित करें।

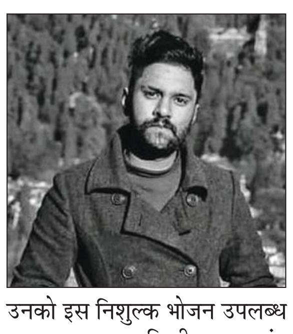

उनको इस निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। किसी जरूरतमंद मरीज के परिजन को कोई कष्ट ना हो और इनकी सेवा से मरीजो को मदद मिल सके।

जो परिवार गरीब है व कोरोना से पीड़ति है उनके लिये रोटी बैंक ने खाना बनाया गया है। जिससे किसी गरीब को खाना मिल सके, ऐसे में गरीब व्यक्ति समान नहीं ला सकता है एवं उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के किए रोटी बैंक ने यह अभियान चलाया।

मासूम बच्चियों से दुष्कर्म का प्रयास

लालकुआं/हल्द्वानी। हाथीखाना क्षेत्र में वन विभाग के डोली रेंज कार्यालय के समीप बीती रात्रि को ट्रक में दो मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है।

कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बच्चियों के पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इधर पुलिस द्वारा कराए मेडिकल परीक्षण में एक बच्ची के चेहरे पर आरोपी के नाखून के निशान मिले हैं। वहीं पुलिस ने देर रात कोतवाली पुलिस की महिला सब इंस्पेक्टर की मौजूदगी में दोनों बच्चियों का भी मेडिकल परीक्षण कराया।

वन विभाग डोली रेंज कार्यालय के समीप दो बच्चियों के साथ नशे में धुत युवक ने ट्रक में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। इस दौरान बच्चियों की चीखपुकार सुन कर मौके पहुंचे लोगों ने आरोपी को दबोच लिया।

शादियों की निगरानी के लिए नियुक्त किए सेक्टर मजिस्ट्रेट

भास्कर समाचार सेवा

नैनीताल। इन दिनों पूरे देश में शादियों का सीजन चल रहा है और कोरोना महामारी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने शादी समारोह में 25 लोगों से ज्यादा नहीं हो सकते है। उस पर निगरानी बनाए रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बढ़ते प्रकोप को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो चुका है जिसके लिए पूरे जनपद में संपूर्ण कर्फ्यु घोषित किया गया है। सरकार की द्वारा निकाली गई नई गाइडलाइन के अनुसार अब शादियों में लड़के व लड़की दोनो पक्षों से केवल 25 ही लोग मौजूद रह सकते है।

मंगलवार को एसडीएम प्रतीक जैन ने बताया कि शादियों में लोगो

की काफी उपस्थिति को लेकर काफी शिकायते आ रही है, जिसको लेकर अब शादियों में नजर रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटो की नियुक्ति कर दी गयी है। सेक्टर मजिस्ट्रेट ही पूरी शादियों मैं अपनी पैनी निगाह बनाए रखेंगे और कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर वालों पर कार्रवाई की जाएगी एसडीएम प्रतीक जैन ने कहा हर जगह पुलिस मौजूद नही रह सकती है।

गैस वितरण वाहनों का औचक निरीक्षण

भास्कर समाचार सेवा

हल्द्वानी। जिला पूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन द्वारा गैस वितरण के वाहनों का औचक निरीक्षण किया गया। रामपुर रोड की गलियों तथा गन्ना सेन्टर रामपुर रोड से बरेली रोड पर, मोटाहल्दू तक गलियों तथा मेन रोड पर कोई भी वाहन गैस वितरण करते हुए नहीं पाये गये।

गैस गोदाम रोड पर भारत गैस के वितरण वाहन के चालक पूरन चन्द्र द्वारा मास्क पूर्ण रूप से नाक तक ढका हुआ नहीं पाया गया। आगे गली में इण्डेन गैस सर्विस कर वाहन चालक गोपाल गैस वितरण करते हुए पाये गये। इनके द्वारा भी मास्क पूर्ण रूप से नाक तक ढका हुआ नही पाया गया।

बर्मन ने कमुलवागांजा रोड से होते हुए वापस लालडांठ रोड पर वापस आने पर वाहन सं. यूके04सीबी 5416 क्षितीज इण्डेन गैस सर्विस के वाहन चालक महेश पाये गये, वाहन में ना तो महेश और ना ही परिचालक द्वारा मास्क का प्रयोग किया गया था। वाहन में इलेक्ट्रॉनिक कांटा नही पाया गया तथा वाहन में वेट मशीन पायी गयी, जिसके सत्यापन का पत्र भी वाहन चालक द्वारा नही दिखाया गया। उन्होने वाहन के चालक द्वारा टीम को देखकर गाडी वापस कर दी गई, जिसे तुरन्त वापस बुलाया गया। वाहन में इलेक्टानिक काटां भी पाया गया साथ ही इण्डेन गैस सर्विस काठगोदाम एवं हल्द्वानी के गैस गोदाम के पहुॅचे तो गोदाम पर वाहन जो गैस को लेकर आया था वाहन में खाली सिलेण्डर लोड किये जा रहे थे जिसमे एक लेबर द्वारा मास्क नहीं पहना गया था।

उन्होने काठगोदाम के गोदाम में प्रारम्भिक अवशेष 14.2 किग्रा0 भरे हुए सिलेण्डर 284 थे जिसमें 306 सिलेण्डर प्राप्त हुए 16 सिलेण्डर अवशेष मिले तथा 574 सिलेण्डर वितरण हेतु क्षेत्र में दिये गये।

डीएसओ मनोज बर्मन ने गैस गोदाम का निरीक्षण किया।

ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी की सूचना पर सेल टैक्स, पुलिस व एसटीएफ ने की संयुक्त कार्यवाही

दुकान में छापा मार कर बरामद किये 49 सिलेंडर

भास्कर समाचार सेवा

किच्छा। सेल टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर, कोतवाली पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा छापा मार कार्रवाही करते हुए बरेली मार्ग स्थित अली गैस वैल्डर एवं रेडियेटर्स, एसएम गैस प्रतिष्ठान पर छापा मार कार्रवाही करते हुए दुकान स्वामी के पास से लगभग 49 सिलेन्डर बरामद किये। टीम ने सभी सिलेन्डर कब्जे में लेते हुए आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि उक्त दुकान स्वामी द्वारा आक्सीजन सिलेडरो की कालाबाजारी किये जाने का मामला प्रकाष में आया था जिसके बाद विभागीय कार्रवाही अमल में लायी गयी।

जानकारी के अनुसार देर शाम टीम ने बरेली मार्ग स्थित अली गैस वैल्डर एवं रेडियेटर्स, एसएम गैस प्रतिष्ठान पर छापा मार कार्रवाही करते हुए सेल टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर ज्ञान चन्द्रएवं एसटीएफ प्रभारी एमपी सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेन्द्र सिंह भंडारी के नेतृत्व में पहुॅची टीम ने छापा मार कार्रवाही करते हुए दुकान स्वामी जाफर अली पुत्र साबिर अली नूरी मस्जिद निवासी के पास से लगभग 49 आक्सीजन सिलेंडर बरामद किये टीम के अनुसार आरोपी के खिलाफ शिकायत मिल रही थी कि उक्त आरोपी कीमत से अधिक दामो पर अक्सीजन सिलेडर भर कर दे रहा है। जिसके बाद सूचना पर पहुॅची टीम ने आरोपी के दुकान से सिलेंडरो को बरामद करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाही प्रारम्भ कर दी। इस दौरान एसटीएफ उपनिरीक्षक केजी मठपाल, उपनिरीक्षक बीबी गुरुरानी, का. नवीन कुमार, गोविन्द सिंह, शेखर महरोत्रा, मनामोहन सिंह, कोतवाल चन्द्र मोहन, हेम चन्द्र हरडिया आदि मौजूद थे।

किच्छा में कार्यवाही करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी एसटीएम की टीम।

नैनीताल में 76 लोग कोरोना संक्रमित मिले

नैनीताल। सरोवर नगरी में कोरोना संक्रमित लोगों का आना लगातार जारी है। मंगलवार को भी शहर में 76 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। संक्रमण की पुष्टि के बाद सभी को आइसोलेट कर दिया गया है। बीडी पांडे चिकित्सालय के चिकित्सा प्रमुख डॉ केएस धामी ने बताया कि मंगलवार को 76 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिसमें 12 लोग रैपिड एंटीजन टेस्ट व 64 लोग आरटीपीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं।

मंगलवार को भी 120 लोगों की आरटीपीसीआर जांच कर सैंपल हल्द्वानी भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नगर के भीतर लगभग 400 लोग कोरोना संक्रमित हैं। जिनमें से लगभग 360 लोग होम आइसोलेट हैं। इधर शहर में कोरोना से मौतों का सिलसिला भी जारी है।

कोविड नियमों का पालन न करने पर कार्यवाही के निर्देश

भास्कर समाचार सेवा

बनबसा। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा पारित निर्देशों का पालन कराने को लेकर जिलाधिकारी विनीत तोमर, एसपी लोकेश्वर सिंह ने मंगलवार को टनकपुर-बनबसा के सीमावर्ती क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कोविड नियमों का पालन नहीं करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिले की सीमा पर स्थित जगबूढ़ा पुल पर पहुंचे डीएम और एसपी ने वहां सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त पाई। उन्होंने आवश्यक सामान की दुकानों एवं अन्य भीड़भाड़ वाली जगह पर सामाजिक दूरी का पालन कराने, मास्क का शत-प्रतिशत

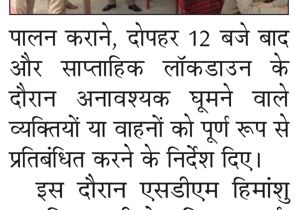

पालन कराने, दोपहर 12 बजे बाद और साप्ताहिक लॉकडाउन के दौरान अनावश्यक घूमने वाले व्यक्तियों या वाहनों को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम हिमांशु कफल्टिया, सीओ अविनाश वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टनकपुर के डॉ.उमर, डॉ.दानिश, बनबसा थानाध्यक्ष धर्मवीर सोलंकी, टनकपुर थानाध्यक्ष एसआई जसबीर सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

page-10_page 1 5/4/2021 5:23 PM Page 1

आज ही के दिन 2005 में ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता टोनी ब्लेयर ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बने थे।

सारसुर्खियां

हज कमेटी के पूर्व चैयरमेन का निधन

जसपुर। जमात ए सलमानी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व हज कमेटी के चैयरमैन हाजी अब्दुल समी सलमानी का गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल दिल्ली में इंतकाल हो गया। उनके निधन से सलमानी समाज में शोक की लहर छा गई। सलमानी समाज के लोगों ने जसपुर में एक शोक सभा आयोजित की। शोकसभा में निजामुद्दीन सलमानी, नदीम अहमद सलमानी, नईम अहमद सलमानी एडवोकेट मोहम्मद गुलफाम सलमानी, मोहम्मद राशिद सलमानी शामिल रहे।

फर्जी फेसबुक एकाउंट बना कर पैसे मांगने वाले के खिलाफ केस

भास्कर समाचार सेवा

- हरियाणा निवासी युवक ने बनाई थी आईडी

खटीमा। फर्जी फेसबुक अकाउन्ट बनाकर पैसे मांगने के मामले मे पुलिस ने हरियाणा निवासी एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भूड़ महोलिया निवासी आकाश चौधरी ने पुलिस को सौपी तहरीर मे कहा कि 21 जनवरी को 59 करनाल सदर हरियाणा निवासी प्रवेश कुमार ने चैधरी रायल इनफील्ड खटीमा के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउन्ट बनाया और आकाश चैधरी बनकर उनके रिश्तेदारो व दोस्तों से रुपयें मांगने का आरोप लगाया।

पुलिस ने मामले मे कार्रवाई करते हुए करनाल हरियाणा निवासी प्रवेश कुमार के खिलाफ धारा 66 सी व 66 डी आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की जांच कोतवाल नरेश चैहान कर रहे है।

कोविड नियमों के उल्लंघन में 83 लोगों का काटा चालान

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। पुलिस ने कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर बिना मास्क सार्वजनिक स्थानों पर घूमते व बिना कारण सड़कों पर फर्राटा भरते तथा पुलिस एक्ट में 83 लोगों का चालान कर उनसे हजारों रूपये का संयोजन शुल्क वसूला है।

पुलिस ने नगर क्षेत्र में कोविड नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में बिना मास्क घूमते 5 लोगों का कर्फ्यू के दौरान बेवजह सड़कों पर फर्राटा भर रहे 8 वाहनों का चालान तथा 4 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान कर उनसे 11 हजार 700 रूपये का संयोजन शुल्क वसूला है। पुलिस ने इस दौरान लोगों को कोविड नियमों का पाठ पढ़ाते हुए उन्हें कोविड नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत भी दी।

पीएचसी में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों लग रही वैक्सीन

बाजपुर। गांव बन्नाखेड़ा स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी फार्मासिस्ट एनबी जोशी ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दो बजे तक 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को कोविड वैक्सीन लगाई जा रही है। कोविड-19 टीकाकरण रजिस्ट्रेशन के लिये लाभार्थी को अपना आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है। केंद्र प्रभारी फार्मासिस्ट एनबी जोशी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं, खांसी, जुकाम, बुखार से ग्रस्त या अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है।

कोरोना संक्रमित की मौत:खटीमा। कोरोना संक्रमित एक वृद्ध की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक भगचुरी निवासी 62 वर्षीय राम प्रवेश बीमार चल रहा था। मंगलवार को उसकी तबियत अचानक बिगड़ने लगी जिस पर परिजन उसे नागरिक चिकित्सालय ला रहे थे इसी दौरान उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सकों द्वारा मृतक का रैपिड कोरोना जांच कराया गया जिसमे उसे कोरोना संक्रमित पाया गया। चिकित्सालय के प्रभारी कोरोना नोडल अधिकारी डा.वीपी सिंह ने बताया कि मृतक कर अंतिम संस्कार कोविड गाइड लाइन के अनुसार कराया जायेगा।

112 कोरोना संक्रमित मिले:खटीमा। विकासखंड में कोरोना संक्रमित के 112 नए मामले सामने आए है। नागरिक अस्पताल के प्रभारी कोरोना नोडल अधिकारी डा.वीपी सिंह ने बताया कि 1 मई को 313 लोगों की आरटीपीसीआर जांच भेजी गई थी। जिसमें 112 लोग कोरोना पॉजिटिव आई है।

दवाइयों की कालाबाजारी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

मेडिकल स्टोर में बिना बिल के दवाएं देने की बात कही, स्टोर संचालकों ने किया इंकार

- एसएसपी ने पुलिस टीम के लिए ईनाम की घोषणा की

भास्कर समाचार सेवा

नानकमत्ता। कोरोना काल में एक ओर जहां दवाओं की किल्लत सामने आ रही हैं वहीं दवाओं की कालाबाजारी करने वालों की भी कमी नहीं है। कोरोना महामारी के बीच क्षेत्र में हो रही दवाओं और आवश्यक मेडिकल उपकरणों की कालाबाजारी को रोकने को लेकर नानकमत्ता पुलिस ने शिकंजा कसते हुए एक कार में कालाबाजारी के लिए रखी दवाओं के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

नानकमत्ता में दवाओं की कालाबाजारी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट ने बताया कि क्षेत्र में हो रही दवाओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं परिक्षेत्र व एसएसपी जनपद उधम सिंह नगर ने प्रत्येक थानों में थाना प्रभारियों के नेतृत्व में दवाइयां, ऑक्सीजन मेडिकल उपकरणों की कालाबाजारी रोकने हेतु टीमों का गठन किया है। बताया कि नानकमत्ता पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नानकमत्ता बाजार में भारत गैस एजेंसी के सामने एक पुरानी मारुति कार रोका।

कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर पांच पेटियों में कोविड-19 बीमारी की रोकथाम के लिए उपयोग की जाने वाली जैनेरिक दवाइयां, मेडाकफ सीरप, पैंटापैन व जोयक्लेप, पैरासिटामोल, कैपमाक्स तथा अन्य कई इंजेक्शनों के साथ आरोपित ग्राम नकुलिया थाना सितारगंज निवासी रंजीत सिंह पुत्र मीता सिंह (35) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह उक्त दवाएं खिंडा मेडिकल स्टोर नकुलिया से लेकर आया था।

जो उसे नानकमत्ता के हरनीत मेडिकल व तिलकधारी मेडिकल स्टोर प्रतापपुर को बिना बिल के सप्लाई करनी थी। पुलिस ने उक्त मेडिकल संचालकों से भी पूछताछ की लेकिन हरनीत मेडिकल स्टोर के संचालक ग्राम बलखेड़ा थाना नानकमत्ता निवासी रंजीत सिंह पुत्र बलवीर सिंह और तिलकधारी मेडिकल स्टोर के संचालक ग्राम प्रतापपुर निवासी हिरामन विश्वास पुत्र आशुतोष विश्वास दोनों स्टोर संचालकों ने ऐसी किसी भी प्रकार की कोई दवाई या इंजेक्शन बिना बिल, टैक्स चोरी के मंगवाने की बात से इंकार कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने आरोपित को नहीं जानने की बात भी कही।

पुलिस ने आरोपित रंजीत सिंह विरुद्ध थाना नानकमत्ता में महामारी अधीनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही ड्रग, कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के तहत कार्यवाही के लिए ड्रग इंस्पेक्टर जनपद उधम सिंह नगर सुधीर कुमार, जीएसटी की चोरी पर कार्यवाही हेतु वाणिज्यकर अधिकारी खटीमा को रिपोर्ट भेजी है। आरोपित को पकड़े वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट, का. प्रकाश आर्य, का. हेम चंद्र फुलारा, का. पंकज बिनवाल आदि शामिल थे। पुलिस टीम को एसएसपी ऊधमसिंहनगर की ओर से 2500 रुपए इनाम देने की घोषणा की गयी है।

खाने की तलाश में आबादी में पहुंचा चीतल

सुल्तानपुर पट्टी। खाने की तलाश में जंगल से भटककर एक चीतल कोसी नदी बाजार घाट के पास आ गया। चीतल को देख , कुत्तो ने काटकर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल चीतल अपनी जान बचाते हुए नगर पंचायत कार्यालय जा पहुंचा।

नगर पंचायल कर्मियों ने घायल चीतल की सूचना फ़ॉरेस्ट विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे फॉरेस्ट विभाग के कर्मचारी घायल चीतल को अपने साथ फॉरेस्ट विभाग में ले गये।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को भूखा प्यासा चीतल जंगल से भटककर कोसी नदी के किनारे बाजार घाट पर आ गया। चीतल को वहां देख कुत्तों का झुंड उसके पीछे पड़ गया। चीतल अपनी जानबचाने के लिए भागा लेकिन कुत्तों के झुंड ने चीतल को काट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जान बचाता हुआ चीतल नगर पंचायत कार्यालय में जा पहुंचा।

नगर पंचायत के कर्मचारी चंद्र प्रकाश ने चीतल को कुत्तों से बचाकर कार्यालय में बंद कर दिया और फ़ॉरेस्ट विभाग को सूचना दी। फ़ॉरेस्ट विभाग कर्मचारी किशन सिंह, किवदर, जितेंद्र सिंह (ड्राईवर) ने बताया कि चीतल की उम्र डेढ़ साल है। चीतल घायल होने से घबराया हुआ है। मौके पर पहुंचे बन्नाखेड़ा वन कर्मचारी चीतल को अपने साथ ले गये।

काशीपुर के टांडा उज्जैन में सेनिटाइज करते भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज प्रजापति ।

भाजपा ओबीसी मोर्चा चला रहा सेनिटाजेशन अभियान

भास्कर समाचार सेवा

- लोगों से अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील

काशीपुर। प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा आगे आते हुए नगर के वार्ड नंबर 11, 38, 13 व 14 में लगातार सेनिटाइज किया जा रहा है।

मंगलवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज प्रजापति ने अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मोहल्ला टांडा उज्जैन की गलियों को सैनिटाइज किया। इस दौरान मनोज प्रजापति ने लोगों को कोविड-19 की गाइड लाइंस का पालन करने की बात कहते हुए कहा कि मास्क का प्रयोग करें व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें तथा अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। इस दौरान संदीप सिंह राजावत, अंकुर प्रजापति, अशोक कुमार सैनी, दिनेश सैनी, कमल कुमार, प्रशांत कुमार, कन्हैया लाल, मोहित भटनागर, सुमित प्रजापति, अनिल कुमार, कमल रोतेला, हर्ष गोला, रविंद्र सिंह, दीपक कुमार, विपिन कुमार, जितेंद्र वर्मा, पीयूष गोयल आदि कार्यकर्ताओं ने सेनिटाइज करने में उनका सहयोग किया।

कोरोना की दूसरी लहर के लिए सरकार जिम्मेदार : मुक्ता सिंह

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री मुक्ता सिंह ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि आज कोरोना महामारी की दूसरी लहर जिस तरह से प्रदेश में फैल रही है उसके लिए भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि समय पर सरकारी व निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों को बेड व ऑक्सीजन ना मिलने से मरीजों की जान जा रही है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को ना तो उन्हें लोगों की पीड़ा दिखाई दे रही है और ना ही जनमानव का दर्द सुनाई दे रहा है।

मुक्ता सिंह ने कहा कि कोरोना पीड़ति मृतकों के परिजनों के साथ अंतिम संस्कार के दौरान अवैध वसूली के मामले भी जग जाहिर हो रहे है। साथ ही प्रदेश में जीवन रक्षक दवाएं लोगों को ना के बराबर ही मिल पा रही है। लॉकडाउन लगने के साथ ही कालाबाजारी पर सरकार का कोई भी नियंत्रण नहीं हो रहा है। जिससे मध्यम वर्गीय परिवार महंगाई और भ्रष्टाचार की मार से पिसता जा रहा है। जिस के लिए भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है। सरकार को प्राथमिकता से अस्पतालों में ऑक्सीजन, जीवन रक्षक दवाएं मुहैया कराने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिजली दरों में की गई मूल्य वृद्धि को बेहद शर्मनाक फैसला बताते हुए कहा जनता रोजी रोटी के लिए तरस रही है। परन्तु बिजली के बिलों में कि गई बढ़ोतरी से गरीबों की जेबों पर डाका डालने का काम भाजपा सरकार ने किया है तथा सल्ट उपचुनाव में भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है। कांग्रेस प्रत्याशी गंगा पंचोली जनता के आशीर्वाद से जीतने जा रही थी लेकिन मतगणना के दौरान सरकारी मशीनरी द्वारा मतगणना के दौरान उलटफेर कर भाजपा सरकार कि सरकारी मशीनरी द्वारा खुला दुरूपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की जनता देख रही है कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक प्रतिक्रियाओं के चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र का गला घोटने का काम भाजपा के नुमाइंदे कर रहे हैं और जिसका परिणाम बंगाल में हुए चुनाव से भाजपा को जवाब मिल गया होगा, इसी तरह 2022 में होने वाले चुनाव में जनता बीजेपी को जवाब देगी।

शराब की भट्टी पकड़ी, लहन कराया नष्ट

काशीपुर। कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने जगतपुर जंगल से एक शराब की भट्टी बरामद की। पुलिस ने मौके पर ही 5 हजार लीटर लहन नष्ट करवा दिया। शराब बनाने के उपकरण भी बरामद हुए हैं। शराब तस्कर मौके से फरार हो गया।

कुंडेश्वरी चौकी इंचार्ज एसआइ दीपक कौशिक ने बताया कि जगतपुर गांव के जंगल में छापा मारा। पुलिस ने यहां से एक अवैध शराब बनाने की भट्टी, शराब बनाने के उपकरण, 60 लीटर अवैध शराब और 5 हजार लीटर लहन बरामद किया। पुलिस आरोपी जसवंत सिंह निवासी ग्राम मुकुंदपुर थाना आइटीआइ की तलाश कर रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआइ दीपक कौशिक, कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल पूरन गिरी, कांस्टेबल केदार आदि शामिल रहे।

स्वास्तिक अस्पताल कोविड सेंटर से आठ कोरोना मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

असद जावेद

- सौ से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित

खटीमा। अस्पताल चाहे वह प्राइवेट हो या सरकारी कोरोना मरीजो के लिए विपत्ति में मिसाल बन कर सामने आए हैं। लोहिया रोड पर स्थित स्वास्तिक अस्पताल जो कोरोना काल में 27 अप्रैल से कोविड सेन्टर में अपनी सेवाएं दे रहा है।

कोविड काल में यहां 30 कोरोना मरीज भर्ती हुए थे जिसमें से 8 मरीज डिस्चार्ज हुए है। सोमवार को 6 और मंगलवार को 2 मरीज स्वस्थ होकर अपने घरों को गए हैं। स्वास्तिक अस्पताल के मालिक वरुण अग्रवाल ने इस विपत्ति के समय अपने बड़े भाई डॉक्टर विवेक और शील अस्पताल के डॉक्टर पवन के साथ मिलकर अस्पताल को कोविड सेंटर बनाये जाने का निर्णय लिया। उनके इस कदम में आईएमए की टीम की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले डॉक्टर सीएस जोशी और स्वास्तिक अस्पताल के डॉक्टर प्रशांत ने साथ दिया और 27 तारीख को प्रारम्भ किये कोविड सेंटर ने सुखद परिणाम देने शुरू कर दिया।

अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर विवेक अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन के सहयोग से कोविड मरीजों के लिए प्रतिदिन 100 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित होने से इलाज संभव हो पा रहा है। डॉक्टर विवेक की निगरानी में कोविड मरीज लगातार स्वस्थ हो रहे है।

अस्पताल में प्रतिदिन प्रशासन मॉनिटरिंग कर कोविड भर्ती मरीज की संख्या, इलाज, ऑक्सीजन की उपलब्धता पर नजर बनाए हुए है। एडीएम कार्यालय से प्रतिदिन दूरभाष पर ऑक्सीजन की उपलब्धता पूछी जाती है। उपजिलाधिकारी निर्मला बिस्ट स्वास्तिक अस्पताल पर मरीजो की डॉक्टर विवेक से जानकारी ले रही है।

समाज हित में काम करने वालों पर मुकदमा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: बाल्मीकि

भास्कर समाचार सेवा

बाजपुर। विगत दिवस स्टार हॉस्पिटल पर एक नवजात शिशु मृत्यु को लेकर मौके पर पहुंचे समाजसेवी अनंत जैन व्यापारी नेता सुशांत सब्बरवाल द्वारा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए अस्पताल वालों पर कार्रवाई की मांग की थी जिस पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया।

स्टार हॉस्पिटल संचालक मोहम्मद रफी ने समाजसेवी अनंत जैन एवं उशांत सब्बरवाल तथा पीड़ित वीरू व अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करा दिया।

समाजसेवियों पर मुकदमा दर्ज करने के विरोध में दिया धरना।

आक्रोशित उत्तराखंड दलित बाल्मीकि समाज सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बाल्मीकि ने समाजसेवियों के खिलाफ हुए मुकदमा दर्ज से आक्रोशित होकर तहसील परिसर में सांकेतिक धरना दिया और उन्होंने कहा कि यदि जल्द मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो वह इस आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए भूख हड़ताल भी करेंगे। अनिल बाल्मीकि ने कहा कि यदि जल्द यह मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो यह आंदोलन यही नहीं रुकेगा अगर इसके लिए हमें जिला अधिकारी कार्यालय के बाहर भी धरने पर बैठना पड़ा हम उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं और जल्द कोई इसका निर्णय नहीं हुआ तब इस आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए बाजपुर की जनता के हित में हम भूख हड़ताल भी करेंगे। इस मौके पर जावेद वारसी, जितेंद्र यादव, अरविंद श्रीवास्तव, फुरकान वारसी, मोहम्मद जुनेद, ,सुमित चौधरी आदि मौजूद थे।

ईस्टर प्रबंधन में अस्तपाल को चालक सहित एक एंबुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीमीटर भी उपलब्ध कराये

ईस्टर इण्डस्ट्रीज ने कोविड संक्रमितों के लिए बढ़ाया हाथ

भास्कर समाचार सेवा

खटीमा। कोरोना काल में क्षेत्र की ईस्टर इण्डस्ट्रीज ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए कोरोना काल में न केवल लोगो को राशन मुहैया कराया बल्कि क्षेत्र नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में सेनेटाइजर कराकर क्षेत्र को कोरोना मुक्त करने का प्रयास भी किया। पीलीभीत रोड़ स्थित ईस्टर इण्डस्ट्रीज द्वारा कराये गये कार्यों में फैक्ट्री महाप्रबंधन अजय मेहता की मुख्य भूमिका रही है। विदित हो कि मार्च माह वर्ष 2020 मे देश मे कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया। इस लॉकडाउन से उत्तराखण्ड मे अछूता नही रहा।

लॉकडाउन के दौरान हजारों मजदूर बेरोजगार हो गये। ऐसे में ईस्टर इण्डस्ट्रीज के महाप्रबन्धक अजय मेहता ने अपनी टीम के साथ लोगो की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इस दौरान फैक्ट्री प्रबन्धन ने क्षेत्र के सैंकड़ों परिवार को चावल, आटा के साथ सैंकडों पैकेट राशन किट उपलब्ध कराया। वही फैक्ट्री प्रबन्धन ने नगर व ग्रामीण क्षेत्रों मे अपने संसाधनों से एक दर्जन से अधिक बार सेनेटाइज व फॉगिंग करवाकर वायरस व बैक्टीरिया मुक्त कराने का प्रयास किया।

खटीमा ईस्टर इण्डस्ट्रीज द्वारा नागरिक चिकित्सालय को सौपी गई बैंच।

इस बार भी वे कोरोना से संक्रमित होते मरीजो को बेहतर उपचार उपब्ध कराने के लिए लगातार सक्रिय हैं। सीमित संसाधनों के माध्यम से नागरिक चिकित्सालय में 50 बैड का कोविड वार्ड बना हुआ है। जहां कोविड मरीजों का इलाज चल रहा है। अस्पताल में संसाधनों की कमी को देखते हुए ईस्टर प्रबन्धन ने एक बार फिर मदद का हाथ बढ़ाया और अस्पताल को चालक सहित एक एम्बूलेंस उपलब्ध कराया। वही अस्पताल में मरीजों के लिए आक्सीजन सिलेंडर, बैंच, कूडेदान आदि आदि सौंपे। फैक्ट्री महाप्रबन्धन अजय मेहता ने कहा कि कोविड वार्ड के संचालन के लिए आक्सीजन सिलेंडर के अलावा एन-95 मास्क, आक्सीजन मास्क, ग्लब्ज, आक्सीमीटर सहित अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। फैक्टी प्रबन्धन के इस सहयोग के लिए कोरोना नोडल अधिकारी डा.सुनीता रतूड़ी ने आभार जताया। वहीं क्षेत्र के लोगो ने भी फैक्टी प्रबन्धन के प्रयासों की सराहना की।

page-11_page 1 05/04/21 9:43 PM Page 1

आज ही के दिन 1818 में महान विचारक, इतिहासकार और अर्थशास्त्री कार्ल मार्क्स का जन्म हुआ था।

सारसुर्खियां

भारत के यूरोप हॉकी प्रो लीग मैच स्थगित

लुसाने। भारत के स्पेन और जर्मनी के खिलाफ के खिलाफ 15-16 मई और 22-23 मई को होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग के आगामी मैच स्थगित कर दिए गए हैं। कोविड 19 महामारी के कारण भारत पर लगे मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों के चलते ये मैच स्थगित किये गए हैं। एफआईएच भारतीय हॉकी समुदाय उनके परिवारों और मित्रों के प्रति अपना समर्थन और मजबूत भावना व्यक्त करता है इन मैचों को फिर से कराने के लिए नयी तारीखें तलाश की जाएंगी।

सचेती का निधन

नई दिल्ली। भारतीय ओलम्पिक खेलों के अनुभवी प्रशासक और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कार्यकारी निदेशक राज कुमार सचेती का मंगलवार सुबह कोविड 19 परेशानियों के चलते निधन हो गया। वह 55 वर्ष के थे। सचेती कोरोना से संघर्ष कर रहे थे और उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। वह राजस्थान के अलवर जिले से थे। वह प्रोफेशन से चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। वह भारतीय मुक्केबाजी का चेहरा बदलने में माहिर माने जाते थे और इसे नई ऊंचाइयों पर ले गए थे। सचेती देश में बेहतरीन खेल प्रशासकों में से एक माने जाते थे। सचेती अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी)के 2021 में होने वाले टोक्यो ओलम्पिक के मुक्केबाजी कार्य बल के सदस्य थे। सचेती भारतीय ओलम्पिक संघ के सहायक संयुक्त सचिव और मेघालय नेशनल गेम्स जीटीसीसी के अध्यक्ष भी थे।

अगरतला के चाय बगान में भीषण गर्मी में काम के दौरान पानी पीती महिला श्रमिक। एजेंसी

वनडे रैंकिंग में नंबर एक बना न्यूजीलैंड

दुबई, एजेंसी। बांग्लादेश को उसी के घर पर वनडे सीरीज में 3-0 से मात देने के बाद न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गया है, जबकि उससे पहले नंबर एक पर रहा विश्व चैंपियन इंग्लैंड खराब प्रदर्शन की बदौलत चौथे स्थान पर खिसक गया है।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ 2020-21 सत्र की अपनी इकलौती वनडे सीरीज में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करके 121 अंक हासिल कर दो स्थानों की छलांग के साथ पहले नंबर पर कब्जा किया है। इससे पहले वह तीसरे स्थान पर था। न्यूजीलैंड को टी-20 रैंकिंग में भी फायदा हुआ है, जहां वह पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, हालांकि इंग्लैंड ने इस प्रारूप में अपनी टॉप पॉजिशन बरकरार रखी है। वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में भी न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट नंबर एक पर बरकरार हैं।

• नंबर वन से चौथे स्थान पर इंग्लैंड की टीम

पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं

पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को किसी भी प्रारूप की रैंकिंग में न तो फायदा हुआ है और न ही नुकसान। पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान वनडे रैंकिंग में क्रमशः छठे, पांचवें और दसवें, जबकि टी-20 रैंकिंग में चौथे, छठे और सातवें स्थान पर बरकरार है।

उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड ने हाल ही में वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और बंगलादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती है, जिसके चलते उसे टी-20 रैंकिंग में भी फायदा मिला है, हालांकि ऑस्ट्रेलिया टी-20 रैंकिंग में तीसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गया है, हालांकि उसे वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है और वो 118 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारत एक स्थान नीचे तीसरे नंबर पर आ गया है। उधर श्रीलंका और बंगलादेश टी-20 रैंकिंग में क्रमशः आठवें और नौवे स्थान पर पहुंचे हैं, जबकि वेस्ट इंडीज दो स्थान नीचे खिसक कर दसवें नंबर पर पहुंच गया है।

आईपीएल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

बायो बबल के बाद भी खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के मामलों को बढ़ता देख लिया निर्णय

नई दिल्ली। बायो बबल में कोविड 19 के बढ़ते मामलों के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

ताजा घटनाक्रम में सनराइजर्स हैदराबाद के रिद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा के कोविड 19 परिणाम पॉजिटिव आये हैं। इन घटनाओं के कारण टूर्नामेंट पर पूरी तरह विचार किया गया। दोपहर करीब 12 बजे बीसीसीआई के शीर्ष ब्रास को टूर्नामेंट के भाग्य पर अंतिम फैसला करना था, बीसीसीआई पूरे टूर्नामेंट को एक शहर में ले जाने पर विचार कर रहा था, लेकिन आईपीएल ढांचे में ताजा पॉजिटिव मामलों ने बीसीसीआई मैनेजर्स के पास ज्यादा सोचने के लिए कुछ नहीं छोड़ा। समझा जाता है कि कुछ आईपीएल अधिकारियों ने कुछ फ्रैंचाइजी को टूर्नामेंट के भविष्य पर उनके विचार जानने के लिए फोन किये और उनमें कुछ का मानना था इसे पूरी तरह रद कर दिया जाए।

• कई खिलाड़ी व सदस्य हो चुके हैं संक्रमित

आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने फैसले की पुष्टि करते हुए मंगलवार को कहा यह फैसला सभी अंशधारकों की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है।

आईपीएल ने एक मीडिया बयान में कहा कि यह फैसला टूर्नामेंट की संचालन परिषद और बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने सर्वसम्मति से लिया है। बयान में कहा गया है कि बीसीसीआई खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और आईपीईएल के आयोजन में शामिल अन्य भागीदारों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहती है। बयान के अनुसार यह फैसला सभी अंशधारकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और भलाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

बयान में कहा गया है कि यह काफी मुश्किल समय है खासतौर पर भारत में, हम टूर्नामेंट के जरिये कुछ सकारात्मकता और ख़ुशी लाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन टूर्नामेंट अब स्थगित कर दिया गया है और हर कोई अब इस मुश्किल समय में अपने परिवार और प्रियजनों के बीच जा सकता है। बीसीसीआई अपने अधिकार के तहत आईपीएल 2021 के सभी भागीदारों की सुरक्षित और सफल वापसी की व्यवस्था करेगा।

कई दिग्गजों ने किया स्थगन का समर्थन

बीसीसीआई के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने आईपीएल को स्थगित करने के फैसले को सही दिशा में उठाया एक कदम बताया है। उधर, आईपीएल के प्रसारणकर्ता स्टार इंडिया ने बीसीसीआई के आईपीएल 2021 को स्थगित करने के फैसला का समर्थन किया है। स्टार इंडिया ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि हम बीसीसीआई के आईपीएल 2021 को स्थगित करने के फैसले का समर्थन करते हैं। खिलाड़ियों, स्टाफ और आईपीएल से जुड़े हर व्यक्ति का स्वास्थ्य और सुरक्षा हम सभी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

करांची के बजाय यूएई में कराएं पीएसएल मैच

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के सभी छह फ्रेंचाइजियों ने पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से पीएसएल के शेष मुकाबलों को कराची से यूएई शिफ्ट करने की मांग की है।

फ्रेंचाइजियों ने पिछले हफ्ते पीसीबी को एक पत्र भेजा था। समझा जाता है कि बोर्ड फ्रेंचाइजियों के इस अनुरोध पर विचार कर रहा है और योजनाओं की समीक्षा कर रहा है। अभी की स्थिति के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियों को क्वारंटीन शुरू करने के लिए 23 मई तक कराची में इकट्ठा होना है और दो जून को टूर्नामेंट शुरू होगा। 14 जून तक लीग चरण के 16 मैच आयोजित होंगे, जबकि 16 से 18 जून के बीच प्लेऑफ और 20 जून को फाइनल होना है। पाकिस्तान में प्रति दिन 4500 कोरोना मामले सामने आने से देश के कुछ हिस्सों आंशिक लॉकडाउन लगा दिया गया है। पिछले साल की लहर के बाद से यह सर्वाधिक मामले हैं। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच कोरोना सामने आने के बाद 20 फरवरी से तीन मार्च तक 14 मुकाबले खेले जाने के बाद पीएसएल को स्थगित कर दिया गया था। टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने की तारीख तय होने के बाद फ्रेंचाइजियों ने अपने लाइनअप में खाली स्थानों को भरने के लिए एक रिप्लेसमेंट ड्राफ्ट में हिस्सा लिया था।

• छह फ्रेंचाइजियों ने की पीसीबी से अपील

चोटिल हो गए न्यूजीलैंड के रॉस टेलर

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के अनुभवी एवं दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर इंग्लैंड दौरे से पहले चोटिल हो गए हैं। लिंकन में उच्च प्रदर्शन केंद्र पर अभ्यास के दौरान उन्हें चोट लगी है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने उनके ग्रेड वन पिंडली में खिंचाव की पुष्टि की है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि अगले हफ्ते इंग्लैंड के लिए रवाना होने और टेस्ट टीम से जुड़ने से पहले टेलर बल्लेबाजी और दौड़ में लौटेंगे। इस बीच न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टेड ने स्वीकार किया है कि टेलर को लगी चोट थोड़ी चिंताजनक है। आप चोट को लेकर हमेशा से ही परेशान रहते हैं, लेकिन रॉस टेलर जो आपके सबसे अहम टेस्ट खिलाड़ी हैं, अगर उन्हें चोट लगे तो आपके लिए समस्या और भी बढ़ जाती है। हम प्रार्थना कर रहे हैं कि सब कुछ सही हो।

हमारे पास अभी समय है, लेकिन हमें अपनी मेडिकल टीम की रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की वनडे सीरीज में भी रॉस टेलर को चोट के कारण बाहर होना पड़ा था। न्यूजीलैंड को मई के मध्य में इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होना है, जहां वह मेजबान टीम के खिलाफ दो जून से टेस्ट सीरीज खेलेगी और इसके बाद वह साउथम्पटन में भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलेगी।

• इंग्लैंड के दौरे से पहले टीम को लगा झटका

मालदीव पलायन को तैयार हैं ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी

नई दिल्ली। बायो-बबल में कोरोना विस्फोट होने पर आईपीएल के अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ ने मालदीव जाने की तैयारी में हैं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से भारत पर लगे यात्रा प्रतिबंध के चलते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने फिलहाल इसे अस्थाई विकल्प के तौर पर चुना है। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और कमेंटेटर्स को मिलाकर बायो-बबल में लगभग 40 ऑस्ट्रेलियन शामिल हैं।

दिल्ली की टीम होगी क्वारंटाइन

• केकेआर के खिलाफ खेला था मुकाबला

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को क्वारंटाइन में जाने के लिए कहा है।

सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई ने दिल्ली कैपिटल्स के लेग स्पिनर अमित मिश्रा के कोरोना वायरस से संक्रमित होने और 29 अप्रैल को दिल्ली के कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेले गए मुकाबले के मद्देनजर यह निर्देश दिया है, क्योंकि केकेआर के दो खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। दिल्ली की टीम फिलहाल अहमदाबाद में ठहरी हुई है।

दिल्ली कैपिटल्स के वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि हमने अपना आखिरी मुकाबला केकेआर के खिलाफ खेला था, इसलिए हमें क्वारंटाइन में जाने की सलाह दी गई है और हम सभी अपने-अपने कमरों में आईसोलेशन में हैं, हालांकि अभी हमें यह नहीं पता है कि क्वारंटाइन की अवधि क्या होगी। फिलहाल किसी भी खिलाड़ी या टीम के सदस्य को कोई परेशानी नहीं है।

सैमसंग करेगा 50 लाख डॉलर की मदद

नई दिल्ली। सैमसंग ने कोविड-19 की दूसरी लहर के खिलाफ भारत की लड़ाई में योगदान देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को 50 लाख डॉलर अर्थात 37 करोड़ रुपये की सहायता एवं अस्पतालों के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के साथ हेल्थकेयर सेक्टर को समर्थन देने की घोषणा की है।

कंपनी ने कहा कि यह निर्णय भारत में विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करने और स्थानीय प्रशासन की तत्काल आवश्यकता का आकलन करने के बाद लिया गया है। सैमसंग केंद्र के साथ ही उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु को 30 लाख डॉलर का दान देगी। हेल्थकेयर सिस्टम की मदद के लिए सैमसंग 20 लाख डॉलर की चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराएगी, जिसमें 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 3,000 ऑक्सीजन सिलेंडर और दस लाख एलडीसी सिरिंज शामिल हैं। ये सामग्री उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु को उपलब्ध कराई जाएगी। एलडीएस या लो डेड स्पेस सिरिंज इंजेक्शन के बाद डिवाइस में बचने वाली दवा की मात्रा को न्यूनतम बनाती है।

• सरकार को देगा आवश्यक चिकित्सा उपकरण

विक्की कौशल के साथ नया कैंपेन

नई दिल्ली। रेड चीफ शूज ने अपने ब्रांड एम्बेसडर विक्की कौशल के साथ अपने सीज़नल कैंपेन्स को लॉच करने के लिए तैयार है।

कंपनी के जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) राहुल शर्मा मुताबिक 25 वर्षों से अब तक रेड चीफ ब्रांड 3000 से अधिक मल्टीब्रांड आउटलेट्स, 180 से अधिक एक्सक्लूसिव स्टोर्स के मज़बूत वितरण नेटवर्क तथा इसके साथ ही सभी अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफार्म और अपनी वेबसाइट के माध्यम से देश भर में बड़ी तादाद में अपने निष्ठावान ग्राहकों को क्वालिटी, कम्फर्ट और स्टाइल का सर्वोत्तम रूप प्रदान कर रहा है। विक्की ब्रांड छवि के साथ बहुत अच्छी तरह मेल खाते हैं।

फेनेस्टा ने झांसी में रीटेल मौजूदगी का किया विस्तार

झांसी। भारत के सबसे बड़े विंडो एवं डोर ब्रांड तथा इस सेगमेन्ट में मार्केट लीडर फेनेस्टा इंडिया ने एक और शोरूम की ओपनिंग के साथ अपनी रीटेल मौजूदगी के विस्तार की घोषणा की है।

फेनेस्टा के बिजनेस हेड साकेत जैन ने कहा कि फेनेस्टा की रणनीति में दो मुख्य पहलु शामिल हैं। कला एवं विज्ञान के संयोजन से डिज़ाइन किए गए हमारे उत्पादों को उपभोक्ताओं की ज़रूरतों एवं पर्यावरणी कारकों जैसे शोर, बारिश, धूल एवं प्रदूषण आदि को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। शोरूमों में हमारे उत्पादों को डिस्प्ले करने से उपभोक्ता हमारी व्यापक रेंज को देख सकेंगे तथा ब्रांड के बारे में हर जानकारी पाकर खरीद का सही फैसला ले सकेंगे। फेनेस्टा ज़्यादा से ज़्यादा शोरूमों की ओपनिंग के साथ इसी दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहा है और देश में अपने उपभोक्ता आधार को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रयासरत है। इस शोरूम के लॉच के साथ अब हम देश के 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में मौजूद हैं।

• सभी राज्यों में विस्तार करने का है लक्ष्य

रांची में सदर अस्पताल में अन्य अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों के लिये ऑक्सीजन लेने पहुंचे तीमारदार।

शुरुआती तेजी के बाद मंगलवार को लुढ़का शेयर बाजार, दूरसंचार, उर्जा और आटो समूहों पर अधिक दबाव

रिलायंस, बैंकिंग, वित्त और स्वास्थ्य क्षेत्र में बिकवाली

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ ही बैंकिंग, वित्त और स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बीएसई के सेंसेक्स में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखी गई। शेयर बाजारों में शुरुआती तेजी रही, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली तेज हो गई।

सेंसेक्स 465.01 अंक लुढ़ककर 23 अप्रैल के बाद के निचले स्तर 48,253.51 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 137.65 अंक की गिरावट के साथ 14,496.50 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी 26 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है। सेंसेक्स की 30 में से 21 कंपनियों में गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.18 प्रतिशत और डॉ. रेड्डीज लैब का 2.26 प्रतिशत टूट गया। सनफार्मा में 1.99, एचडीएफसी बैंक में 1.74, एचडीएफसी में 1.73, इंफोसिस में 1.65 और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.61 प्रतिशत की गिरावट रही। भारती एयरटेल, टाइटन, मारुति सुजुकी और पावरग्रिड के शेयर भी एक से डेढ़ फीसदी के बीच टूटे। ओएनजीसी में 1.86 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व में 1.12 प्रतिशत की तेजी रही।

• सेंसेक्स में एक फीसदी की गिरावट हुई दर्ज

दो माह बाद बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। दो महीने से अधिक समय में मंगलवार को पहली बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया गया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 90.55 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। डीजल की कीमत 18 पैसे बढ़ी और यह 80.91 रुपये प्रति लीटर हो गया। इस साल 27 फरवरी के बाद पहली बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये गए हैं। इस बीच 24 मार्च, 25 मार्च, 30 मार्च और 15 अप्रैल को इनके दाम घटाये गये थे, जबकि शेष दिन कीमतें स्थिर रहीं थीं।

मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली कम हुई। बीएसई का मिडकैप 0.50 प्रतिशत लुढ़ककर 20,220.07 अंक पर और स्मॉलकैप 0.57 अंक फिसलकर 21,885.69 अंक पर आ गया। स्वास्थ्य, दूरसंचार, उर्जा और आटो समूहों पर अधिक दबाव रहा।

सेंसेक्स 163.11 अंक की मजबूती के साथ 48,881.63 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 48,996.53 अंक पर पहुंच गया। बिकवाली बढ़ने से इसका ग्राफ तेजी से नीचे की ओर लुढ़का और 48,149.45 अंक तक उतरा गया। अंत में सेंसेक्स सोमवार के मुकाबले 0.95 प्रतिशत नीचे 48,253.51 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी भी 53.10 अंक की तेजी के साथ 14,687.25 अंक पर खुला। इसका दिवस का उच्चतम स्तर 14,273.40 अंक और निचला स्तर 14,461.50 अंक दर्ज किया गया। अंत में यह गत दिवस की तुलना में 0.94 फीसदी टूटकर 14,496.50 अंक पर रहा।

परिणीति डाबर पुदीन हरा की ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड अपने पुदीन हरा ब्रांड के लिए नई ब्रांड एंबेसडर के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को साइन करने की घोषणा की है।

कंपनी के ओटीसी कारोबार के विपणन प्रमुख अजय सिंह परिहार ने कहा कि हम परिणीति चोपड़ा को डाबर पुदीन हरा के नए चेहरे के रूप में अपने साथ जोड़ कर काफी उत्साहित हैं। वे हर वर्गों और उम्र के लोगों मे अपनी फिल्म के अभिनय के कारण पसंद की जाती है और उनका व्यक्तित्व आधुनिक, भरोसेमंद और प्रगतिशील होने के चलते ब्रांड की पहचान के साथ अच्छी तरह से फिट बैठता है। परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्माई गई एक नई टीवीसी भी रिलीज की गई है।

देश के किसानों के भरोसे से न्यूहॉलैंड 3230 ट्रैक्टर सफल

नई दिल्ली। न्यूहॉलैंड का 3230 ट्रैक्टर पूरे देश के किसान पीढ़ी-दर-पीढ़ी पसंद करते रहे हैं और यह सबसे विश्वसनीय ट्रैक्टर बन कर तेजी से ऊंचे मुकाम पर पहुंचा है। न्यूहॉलैंड ने 2001 में 3230 के लांच के बाद दो दशकों के उत्पादन के दौरान अपने वैरियंट 3230 एनएक्स, 3230 टीएक्स और 3230 टीएक्स सुपर पेश कर इस मॉडल की विरासत का विस्तार किया है।

कंपनी के जोनल सेल्स मैनेजर उत्तर प्रदेश संजीव मिश्रा ने कहा कि न्यूहॉलैंड के 3230 मॉडल का लाभ लेने वाले संदीप चंद दीक्षित समृद्ध किसान हैं। खेती के मशीनीकरण से पूरे भारत के हजारों किसानों की जिन्दगी बदल गई है। अब देशभर के किसान नई कृषि मशीनें और तकनीकियां अपनाने के लिए तत्पर हैं।

• नई तकनीकि को अपनाने को तत्पर हैं किसान

न्यूहॉलैंड की मशीनों पर उनका यह भरोसा और समर्थन हमें भारत को मजबूत और अधिक लाभदायक समुदाय बनाने में हौसला देता है। संदीप दीक्षित ने बताया कि न्यूहॉलैंड 3230 पिछले दो दशकों से मेरे परिवार का हिस्सा रहा है। वास्तव में यह परिवार का सबसे समर्पित सदस्य है, जिसने लगातार अधिक से अधिक लाभ दिया है।

देश-विदेश

आज ही के दिन 2010 में आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से नई पीढ़ी के उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट को परीक्षण उड़ान पर भेजा गया था।

सारसुर्खियां

मेक्सिको में मेट्रो पुल ढहा, 20 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के मेक्सिको सिटी में एक मेट्रो पुल ढह जाने से 20 लोगों की मौत हो गई और करीब 70 अन्य घायल हो गए। सचिवालय ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक ओलिवोस और टेजोनको स्टेशनों के बीच सोमवार की देर रात हुए हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। घायलों में से भी कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पांच मजदूरों की मौत

नेल्लोर। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर ग्रामीण मंडल के गोलाकंदुकुर गांव के पास मंगलवार को एक ट्रैक्टर ट्रेलर के फिसलकर एक तालाब में गिर जाने से पांच कृषि मजदूरों की मौत हो गई। ये मजदूर फसल की कटाई करने जा रहे थे। मृतकों में कृष्णवेनी (26), हरिबाबू (43), लक्ष्मीकांतम (45), कोटिपेंखालैया (60) और वेंकटरमनम्मा (19) शामिल हैं।

चार मरीजों की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक में कलबुर्गी के अफजलपुर तालुका के अस्पताल में मंगलवार को ऑक्सीजन की कमी से चार कोरोना मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारी टी रत्नाकर ने बताया कि अस्पताल में सभी ऑक्सीजन सिलेंडर सुबह खाली हो गए थे और इनमें फिर से ऑक्सीजन भराने के लिए कलबुर्गी भेजा गया था, लेकिन इस बीच देर होने के कारण ऑक्सीजन की कमी से चार गंभीर मरीजों की मौत हो गई।

यूनाइटेड किंगडम से 450 ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर मंगलवार को चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचा वायुसेना का विमान।

27 साल बाद बिल व मेलिंडा लेंगे तलाक

सिएटल। विश्व के सबसे अधिक अमीर एवं माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और उनकी पत्नी मेलिंडा ने अपने वैवाहिक जीवन के 27 साल गुजारने के बाद तलाक लेने की घोषणा की है।

गेट्स दंपती हालांकि दांपत्य सूत्र से अलग होने के बावजूद दुनिया के सबसे बड़े निजी चैरिटेबल फाउंडेशन बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के मिलकर काम करते रहेंगे। दंपती ने ट्विटर पर कहा कि वे अपने फाउंडेशन के लिए एक साथ काम करते रहेंगे, लेकिन हमें नहीं लगता कि एक दपंती के रूप में हम जीवन के आगामी समय में साथ रह सकते हैं। हम अब जीवन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं और ऐसे में परिवार के लिए निजता अपरिहार्य है।

कोलंबिया में प्रदर्शन के दौरान 17 की मौत

- सैकड़ों जगहों पर हिंसा की घटनाएं, कई घायल

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। कोलंबिया में कर सुधार के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी समेत 17 लोगों की मौत हो गई और सैंकड़ों की संख्या में लोग घायल हो गए।

ला एफएम रेडियो ने लोकपाल कार्यालय के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

ट्रेड यूनियनों का कहना है कि प्रस्तावित सुधार से कम से कम 10.5 लाख श्रमिकों को नए करों का भुगतान करना पड़ेगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार गत बुधवार से चल रहे प्रदर्शनों के दौरान अब तक कुल 431 लोगों को हिरासत में लिया गया है। रक्षा मंत्री डिएगो मोलानो अपोंटे ने बताया कि देश भर में नागरिकों के साथ ही 94 बैंकों, 254 स्टोर, दो नगर पालिका प्रशासन कार्यालयों और 64 पुलिस स्टेशनों में हिंसा की घटनाओं की रिपोर्टें मिली है। उन्होंने कहा कि सेना रविवार से नागरिकों की सुरक्षा, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और परिवहन और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दंगो से प्रभावित कुछ शहरों को सहायता प्रदान कर रही है। इस बीच राष्ट्रपति इवान डुक ने वित्त मंत्रालय को कर सुधार के मसौदे में संशोधन के आदेश दिये हैं।

कोलंबिया में नए करों को लेकर प्रदर्शन करते लोग। एजेंसी

विश्व में 15.35 करोड़ से अधिक संक्रमित

दुनियाभर में अबतक कोरोना वायरस का संक्रमण लील चुका है 32.13 लाख लोगों की जान

- ब्राजील में 1.47 करोड़ लोग कोरोना प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व भर में कोरोना वायरस संक्रमण के फिर तेजी से फैलने के बीच संक्रमितों की संख्या 15.35 करोड़ से अधिक हो गई और 32.13 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र के अनुसार दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 15 करोड़ 35 लाख 59 हजार 931 हो गई है, जबकि 32 लाख 13 हजार 878 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ 24 लाख 71 हजार से अधिक हो गई है, जबकि 5,77,523 मरीजों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। भारत में भी संक्रमितों की संख्या बढ़ी है, लेकिन रिकवरी रेट भी बढ़ रहा है। ब्राजील में अबतक 1.47 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हैं, जबकि 4,08,622 की मौत हो चुकी है। फ्रांस में 57.17 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1,05,291 मरीजों की मौत हो चुकी है। तुर्की में संक्रमितों की संख्या 49 लाख से अधिक पहुंच गई है और 41,191 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में संक्रमितों की संख्या 47.76 लाख से अधिक हो गई है और इसके संक्रमण से 109,341 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में प्रभावितों की कुल संख्या 44.37 लाख से अधिक और 127,797 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में संक्रमितों की संख्या 40.50 लाख से अधिक और 121,433 की मौत हो चुकी है। स्पेन में 35.40 लाख से ज्यादा प्रभावित हैं और 78,293 लोगों की मौत हो चुकी है।

मौतों में मैक्सिको का तीसरा स्थान

मैक्सिको में कोरोना से 23.49 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और यह देश मृतकों के मामले विश्व में तीसरे स्थान पर है। जहां अभी तक इस वायरस के संक्रमण से 217,345 लोगों की मौत हो चुकी है। यूक्रेन में संक्रमितों की संख्या करीब 21.43 लाख से अधिक है और 46,773 लोग अपनी जान गंवा बैठे हैं। पेरू में संक्रमितों की संख्या 18.14 लाख के पार पहुंच गई है, जबकि 62,375 लोगों की जान जा चुकी है। इंडोनेशिया में संक्रमण के मामले 16.82 लाख के पार पहुंच गए हैं, जबकि 45,949 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में 15.84 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं और 54,452 लोगों की मौत हो चुकी है।

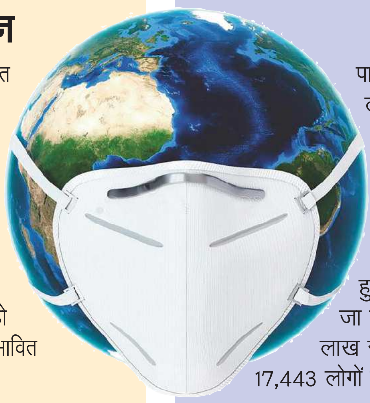

पाकिस्तान में 18,310 मौतें

पाकिस्तान में अब तक कोरोना से करीब 8.37 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 18,310 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं, बांग्लादेश में 7.63 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 11,644 मरीजों की मौत हो चुकी है। चीन जहां से कोरोना वायरस संक्रमण की शुरुआत हुई थी, वहां कोरोना से अब तक 102,549 लोग संक्रमित हुए हैं और 4,846 लोगों की इस महामारी में जान जा चुकी है। नीदरलैंड में कोरोना से अब तक 15.43 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए है और महामारी से 17,443 लोगों की मौत हो चुकी है।

मोरक्को और अल्जीरिया पहुंच गया भारतीय स्ट्रेन

- आठ मरीजों में की गई है नए स्ट्रेन की पुष्टि

मॉस्को, एजेंसी। मोरक्को और अल्जीरिया में कोरोना वायरस के भारतीय स्ट्रेन का पहला मामला सामने आया है।

मोरक्को के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के सबसे बड़े शहर केसाब्लांका में दो लोगों के कोरोना के भारतीय स्ट्रेन से पीड़ित होने का पता चला है। दूसरी तरफ, अल्जीरियाई स्वास्थ्य मंत्रालय से संबंद्ध पास्टयूर इंस्टीट्यूट के मुताबिक यहां टिपजा प्रांज में इसी तरह के छह मामले सामने आये हैं। उल्लेखनीय है कि मोरक्को में कोरोना संक्रमितों की संख्या 5,12,000 हो गयी है जबकि 9032 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं 4,98,000 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। अल्जीरिया में अब तक 1,22,000 लोग संक्रमित हुए हैं और 195 लोगों की इस बीमारी से मौत हो गई है।

मैक्सिको से आगे ईरान

ईरान ने कोरोना संक्रमितों के मामले में मेक्सिको को पीछे छोड़ दिया है, यहां 25.55 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 72,875 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, मैक्सिको में कोरोना से 23.49 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और यह देश मृतकों के मामले विश्व में तीसरे स्थान पर है। जहां अभी तक इस वायरस के संक्रमण से 217,345 लोगों की मौत हो चुकी है। यूक्रेन में 21.43 लाख से अधिक संक्रमित और 46,773 लोग जान गंवा बैठे हैं।

केस कम होते ही खत्म होगा लॉकडाउनः केजरीवाल

- दो माह मुफ्त राशन, टैक्सी चालकों को आर्थिक मदद

नई दिल्ली (भास्कर)। कोरोना महामारी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे गरीब परिवारों और ऑटो-टैक्सी चालकों की मदद करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार 72 लाख राशन कार्ड धारकों को दो महीने तक मुफ्त राशन देगी। साथ ही पिछले साल की तरह ही इस बार भी दिल्ली में पंजीकृत 1.56 लाख ऑटो-टैक्सी चालकों को 5-5 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। सीएम ने स्पष्ट किया कि दो महीने तक मुफ्त राशन देने का मतलब यह नहीं है कि दिल्ली में लॉकडाउन भी दो महीने चलेगा। कोरोना के केस कम होते ही लॉकडाउन खत्म कर दिया जाएगा। यह समय एक-दूसरे की मदद करने और अच्छा इंसान बनने का है। मैं अपील करता हूं कि सभी पार्टी और जाति-धर्म के लोग एक-दूसरे की मदद करें। हम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने, ऑक्सीजन व बेड दिलाने, बीमार और गरीब लोगों को खाना खिलाने में मदद कर सकते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सब मिलकर लड़ेंगे, तो बहुत जल्द कोरोना से जीत पा लेंगे।

संक्रमण की चेन तोड़ना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की संक्रमण की चेन तोड़ना जरूरी है। भगवान न करे कि लॉकडाउन को ज्यादा दिन चलाना पड़े। जल्दी केस कम होना चालू हों और जल्दी लॉकडाउन खत्म हो। यह बहुत ही कठिन दौर है, जिससे हम सब लोग गुजर रहे हैं। खासतौर से जो दूसरी लहर आई है, यह दूसरी लहर तो बहुत ज्यादा खतरनाक है। हम सब लोग देख रहे हैं कि चारों तरफ कितना दुख है, चारों तरफ लोग कितने परेशान हैं, चारों तरफ लोग कितने बीमार हैं। यह समय हमें एक-दूसरे की मदद करने का है।

पंजाब ने मांगे ऑक्सीजन टैंकर

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने मंगलवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि राज्य में अब आक्सीजन के सहारे जी रहे मरीजों की संख्या बढ़कर नौ हजार को पार कर गई है, लेकिन रोजाना आपूर्ति 110 से 120 टन मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कोविड समीक्षा बैठक में कहा कि राज्य को तुरंत और अधिक टैंकरों की ज़रूरत है, क्योंकि इस समय राज्य के पास सिर्फ़ पंद्रह टैंकर ही उपलब्ध हैं, जबकि दो और मिलने हैं।

दर्जनों अपराधी हिस्ट्रीशीटर घोषित

शहजाद अंसारी

- कई दिग्गज अपराधियों पर कर चुके हैं कार्रवाई

लखनऊ। जनपद बिजनौर में नगीना कोतवाल कृष्ण मुरारी दोहरे अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए अबतक दर्जनों अपराधियों को हिस्ट्रीशीटर घोषित कर चुके हैं।

कोतवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह रहेंगे अपराध व उनका साथ देने वालों को बख्शा नही जाएगा। प्रदेश के कई जनपदों में अपनी छाप छोडने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट तेजतर्रार कोतवाल कृष्ण मुरारी ने 16 अगस्त 2020 को नगीना थाने का चार्ज संभालने के बाद अपराधियों के खिलाफ मुहिम शुरु की थी। उन्होंने सपा विधायक मनोज पारस की शह पर गुंडई दिखाने वाले एहतेशाम उर्फ राजा, पुलिस के लिए सिरदर्द बने गोकश वाहिद उर्फ टल्ली, तेल माफिया/शराब तस्कर मनोज, अल्ताफ, फिरोज हैदर जैदी, यासिर सईद उर्फ फैज सहित लगभग दो दर्जन से अधिक अपराधियों को हिस्ट्रीशीटर घोषित किया है। इतना ही नही दुष्कर्म के आरोपी सलमान, पुलिस पर जानलेवा हमला व नाबालिग किशोरी को अगवा करने वाले शानू व उसके पिता नसीर, सईद धोबी, जीशान, दिलशाद, मो कैफ व परवेज पाशी सहित 100 से अधिक अपराधिक किस्म के लोगो पर गुण्डा एक्ट की कार्रवाही की है।

सोनू को मिला प्रियंका का साथ

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने कोरोना महामारी से अनाथ हुए बच्चों की देखभाल के लिए क़दम उठाने की पहल की है, जिसमें उन्हें प्रियंका चोपड़ा का साथ मिल गया है। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर सोनू सूद के एक वीडियो को शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों को ऐसा कोई नियम बनाना चाहिए, जिसके तहत उन बच्चों की स्कूल से कॉलेज तक की शिक्षा मुफ़्त की जा सके, जिन्होंने कोविड-19 की वजह से अपने माता-पिता को खो दिया है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि आप लोगों ने कभी विज़नरी समाज सेवक के बारे में सुना है? मेरे साथी सोनू सूद वही हैं। वह आगे के बारे में सोचकर प्लान करते हैं, क्योंकि इस महामारी का प्रभाव तो शायद लंबे समय तक रहे। ऐसे में कोविड हर उन बच्चों के लिए डरावनी कहानी है जिन्होंने महामारी में अपने माता पिता को खोया है।जिसके कारण से उनकी शिक्षा बंद हो सकती है। मैं सोनू की इस बात से प्रभावित हूं, उन्होंने एक खास तरीके से इसका समाधान निकाला है अब इस पर अमल होना चाहिए।

'मस्तानी' पर रिलीज हुई 'द रेड लैंड'

मुंबई। फ़ल्मि निर्माता- अभिनेता हैदर काजमी ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म मस्तानी पर वेब सीरीज 'द रेड लैंड' रिलीज कर दी है।

'द रेड लैंड' वेब सीरीज में पूर्वांचल में जातिवाद की लड़ाई के खूनी अंजाम को दिखाया गया है। दो तानाशाह भाई अमरपाल सिंह और समरपाल सिंह, जिन्होंने तीन दशक से अधिक समय तक अपनी शर्तों पर शासन किया। इसके शुरू होता है जातिवाद, सत्ता और सत्ता की लड़ाई। इसमें मुख्य भूमिका में अभिमन्यु सिंह, गोविंद नामदेव, शलीन भनोट, फ्लोरा सैनी के अलावा दयाशंकर पांडेय जैसे मंझे हुए कलाकार हैं। छात्र राजनीति में किस तरह जातिवाद हावी रहता है, इस सीरीज में बखूबी दर्शाया गया है। सीरीज के डॉयरेक्टर विनय श्रीवास्तव हैं।

'दृश्यम' के रीमेक में काम करेंगे अजय

मुंबई। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आ सकते हैं।

मोहनलाल स्टारर बहुचर्चित और सुपरहिट मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' के हिंदी रीमेक की घोषणा हो चुकी है। फिल्म निर्माता कुमार मंगत और अभिषेक पाठक के पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल ने फिल्म की हिंदी रीमेक राइट्स को खरीद लिया है। दृश्यम 2' के हिंदी रीमेक में भी अजय देवगन और तब्बू का होना फाइनल माना जा रहा है, हालांकि फिलहाल स्टारकास्ट की घोषणा नहीं हुई है। निर्माता कुमार मंगत ने कहा कि दृश्यम 2 की भारी सफलता के साथ इसकी कहानी को उसी जुनून और समर्पण के साथ कहा जाना जरूरी है और एक निर्माता के तौर पर मैं इसके लिए पूरी तरह से समर्पित हूं। मलयालम फिल्म 'दृश्यम' और दृश्यम 2' के निर्देशक जीतू जोसेफ ने कहा कि दृश्यम 2 की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। मुझे इस बात की खुशी है कि पैनोरमा स्टूडियोज इस फिल्म को हिंदी रीमेक के जरिए इसे और अधिक दर्शकों तक पहुंचाने में कामयाब साबित होगा।

दस गुना अधिक वसूली कर रहे निजी अस्पताल

- निजी अस्पतालों में बायो मेडिकल वेस्ट का ढेर

गोरखपुर। सरकार की ओर से निर्धारित शुल्क के बाद भी निजी अस्पताल कोविड मरीजों से दस गुना अधिक वसूली कर रहे हैं। संकट के समय में निजी अस्पतालों की लूट जारी है और स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन आंख मूंदे हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने एक समिति भी बनाई है, जिसे निजी अस्पतालों में जाकर जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन तमाम अव्यवस्थाओं के बाद भी टीम ने अभी तक निजी अस्पतालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की है। जबकि अनेक अस्पतालों के पास बायोमेडिकल वेस्ट का अंबार लगा हुआ है। बेलीपार व घंटाघर निवासी दो मरीजों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उनसे दो लाख रुपये जमा करा लिए गए। बेलीपार का मरीज चार दिन भर्ती रहा, अंततः उसकी मौत हो गई। उसके इलाज पर कुल साढ़े चार लाख रुपये खर्च हुए। यही हाल अन्य निजी अस्पतालों का भी है। डीएम के. विजयेंद्र पाण्डियन ने बताया कि यदि अधिक पैसा वसूलने की शिकायत मिलती है तो जांच करा कार्रवाई की जाएगी।

ओडिशा के अंगुल से मंगलवार को हैदराबाद पहुंची ऑक्सीजन एक्सप्रेस। एजेंसी

56 घंटे की मैराथन मतगणना के बाद 49 जिला पंचायत सदस्यों के सिर सजा ताज, चंद्रशेखर की पार्टी का भी खुला खाता

भाजपा के साथ बसपा और कांग्रेस का भी वर्चस्व कायम

सुरेंद्र सिंघल

- अध्यक्ष पद को लेकर रस्साकसी की दौड़ तेज

सहारनपुर। जिला पंचायत चुनाव में 49 वार्डों की 56 घंटे की मैराथन मतगणना में बसपा और भाजपा के साथ कांग्रेस का वर्चस्व भी कायम हुआ।

सपा जिलाध्यक्ष चौधरी रूद्रसैन भी अपने समर्थकों को जिताने में सफल रहे। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर की नवगठित पार्टी आसपा के भी दो उम्मीदवार जीते है। निर्दलीय उम्मीदवार निवासी गांव शेखपुरा कदीम जगमाल 11 हजार वोट लेकर विजयी हुए है। उन्होंने बसपा के राजपाल को 2382 मतों के अंतर से हराया। बसपा के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला बने वार्ड 41 में बसपा महिला नेत्री ममता चैधरी ने जीत दर्ज की। उन्हें 10 हजार 657 मत मिले। उन्होंने भाजपा की गीता देवी को तीन हजार 901 मतों के अंतर से पराजित किया। आसपा की संगीता चार हजार वोट लेने में सफल रही। बसपा के देवबंद विधानसभा प्रभारी नवीन खटाना की मां शिमला देवी वार्ड-19 में 2425 मतों से विजयी घोषित की गई। भाजपा नेता और जिला पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदारों में शामिल मुकेश चौधरी और मांगेराम चौधरी चुनाव जीत गए। मांगेराम ने बसपा समर्थित अरविंद को 399 मतों से पराजित किया और वार्ड 43 में मुकेश ने 52 सौ वोटो के अंतर से कांग्रेस उम्मीदवार को पराजित किया।

वहीं, वार्ड-40 में बसपा समर्थित इमरान मलिक, वार्ड 26 में बीएसपी समर्थक चौधरी वैसर अली, वार्ड 45 में चंद्रशेखर की पार्टी के उम्मीदवार रकम सिंह, वार्ड एक से भाजपा समर्थित मुकेश चौहान, वार्ड दो से भाजपा के दुबे सिंह कांबोज, वार्ड 21 से भाजपा समर्थित सविता देवी, वार्ड 29 से भाजपा समर्थित विनोद, वार्ड 30 में भाजपा समर्थित नीलम देवी विजयी रही। वार्ड 32 से बसपा नेता माजिद अली, वार्ड 35 से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गायत्री चौधरी चुनाव जीत गईं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और भाजपा के प्रांतीय महामंत्री संगठन सुनील बंसल सहारनपुर जनपद के प्रमुख पार्टी नेताओं से विचार-विमर्श कर जीतने वाले उम्मीदवार की जल्द घोषणा कर सकते है। भाजपा में जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए बिजेंद्र कश्यप, मुकेश चौधरी, गायत्री चौधरी और मांगेराम चौधरी प्रमुख दावेदारों में शामिल है।

अखिलेश द्वारा घोषित उम्मीदवार जीता

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा घोषित उम्मीदवार सलीम अख्तर को वार्ड 24 में सपा नेता चौधरी इद्रसैन समर्थक उम्मीदवार जीशान चौधरी एडवोकेट के हाथों पराजय झेलनी पडी। इनके अलावा वार्ड 25 में सपा समर्थित चौधरी सत्य कुमार, वार्ड 23 में कांग्रेस समर्थित मुकर्रम राव, वार्ड 20 में कांग्रेस के सुशील कम्हेडा, वार्ड 22 पर कांग्रेस समर्थित नरेंद्र चौधरी एडवोकेट जीत गए।

page-12_page 1 05/04/21 10:00 PM Page 1

Sahaja Yoga International · Vishwa Nirmala Dharma

सहस्त्रार दिवस के उपलक्ष्य में

सहस्त्रार का भेदन मानव उत्क्रांति का अंतिम चरण

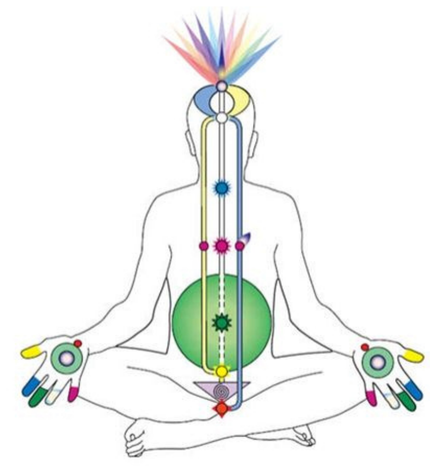

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी(सहज योग संस्थापिका)

मानव सभ्यता के प्रारंभ से ही मनुष्य प्रकृति को कार्यान्वित करने वाली शक्ति की खोज, उसके विविध प्राकृतिक तंत्रों के कामकाज, विकास और जीवन के उद्देश्य की तलाश में रहा है। समय बीतने के साथ-साथ जब मानव विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ी तो मनुष्य ने प्रकृति के साथ मिल जोल शुरू किया। इस प्रयास ने मानव जाति को राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक महत्व के विभिन्न क्षेत्रों में विकास के विभिन्न स्तरों तक पहुँचाया, परन्तु फिर भी मनुष्य की खोज कभी तृप्त नहीं हुई। हमारे अस्तित्व का अर्थ क्या है यह महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित रहा।

फ्रांसीसी जीवविज्ञानी पियरे लेकोम्टे डु नोय के अनुसार, एक दैवीय अत्क्रांति की प्रक्रिया कार्यरत है। आधुनिक समय के संदर्भ में यह देखा जाना चाहिए कि क्या यह उद्देश्य मानव जाति द्वारा पूरा किया गया था? क्या इसलिए आध्यात्मिक इतिहास के कई शताब्दियों तक मानव को पोषित किया गया था? या क्या इसे भौतिकवाद ने संघर्ष के लिए प्रेरित किया था- भीतर और बाहर के संघर्ष, असुरक्षा और संकट से ग्रस्त?

यदि पारलौकिक कारण ने हमें मानव चेतना के इस स्तर पर ला दिया है, तो हमारे अस्तित्व का अर्थ केवल आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति से ही समझा जा सकता है। हमारी खोज के इतिहास में हमने हमेशा बाहरी वस्तुओं और स्थानों में जीवन का अर्थ खोजा है, यह न जानते हुए कि असली खज़ाना अंदर है। लेकिन अब समय आ गया है कि अब हम अपने अंदर झाँखें और अपने गौरव से परिपूर्ण 'स्व' की खोज करें। वेद-पुराणों, गीता, त्रिपिटक, आगम, तोराह, अवेस्ता, बाइबिल, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब, आदि जैसे सदियों पुराने पवित्र ग्रंथ स्पष्ट रूप से इस आधुनिक युग में होने वाले दिव्य आनंद के अनुभव का उल्लेख करते हैं, जिसकी प्राप्ति कलियुग में जन मानस को होगी। जैसे-जैसे आध्यात्मिक बीज का अंकुरण प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निष्क्रिय रूप में ही होगा, तो वह आध्यात्मिक जागरण में अग्रणी होगा। यह जागृति हमारी उत्क्रांति की प्रक्रिया का अंतिम चरण है, हमारे विकास का अंतिम मानदंड है जिसे सबसे जटिल होते हुए भी प्राप्त करना सबसे सरल है। यह एक बीज से पेड़ बनने जैसे जैविक विकास की तरह है जो स्वाभाविक रूप से अपनी गति से होता है। जैसे सभी फूल अपनी गति से अलग-अलग समय पर खिलते हैं, जैसे मानव हृदय अपने आप ही पूरे शरीर में रक्त प्रवाह करता है और जिस तरह पाचन की प्रक्रिया अपने आप होती है, यह जागृति भी स्वतः किसी भी अन्य जीवित प्रक्रिया की तरह बाहरी प्रयासों या बाहरी अनुशासन के बिना कार्य करती है। 'स्व' का यह बोध, एक मानसिक या बौद्धिक समझ नहीं है, बल्कि एक अनुभव है, एक ऐसा बोध है जो हमारे सेंट्रल नर्वस सिस्टम (स्वचालित नाड़ी तंत्र) पर होता है और इसे महसूस किया जा सकता है।

हम सभी के अंदर एक दिव्य शक्ति है जिसे कुंडलिनी कहा जाता है, जो भीतर निष्क्रिय रहती है। यह कुंडलिनी वह मातृ ऊर्जा है जो साढ़े तीन कुण्डलों में हमारी रीढ़ की हड्डी के आधार पर सुप्तावस्था में स्थित होती है और ऊपर उठकर छह ऊर्जा केंद्रों (चक्रों) को भेदती है और अंततः सहस्रार का भेदन करती है। मानव सूक्ष्म प्रणाली में सहस्रार के भेदन पर, जैसे एक बंद ढक्कन वाला मिट्टी का बर्तन समुद्र में फेंका जाता है, वह पानी से भर जाता है और ढक्कन को हटाने पर गहराई मे चला जाता है, व्यक्ति भी परमात्मा के साथ मिलन का अनुभव करता है - और सामूहिकता के दायरे में प्रवेश करता है उसके भीतर निहित दिव्यता की गहराईयों को छूने वाली जागरूकता प्राप्त करता है। प्राचीन काल में, हालांकि, इस शक्ति का जागरण बहुत कठिन था और एक गुरु केवल एक शिष्य को आत्म-साक्षात्कार दे सकता था। यह प्रक्रिया बेहद कठोर थी और इसमें गुरु के निर्देशों के तहत कठिन तपस्या और साधनों के माध्यम से मन और शरीर की सख्त शुद्धि शामिल थी। हिमालय की तपस्थली में कठोर तपस्या से, किष्किंधा के गहरे जंगलों में व्यापक ध्यान करने वाले साधकों में से केवल और केवल, सबसे शुद्ध और समर्पित लोग अपना आत्म-साक्षात्कार प्राप्त कर पाते थे। परिणामस्वरूप, लाखों लोगों में से, केवल एक या दो को ही आत्मिक ज्ञान प्राप्त होता था।

इस कलियुग का सबसे बड़ा उपहार है, सहज योग। योग अर्थात परमात्मा से जुड़ाव की इस स्थिति को सहज योग के माध्यम से कुंडलिनी जागरण की सहज प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, परम पूज्य श्री माता निर्मला देवी द्वारा स्थापित प्रसामूहिक आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया। 'सहज' का अर्थ है अनायास अर्थात सरल इसीलिए परमात्मा की दिव्य शक्ति के साथ जुड़ाव 'योग' अत्यंत सहज हो जाता है। सहज योग के माध्यम से, साधक 'द्विज' बन जाता है - 'दो बार जन्मा' जिसे यीशु मसीह ने पुनरुत्थान बताया है। ठीक उसी तरह जैसे जब अंडा फूटता है, तो खोल टूट जाता है और चूजा बाहर आ जाता है, आत्मसाक्षात्कार होने पर समान रूप से हम हमारे अहंकार के खोल से बाहर आ जाते है और जब कुंडलिनी सहस्त्रार को भेदती है तो हमारा अहंकार समाप्त हो जाता है और हम आत्म तत्व में स्थापित हो जाते हैं।

आत्मसाक्षात्कार की यह प्रक्रिया केवल और केवल परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी की दिव्य कृपा के साथ होती है, जिन्होंने 5 मई, 1970 को सहस्रार खोलने के बाद सहज योग की शुरुआत की। श्री माताजी को यकीन था कि केवल उपदेश देना और किताबें लिखना मदद करने वाला नहीं था। आध्यात्मिकता और ईश्वर के महान कार्यों को समझने के लिए स्वयं के भीतर एक परिवर्तन होना चाहिए था। स्वयं के भीतर एक घटना होनी थी, और यह सामूहिक रूप से किया जाना था, व्यक्तिगत रूप से नहीं। वह दिन-रात अथक परिश्रम करती थीं, पूरी दुनिया का दौरा करती थीं, और सामाजिक, सांस्कृतिक और मानव निर्मित सीमाओं से परे सभी को आत्मसाक्षात्कार देती थीं। श्री माताजी ने कभी भी अपने काम के लिए कोई पैसा नहीं लिया। जैसा कि वह कहती हैं, 'यह आपको ज्ञात होना चाहिए, आप सहज योग के लिए कोई पैसा नहीं दे सकते। पैसे के बारे में सोचना भी अपमान है। यह आपका अपना अधिकार है, आप इसके लिए बने हैं।"

जब सहस्रार का भेदन होता है और आत्मा का प्रकाश हमारे चित्त में प्रकाशित होता है, कोई भ्रम या तनाव नहीं रहता और निर्विचार समाधि- विचारहीन जागरूकता की स्थिति अनुभव होती है। जैसे ही प्रकाश अस्तित्व में आता है, अज्ञानता का सारा अंधकार दूर हो जाता है और व्यक्ति अपने हाथों की हथेलियों और सिर के ऊपर ठंडी हवा की सूक्ष्म तरंगों के रूप में व्यक्त परमात्मा के साथ संबंध का अनुभव करना शुरू कर देता है। आत्मज्ञान होने पर यह शरीर अपने आप में हमारे भीतर प्रबुद्ध सभी धर्मों के दिव्य सार के साथ एक मंदिर बन जाता है। हमारी दृष्टि बदलती है और हम अपने भौतिक रूप से परे होते हुए दूसरों के हृदय को छूने लगते हैं। दिल पूरी मानवता के लिए प्यार से भर जाता है और एक गहन शांति अंदर प्रस्थापित हो जाती है और स्वचालित रूप से हम उन सभी गुणों को अपनाना शुरू कर देते हैं जो हमारे भीतर निहित हैं।

आत्मसाक्षात्कारी व्यक्तियों का वर्णन

सौजन्य: संत ज्ञानेश्वर, पसायदान

चला कल्पतरूंचे आरव, चेतनाचिंतामणींचे गाव, बोलती जे अर्णव, पीयूषांचे ॥५॥

जिनकी (संतोंकी, सज्जनोंकी) वाणी और शब्द जैसे अमृतका समुद्र है, उनकी वजहसे यह पृथ्वी कल्पवृक्षोंका बगीचा बन जाये (जाता है), वे चेतनारूपी चितामणियोंके जैसे गांव हैं।

चन्द्रमेंजे अलांछन, मार्तण्ड जे तापहीन, ते सर्वाही सदा सज्जन, सोयरे होतु ॥६॥

चंद्र जैसे तेजस्वी होकरभी जिनके ऊपर कोई दाग नहीं (पवित्र हैं), खोट नहीं और लांछन नहीं हैं, सूर्य (मार्तण्ड) जैसे प्रखर (ज्ञानसे प्रदीप्त) होकरभी जो तप्त, उष्ण (अहंकारसे भरे) नहीं हैं, वे सर्वथा सदैव सज्जन, करुणा और दया से युक्त होते हैं।

यह परिवर्तन आंतरिक है जिसकी अभिव्यक्ति जीवन के सभी क्षेत्रों में होती है चाहे वह मानसिक, शारीरिक या भावनात्मक हो। ध्यान के माध्यम से, व्यक्तित्व में गतिशीलता और एक बड़ी गहराई विकसित होती है। केवल एक चीज़ जो हमें करनी है, वह है, अपने उत्थान हेतु शुद्ध इच्छा करना। जब तक माँ कुंडलिनी को जागृत नहीं किया जाता है तब तक हम कभी भी स्वयं को नहीं समझ सकते हैं। विचार-विमर्श, प्रवचन, किताबी अध्ययन, मंदिरों का निर्माण हो सकता है, लेकिन यदि आत्मा का प्रकाश स्वयं हृदय से गायब है, तो ये सभी चीजें हमारे अस्तित्व को कभी भी अर्थ नहीं दे सकती हैं और निरर्थक हो सकती हैं। एक दीपक जो जलाया ही नहीं गया प्रकाश नहीं फैला सकता। केवल जब हम अपनी स्वतंत्रता में इच्छा करते हैं केवल तभी यह जागृति हो सकती है। सहस्रार, जोकि हमारा अंतिम चक्र है, हमें पूरी तरह से एकीकृत कर संतुलन की स्थिति का आनंद देता है और दैवीय शक्ति के साथ पूर्ण एकाकारिता में प्रवेश कराता है। यह ही सभी धर्मों, शास्त्रों और सृष्टि का सार है। हमारा विकास रुका नहीं है, लेकिन जो बचा हुआ है वह हमारी उत्क्रांति की अंतिम छलांग है जो हमें आध्यात्मिकता के एक नए स्टार तक पहुंचा देती है, तभी हम जान सकते हैं कि हम क्या हैं और हम जो कुछ भी बाहर खोज रहे थे, वह हमारे अपने अंतस में ही है । आत्म तत्व में स्थापित होना हमारे विकास का उच्चतम बिंदु है और सहज योग के माध्यम से ही इस अहसास को जीवन में महसूस किया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। यह परम सत्य है। और अब समय आ गया है कि इस युग में हम इसे समझें, अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें और शाश्वत आनंद और चिरस्थायी शांति से भरे जीवन का आनंद लें। अगर शांति हमारे भीतर है तो पूरी दुनिया में शांति होगी। पूरी मानवता की खोज का उत्तर अब आ गया है।

"आप अपने जीवन का अर्थ तब तक नहीं जान सकते, जब तक कि आप उस शक्ति से नहीं जुड़े हैं, जिसने आपको बनाया है।"

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी

आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए वेबसाइट पर जाएं:

WWW.SAHAJAYOGA.ORG.IN | WWW.NIRMALDHAM.ORG | WWW.SAHAJAYOGAMUMBAI.ORG | E-MAIL: ATMAJAGRATI@GMAIL.COM | TOLL FREE 1800-2-700-800

• NCR - 93101 77207 • MUMBAI - 98203 15343 • JHANSI - 98891 58145 • DEHRADUN - 94120 47547